@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 14 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 159 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली विधानसभा को फिर मिली बम की धमकी

● साइनाइड गैस और आरडीएक्स का दावा; सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर

एजेंसी
नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा को एक बार फिर धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया है। मेल में दावा किया गया है कि तीन घंटे के भीतर विधानसभा परिसर में साइनाइड गैस से भरे 15 आरडीएक्स बम धमाके किए जाएंगे। इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गई। ईमेल में बेहद आपत्तिजनक और भड़काऊ बातें भी लिखी गई हैं। इसमें कहा गया कि सभी मुस्लिम कर्मचारियों को तुरंत परिसर से हटा लिया जाए। साथ ही ईमेल में यह भी लिखा था, 'किसी भी ब्राह्मण को डीएमके में शामिल नहीं होना चाहिए।' मेल में एसवी शेखर का नाम लेते हुए दावा किया गया कि उसके डीएमके में शामिल होने के कारण विधानसभा को निशाना बनाया जाएगा और उन्हें 'भाजपा ब्राह्मण एजेंट' बताया गया। इससे पहले 25 मार्च को भी विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

अब भारत में हो सकेगी अमेरिकी इंजन की मरम्मत

● वायु सेना के साथ समझौता

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस भारतीय वायु सेना के साथ लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस फ्लीट को पावर देने वाले इंजन के लिए रिपेयर सेंटर बनाएगी। इस बावत अमेरिकन एयरक्राफ्ट इंजन आपूर्ति कंपनी ने सोमवार को वायु सेना के साथ समझौता किया है। देश में बनने वाली इस सुविधा का मालिकाना हक वायु सेना के पास होगा, जिससे विदेशी निर्भरता खत्म होने के साथ ही जरूरत पड़ने पर मरम्मत में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। एलसीए तेजस को जंग के लिए तैयार होने में तेजी लाने के मद्देनजर जीई एयरोस्पेस ने भारत में इंजन डिपो बनाने के लिए भारतीय वायु सेना के साथ समझौता किया है। अब एलसीए तेजस मार्क-1ए को पावर देने वाले एफ404-आईएन20 इंजन के लिए देश में ही रिपेयर और ओवरहॉल डिपो बनाया जायेगा। इससे वायु सेना को तेजस लड़ाकू विमान की आपूर्ति में हो रही देरी में तेजी से सुधार होगा, क्योंकि इससे मरम्मत के लिए विदेशी निर्भरता कम होगी और इंजन की रिपेयरिंग में लगने वाला समय भी बचेगा।

कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी, हम डरेंगे नहीं: राहुल गांधी

● 'असम के मुख्यमंत्री को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया'

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां पर लगाए गए आरोपों के बाद दर्ज हुई एफआईआर मामले में कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा का समर्थन किया है। राहुल गांधी ने कहा कि हम डरेंगे नहीं। कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी है। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में असम के मुख्यमंत्री को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया। उन्होंने कहा कि सरमा अपने राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को परेशान करने के लिए अपनी मुख्यमंत्री की सरकारी ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। यह संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री की पत्नी पर जो आरोप लगाए हैं, उनकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने सरकार संचालन में पारदर्शिता की वकालत करते हुए कहा कि पारदर्शिता, सत्ता की जवाबदेही और कानून का राज संवैधानिक मूल्यों का आधार है। मामले की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम डरेंगे नहीं। कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी है।

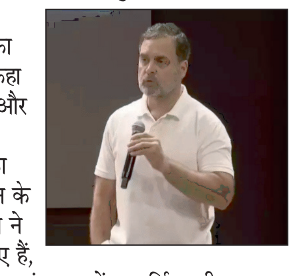

गुजरात के सुरेंद्रनगर में सड़क हादसा, सात लोगों की मौत

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया दुख

एजेंसी
गांधीनगर। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में एक सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा जिले में लखतर-विरमगाम राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने पैदल जा रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। लखतर पुलिस थाने के मुताबिक रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे श्रद्धालुओं का एक समूह राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर दर्शन के लिए पैदल जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक ने नियंत्रण खो दिया और श्रद्धालुओं को टक्कर मार दी।इस हादसे में 6 श्रद्धालुओं और सड़क किनारे खड़े एक डंपर चालक की मौत हो गई। मृतकों में 5 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस सड़क हादसे में जानमाल के नुकसान पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि सुरेंद्रनगर में सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'गुजरात के सुरेंद्रनगर में एक दुखद सड़क दुर्घटना में हुई जान-माल की हानि से मैं अत्यंत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में हुई दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में पीएम मोदी बोले- महिला नेतृत्व से सिस्टम बनता है संवेदनशील

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि 2023 में जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया था, तब सभी राजनीतिक दलों ने मिलकर इसे सर्वसम्मति से पारित किया था। उस समय एक सुर में यह भी मांग उठी थी कि इस कानून को हर हाल में 2029 तक लागू किया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार भी सरकार की प्राथमिकता यही है कि सभी जरूरी फैसले संवाद, सहयोग और सहभागिता के जरिए लिए जाएं। उन्हें विश्वास है कि जिस तरह पहले इस अधिनियम ने संसद की गरिमा बढ़ाई थी, उसी तरह इस बार भी सामूहिक प्रयास से संसद नई ऊंचाइयों को छुएगी। पीएम मोदी ने देश में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि आज भारत में राष्ट्रपति से लेकर वित्त मंत्री जैसे अहम पद महिलाओं के पास हैं और वे इन जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रही हैं। इससे देश का गौरव लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने पंचायत स्तर पर महिलाओं की भागीदारी को भी एक बड़ा उदाहरण बताया और कहा कि आज देश में 14 लाख से अधिक महिलाएं लोकल गवर्नमेंट बॉडीज में सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। करीब 21 राज्यों में पंचायतों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लाखों महिलाओं की यह सक्रियता दुनियाभर के बड़े नेताओं और राजनीतिक विशेषज्ञों को भी हैरान करती है। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि जब निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो सिस्टम अधिक संवेदनशील और जवाबदेह बनता है। जल जीवन मिशन की सफलता इसका एक उदाहरण है, जहां पंचायत स्तर पर महिलाओं की अहम भूमिका रही है। उन्होंने 2014 से पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय करोड़ों महिलाएं ऐसी थीं, जिन्होंने कभी बैंक का दरवाजा तक नहीं देखा था। बैंकिंग से जुड़ाव न होने के कारण उन्हें उसका लाभ नहीं मिल पाता था, लेकिन जनधन योजना के जरिए महिलाओं के 32 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले गए, जिससे उनकी आर्थिक भागीदारी बढ़ी।

● *'आज देश की बेटियां नए-नए बिजनेस में अपनी पहचान बना रही हैं। मुद्रा योजना के तहत दिए गए कुल लोन में से 60 प्रतिशत से अधिक लोन महिलाओं ने लिए हैं।*

मतदाता सूची से बाहर किए गए लोग नहीं कर पाएंगे मतदान

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद के बीच सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि जिनके नाम वोटर लिस्ट से हटाने के खिलाफ अपील लंबित है, उन्हें मतदान की अनुमति नहीं मिलेगी। पश्चिम बंगाल में इसी महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी घमासान चरम पर है। इसी बीच अब विशेष गहण पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सोमवार को साफ-साफ कहा कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के खिलाफ अपील लंबित है, उन्हें आगामी पश्चिम बंगाल चुनाव में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। राज्य में चल रहे एसआईआर विवाद के बीच सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला चुनावी राजनीति में बड़ा मोड़ माना जा रहा है, जिससे पार्टियों के बीच टकराव और तेज हो सकता है। अदालत ने कहा कि जब तक संबंधित अपीलों पर अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक ऐसे व्यक्तियों को वोट देने की इजाजत देना कानूनी प्रक्रिया के खिलाफ होगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। जहां सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अगर ऐसे लोगों को वोट देने की अनुमति दी जाती है, तो यह व्यवस्था गड़बड़ा जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद राज्य में करीब 34 लाख वोटर के मतदान करने पर तलवार लटकती हुई नजर आने लगी है। बता दें कि यह पूरा मामला राज्य में चल रही वोटर लिस्ट की विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) से जुड़ा है। जिन लोगों के नाम लिस्ट से हटाए गए, उन्होंने इसके खिलाफ अपील की है। अब तक करीब 34 लाख से ज्यादा अपीलें दायर हो चुकी हैं। वहीं याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील कल्याण बंदोपाध्याय ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग कोर्ट से उम्मीद रखते हैं और यह धारणा बन रही है कि सभी मामलों का निपटारा हो चुका है, जबकि ऐसा नहीं है। गौरतलब है कि इसी सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ह्ह्व) ने मालदा जिले की घटना पर स्टेटस रिपोर्ट पेश की। जहां 1 अप्रैल को वोटर लिस्ट से नाम हटने के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने कई न्यायिक अधिकारियों का घंटों घेराव किया था। इसपर कोर्ट ने एनआईए से यह भी पूछा कि गिरफ्तार लोगों का कोई राजनीतिक संबंध है या नहीं।

राज्यसभा के उपसभापति का चुनाव 17 अप्रैल को

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति पद के लिए चुनाव 17 अप्रैल को होगा। सत्तारूढ़ एनडीएस इस अहम पद के लिए एक बार फिर हरिवंश पर दांव लगाने की तैयारी में है। यह पद 9 अप्रैल को हरिवंश का कार्यकाल खत्म होने के बाद खाली हो गया था। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें दोबारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किया और उन्होंने 10 अप्रैल को शपथ ली थी। सूत्रों के मुताबिक, राज्यसभा में सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विभिन्न दलों के नेताओं से बातचीत कर हरिवंश के नाम पर सहमति बनाने की कोशिश की है। हालांकि, विपक्ष ने इस चुनाव को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और वाम दलों का कहना है कि जब लोकसभा में उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) का पद 2019 से खाली है, तो राज्यसभा में इतनी जल्दी चुनाव कराने की क्या जरूरत है? कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार उपसभापति की नियुक्ति को जल्दबाजी में थोपना चाहती है। वहीं टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने भी चुनाव की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई सांसद अपने राज्यों में चुनावी व्यस्तताओं में लगे हैं। सीपीआई नेता पी संदोश ने भी सरकार से पूछा कि लोकसभा के डिप्टी स्पीकर पद को भरने में वही तत्परता क्यों नहीं दिखाई जाती। राज्यसभा सचिवालय की अधिसूचना के अनुसार, उपसभापति पद के लिए नामांकन 16 अप्रैल दोपहर 12 बजे तक किया जा सकेगा। चुनाव 17 अप्रैल को सदन में कागजात पेश होने के तुरंत बाद कराया जाएगा। अधिसूचना में कहा गया कि जिन सदस्यों ने अभी तक राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ नहीं ली है, वे भी गुरुवार, 16 अप्रैल को अपनी शपथ/प्रतिज्ञान लेंगे। उस दिन उच्च सदन एक विशेष सत्र के लिए शुरू होगा। इसके दौरान महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधनों पर विचार किया जाएगा। गौरतलब है कि हरिवंश बिहार से जेडीयू के सांसद रहे हैं और वे पहले भी दो कार्यकाल तक उपसभापति रह चुके हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने सदन में कई संवेदनशील और विवादित मुद्दों को संभाला है।

65 से बढ़कर 3330 पर पहुंचा शेयर, 5 साल में निवेशकों की बदली किस्मत

नईदिल्ली, एजेंसी। कोरोना के दौर में कुछ शेयरों ने चौंकाने वाला रिटर्न दिया। ऐसा ही एक शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का है। इस शेयर से सिर्फ पांच साल में निवेशकों को 4900 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला।

शेयर बाजार में कई ऐसे स्टॉक हैं जिन्होंने कम समय में निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। खासतौर पर कोरोना के दौर में कुछ शेयरों ने चौंकाने वाला रिटर्न दिया। ऐसा ही एक शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का है। इस कंपनी के शेयर की कीमत पांच साल पहले 65 से बढ़कर 3330 हो गई। इस तरह, सिर्फ पांच साल में निवेशकों को 4900 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला। अगर रकम के हिसाब से देखें तो साल 2021 में किया गया 1 लाख का निवेश बढ़कर लगभग 50 लाख के आसपास हो गया होगा।

बीएसई को लेकर नया अपडेट

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को सेबी से फोकस्ड इंडेक्स पर डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट लॉन्च करने की मंजूरी मिली है। यह डेरिवेटिव्स सेगमेंट में अपने उत्पादों की चेन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। बीएसई फोकस्ड आइटी इंडेक्स, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सेक्टर की 14 कंपनियों के परफॉर्मेंस को ट्रैक करता है, जिससे निवेशकों को इस सेक्टर के लिए एक खास बेंचमार्क मिलता है। एक्सचेंज के मुताबिक लॉन्च की टाइमलाइन और कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी खास बातों के बारे में और जानकारी अलग-अलग सर्कुलर के जरिए दी जाएगी।

वर्तमान में शेयर का हाल- बीएसई के शेयर अपनी पिछली क्लोजिंग 3,257.40 रुपये के मुकाबले 3,310 रुपये पर खुले और 3,330 रुपये तक पहुंच गए। इस दौरान शेयर 3,234 रुपये के लो पर भी आया। शेयर की क्लोजिंग 3,281.20 रुपये पर हुई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने बीते 9 फरवरी को एफवाय26 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। इस तिमाही में मुनाफा 601.81 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बताए गए 219.67 करोड़ रुपये के नेट प्रॉफिट से 174 प्रतिशत की साल-दर-साल बढ़ोतरी है। इस बीच, तिमाही के दौरान कंपनी का ऑपरेशन से रेवेन्यू लगभग 62 प्रतिशत वायओवाय बढ़कर 1,244.10 करोड़ रुपये हो गया। यह भारत के सबसे पुराने और सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंजों में से एक है, जिसकी स्थापना 1875 में हुई थी। यह इक्विटी, डेरिवेटिव और डेट सिक्योरिटीज जैसे अलग-अलग फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स में ट्रेडिंग के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रोवाइड करके भारतीय कैपिटल मार्केट में एक अहम भूमिका निभाता है। यह अपने मजबूत तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जाना जाता है और इसने ऑन-लाइन ट्रेडिंग सिस्टम जैसे इनोवेशन की शुरुआत की है। म्यूचुअल फंड उद्योग में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

आपूर्ति का भरोसा दिलाया और ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल की अपील की

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने नागरिकों को भरोसा दिलाया है कि पूरे देश में एलपीजी की आपूर्ति स्थिर और पर्याप्त है। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे घबराहट में ज़्यादा खरीदारी न करें और ज़िम्मेदारी के साथ एलपीजी का इस्तेमाल करते रहें। मौजूदा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की मज़बूती का ज़िक्र करते हुए, मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी की उपलब्धता पर निगरानी रखी जा रही है और इसका प्रबन्धन किया जा रहा है, ताकि देश भर के परिवारों तक बिना किसी रुकावट के एलपीजी पहुँचती रहे। मंत्रालय ने एलपीजी बुकिंग के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल पर भी ज़ोर दिया। अब लगभग 95 फीसदी उपभोक्ता आईवीआरएस, एसएमएस, व्हॉट्सऐप और मोबाइल ऐप के ज़रिए बुकिंग करते हैं। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे इन आसान और प्रभावी डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल करते रहें, ताकि डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर भीड़ न लगे और उन्हें बिना किसी रुकावट के सेवा मिलती रहे।

टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये

● *अब 44 लाख रुपये से ज्यादा हो गए*

नईदिल्ली, एजेंसी। गोल्ड और टाइटन के पिछले 16 साल के रिटर्न की बात करें तो टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये अब 44 लाख रुपये से ज्यादा हो गए हैं। वहीं, 1 लाख रुपये से खरीदे गए गोल्ड के दाम अब 8 लाख रुपये के ऊपर पहुंच गए हैं। गोल्ड को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक माना जाता है।

निवेशकों को मालामाल करने के मामले में भी गोल्ड का कोई जवाब नहीं है।

हालांकि, अगर आप जोखिम उठा सकते हैं तो मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों के शेयरों में भी आपको छप्परफाड़ रिटर्न मिल सकता है।

हमने गोल्ड और शेयर के रिटर्न की एक तुलना करने की कोशिश की है। हालांकि, दोनों बिल्कुल अलग-अलग निवेश विकल्प हैं

और दोनों के अपने नफा-नुकसान हैं। हमने गोल्ड और ज्वैलरी बिजनेस से जुड़ी टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयरों में 1-1 लाख रुपये के निवेश के आधार पर कैलकुलेशन किया है। निवेश की अवधि हमने 16 साल रखी है तो आइए जानते हैं कि गोल्ड और टाटा ग्रुप के स्टॉक टाइटन, किसने निवेशकों को ज्यादा रिटर्न दिया।

टाइटन ने जून 2011 में अपने शेयरधारकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया।

साथ ही, टाइटन ने जून 2011 में ही 10:1 के रेशियो में अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) किया।

बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट जोड़ लें तो शेयरों की कुल संख्या 960 पहुंच जाती है। टाइटन के शेयर शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 को में 4,505 रुपये पर बंद हुए हैं। इस हिसाब से 960 शेयरों की मौजूदा वैल्यू 44.86 लाख रुपये होती है।

गोल्ड में लगाए गए 1 लाख रुपये अब बन गए 8 लाख रुपये से ज्यादा

गोल्ड ने भी अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया है। पिछले दिनों ही गोल्ड के दाम 1,75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच गए थे। अगर 16 साल पहले गोल्ड में लगाए गए 1 लाख रुपये का कैलकुलेशन देखें तो अप्रैल 2010 में 24 कैरेट गोल्ड का रेट 18,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था।

टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये

अब बने 44 लाख से ज्यादा टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयर 20 अप्रैल 2010 को 2046.10 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 20 अप्रैल 2010 को टाइटन के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते तो उसे कंपनी के 48 शेयर मिलते।

सैलरी से लेकर पेंशन तक पर होगी बात

8वें वेतन आयोग के लिए सोमवार को बड़ी बैठक

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए 13 अप्रैल की तारीख काफी अहम है। इस दिन आठवें वेतन आयोग के लिए अपना मेमोरेंडम फाइनल किया जाएगा। इसके लिए नेशनल काउंसिल ऑफ जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी की अहम बैठक होने वाली है। यह बैठक इसलिए अहम है क्योंकि कर्मचारियों के प्रतिनिधि सैलरी, पेंशन और सेवा शर्तों से जुड़ी अपनी मांगों को एक साझा मेमोरेंडम में इकट्ठा कर रहे हैं, जिसे 8वें वेतन आयोग को सौंपा जाएगा।ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन के सी. श्रीकुमार ने इकोनॉमिक टाइम्स को बताया कि 13 अप्रैल की बैठक में संभवतः एक साझा ज्ञापन को अंतिम रूप दिया जाएगा। रेलवे, रक्षा और अन्य क्षेत्रों के कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ मिलकर इस बैठक में अपने प्रस्तावों पर चर्चा करेगा और उन्हें अंतिम रूप देगा। फिटमेंट फैक्टर की होगी बड़ी भूमिका

आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों में फिटमेंट फैक्टर की बड़ी भूमिका होगी। इसका इस्तेमाल सरकारी कर्मचारियों की सैलरी, पेंशन और भत्तों को रिवाइज करने के लिए किया जाता

है। केंद्रीय कर्मचारियों का सैलरी स्ट्रक्चर अभी 7वें वेतन आयोग के फिटमेंट फैक्टर पर आधारित है, जिसे 2016 में लागू किया गया था। आयोग ने 2.57 का फिटमेंट फैक्टर इस्तेमाल किया था। आठवें वेतन आयोग में कुछ कर्मचारी समूह 3.15 के फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रहे हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पिछले महीने संसद में कहा था कि 8वां वेतन आयोग केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभों पर अपनी सिफारिशें देगा।

वेतन आयोग की 24 अप्रैल को बैठक

वेतन आयोग की बैठक 24 अप्रैल, 2026 को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में होगी। 8वें वेतन आयोग ने कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, संगठनों, यूनियनों और अन्य हितधारकों से वेतन, पेंशन, भत्ते और नौकरी से संबंधित अन्य मामलों के संबंध में सुझाव और अभ्यावेदन आमंत्रित किए हैं।

12 मार्च को भी हुई थी बैठक

बता दें कि 13 अप्रैल की यह बैठक 12 मार्च को हुई पिछली चर्चाओं के बाद हो रही है। इस बैठक में ड्राफ्टिंग कमिटी के सदस्यों ने संयुक्त ज्ञापन में शामिल किए जाने वाले मुख्य प्रस्तावों पर चर्चा की थी। वहीं, एनसी-जेसीएम (स्टाफ साइड) के सचिव शिव गोपाल मिश्रा ने 1 अप्रैल के एक पत्र में आयोग से आग्रह किया था कि अंतिम प्रस्ताव जमा करने से पहले, वह अपनी प्रश्नावली में नौ अतिरिक्त बिंदुओं पर विचार करे।.

डीए ऐलान के बाद भी 4 महीने का एरियर केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी पर बड़ा असर

नईदिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर केंद्र सरकार मार्च के महीने में होली के आसपास डीए बढ़ोतरी का ऐलान कर देती है। यह साल की पहली छमाही के लिए लागू होता है।अप्रैल महीने के 10 दिन से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन अब तक कर्मचारियों के डीए बढ़ोतरी का ऐलान नहीं हुआ। केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता यानी डीए में इजाफे का इंतजार बढ़ता जा रहा है। अप्रैल महीने के 10 दिन से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन अब तक कर्मचारियों के डीए बढ़ोतरी का ऐलान नहीं हुआ। इस देरी की वजह से अब केंद्रीय कर्मचारियों की अप्रैल की सैलरी पर भी असर पड़ने की आशंका है। आइए समझते हैं पूरा मामला।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स इस बात से सहमत हैं कि पिछले सालों के मुकाबले इस बार डीए में थोड़ी देरी हुई है। अधिल शेट्टी ने मनीकंट्रोल से इसकी वजह बताते हुए कहा- यह शायद एडमिनिस्ट्रेटिव सीक्वेंसिंग और 8वें फ्रेमवर्क की ओर बदलाव की वजह से है, जिसके लिए अपडेटेड पे स्ट्रक्चर और महंगाई के डेटा के बीच तालमेल जरूरी होता है।

क्या है मामला

आमतौर पर केंद्र सरकार मार्च के महीने में होली के आसपास डीए बढ़ोतरी का ऐलान कर देती है। यह साल की पहली छमाही के लिए लागू होता है। मार्च महीने में डीए ऐलान के बाद कर्मचारियों की अगले महीने सैलरी बढ़कर आती है। इसमें जनवरी, फरवरी महीने का एरियर भी जुड़ा रहता है। हालांकि, इस बार भत्ते में देरी से अब केंद्रीय कर्मचारियों को मई महीने का इंतजार करना पड़ सकता है।

दरअसल, केंद्र सरकार के कई ऐसे भी विभाग हैं जहां सैलरी कैल्कुलेशन 15 से 15 तारीख का चलता है। मतलब ये कि जो सैलरी बनती है वो पिछले महीने की 15 तारीख से चालू महीने की 15 तारीख तक की होती है। अगर डीए के ऐलान में देरी होती है तो यह संभव है कि केंद्रीय कर्मचारियों की मई की सैलरी।

सैमसंग के और गैलेक्सी डिवाइसेस पर मिलेगा वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग अपने वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम का विस्तार और अधिक गैलेक्सी डिवाइसों तक कर रहा है। मार्च में वन यूआई 8.5 बीटा के विस्तार के बाद, अब यह प्रोग्राम गैलेक्सी एस23 सीरीज़, गैलेक्सी जेड फोल्ड5, गैलेक्सी जेड फ्लिप5, गैलेक्सी एस23 स्नश्च और पहली बार ए-सीरीज़ के गैलेक्सी ए36 5जी सहित अन्य डिवाइसेस के लिए जारी किया जा रहा है। यह बीटा प्रोग्राम भारत, कोरिया, यूके और अमेरिका जैसे चुनिंदा बाजारों में चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध होगा। एंड्रॉइड के साथ अपने निरंतर सहयोग को आगे बढ़ाते हुए, सैमसंग वन यूआई 8.5 बीटा पर क्विक शेयर के माध्यम से एयरड्रॉप के लिए सपोर्ट पेश कर रहा है, जिससे गैलेक्सी एस25 सीरीज़, गैलेक्सी एस24 सीरीज़, गैलेक्सी जेड फोल्ड7, गैलेक्सीजेड जेड फ्लिप7, गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 जैसे चुनिंदा डिवाइसेस के उपयोगकर्ताओं के लिए क्रॉस-प्लेटफॉर्म फाइल शेयरिंग अधिक सुगम हो जाएगी। बीटा प्रोग्राम का विस्तार इस महीने के अंत में अन्य गैलेक्सी डिवाइसेस तक भी जारी रहेगा और इच्छुक उपयोगकर्ता सैमसंग मेंबर्स ऐप के माध्यम से इसके लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

सैमसंग ने भारत में टॉप माउंट फ्रीज़र रेफ्रिजरेटर्स तक बढ़ाया अपना बीस्पोक एआई लाइन-अप

● *बिजली की बचत* ● *ताज़गी और सुविधा के लिए इसमें है एआई एनर्जी मोड* ● *फ्लैट डोर डिज़ाइन और एडवांस कूलिंग*

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने बीस्पोक एआई टॉप-माउंट फ्रीज़र रेफ्रिजरेटर लाइन-अप के विस्तार की घोषणा की है। यह नई रेंज भारतीय घरों में समझदारी भरी बिजली बचत और आधुनिक लुक लाने के लिए तैयार की गई है। शानदार बीस्पोकडिज़ाइन वाले इन रेफ्रिजरेटर्स में एडवांस एआई फीचर्स, स्मार्ट कनेक्टिविटी और भरोसेमंद परफॉरमेंस काबेहतरीन मेल है।

रेफ्रिजरेटर्स की इस नई रेंज में 256 लीटर और 236 लीटर की क्षमता वाले चुनिंदा मॉडल्स वाई-

फाईकनेक्टिविटी के साथ आते हैं, ताकि इन्हें स्मार्टथिंग्स ऐप के ज़रिए स्मार्टफोन से आसानी से कंट्रोल और मॉनिटरकिया जा सके। इन मॉडल्स में स्टाइलिश फ्लैट-डोर डिज़ाइन के साथ-साथ तुरंत कूलिंग के लिए पावर कूल और पावर फ्रीज़ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इंडस्ट्री के बेहतरीन मानकों के साथ, ये रेफ्रिजरेटर्स बिजली बचानेऔर शानदार परफॉरमेंस देने के लिए बनाए गए हैं। सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज़ बिज़नेस के वाइस प्रेसिडेंट घुफरान आलम ने कहा, भारत में सैमसंग के 30 साल पूरे होने के मौके पर, हम भारतीय ग्राहकों के लिए लगातार नए और बेहतर एनर्जी-एफिशिएंट समाधान ला रहे हैं। 300 लीटर से कम क्षमता वाले हमारे नए एआई-इनेबल्ड रेफ्रिजरेटर्स, जिनमें बीस्पोक एआई टॉप माउंट फ्रीज़र भी शामिल है, भारतीय घरों में स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी, मॉडर्न डिज़ाइन और बेहतर बिजली मैनेजमेंट की सुविधा देते हैं। यह एआई तकनीक को हर किसी तक पहुँचाने और लोगों की ज़रूरत के हिसाब से समाधान देने की हमारी कोशिश को दर्शाता है।

बेहतर बिजली मैनेजमेंट के लिए एनर्जी मोड

बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर्स में एआई एनर्जी मोड दिया गया है, जो आपके फ्रिज को इस्तेमाल करने का तरीका समझता है और बिजली की खपत का अनुमान लगाता है। यह बिजली के इस्तेमाल को 10 प्रतिशत तक कम करने में मदद करता है। ग्राहक स्मार्टथिंग्स एनर्जी ऐप के ज़रिए रोज़ाना, साप्ताहिक या मासिक आधार परबिजली के खर्च को ट्रैक भी कर सकते हैं, जिससे बिजली का मैनेजमेंट और आसान हो जाता है।

भारत में पेट केयर पर होने वाले खर्च और पेट केयर अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो रही है

● **जेन ज़ी और मिलेनियल्स इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं**

मुंबई, एजेंसी। पेट्स को सभी प्यार करते हैं। उनकी देखभाल करते हैं और एक परिवार के सदस्य की तरह उनका पालन-पोषण करते हैं। उनके साथ गहरे भावनात्मक जुड़ाव के कारण भारत में 'पेट पैरेंट्स' बढ़ रहे हैं। यह बदलाव केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में उनके लिए शॉपिंग, खर्च और उनकी केयर में भी दिखाई दे रहा है। भारत में पेट इंडस्ट्री पर जारी हुई आई.बी.ई.एफ रिपोर्ट के अनुसार यह सेक्टर लगभग 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जिसमें लोगों की बढ़ती आय, शहरी जीवनशैली और पेट की सेहत के प्रति बढ़ती प्राथमिकता का महत्वपूर्ण योगदान है। यह वृद्धि फ्लिपकार्ट पर भी प्रदर्शित हो रही है, जहाँ पेट-केयर के प्रति जीवनशैली पर आधारित बढ़ते दृष्टिकोण के साथ इस श्रेणी में 50 प्रतिशत से अधिक की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज हो रही है। ग्राहकों द्वारा फ्लिपकार्ट पर कुत्ते और बिल्लियों से लेकर मछलियों, पक्षियों और अन्य पालतू जानवरों तक कई दैनिक उपयोगिता की वस्तुओं और विशेष प्रीमियम प्रोडक्ट्स की खरीदारी की जा रही है। बैंगलोर, दिल्ली और कोलकाता जैसे शहर मांग के मुख्य केंद्र बन रहे हैं और पेट केयर के कुल ऑर्डर्स में लगभग 10 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं। वहीं नॉन-मेट्रो शहर, जैसे मैसूर, देहरादून और कटक मेट्रो शहरों के बाहर पेट्स की बढ़ती ओनरशिप प्रदर्शित करते हैं।

पेट केयर में अब केवल फूड और हाईज़ीन की शॉपिंग ही नहीं,

बल्कि न्यूट्रिशन, ग्रूमिंग, वैलनेस और एनरिचमेंट आदि जैसी कई श्रेणियों की शॉपिंग शामिल हो गई है। इस परिवर्तन में नई पीढ़ी के पेट पैरेंट्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। आज फ्लिपकार्ट पर दर्ज होने वाली 80 प्रतिशत से अधिक मांग जेन ज़ी और मिलेनियल्स से प्राप्त हो रही है, जो पेट केयर के लिए ज्यादा सूचित और विकसित दृष्टिकोण रखते हैं।

आज पेट्स की लोगों के जीवन में गहरी भावनात्मक भूमिका है

वो दैनिक जीवन में साथ देते हैं, खेलते कूदते रहते हैं और आराम देते हैं। पेट पैरेंट्स के शॉपिंग के व्यवहार में उनका यह संबंध साफ दिखाई देता है और वो कम्फर्ट, केयर एवं संपूर्ण सेहत को अधिक महत्व देते हैं। फ्लिपकार्ट पर इसलिए एक बढ़ता हुआ परिवेश विकसित हो रहा है, जो पेट्स की केयर को सरल, सुलभ और बेहद निजी बनाता है।

हंगामा ओटीटी पर 'मंगलमुखी' लॉन्च

मुंबई। भारत के प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक हंगामा ओटीटी ने 9 अप्रैल 2026 को अपनी नई ओरिजिनल सीरीज 'मंगलमुखी' लॉन्च की। यह एक सशक्त क्राइम ड्रामा है, जिसकी कहानी वाराणसी और मुंबई जैसे दो अलग-अलग माहौल के बीच आगे बढ़ती है। इस सीरीज में एला डी वर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, उनके साथ नमिश तनेजा, रति पांडे और तान्या शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। यह कहानी एक हाई-स्टेक मर्डर मिस्ट्री को पहचान, सम्मान और संघर्ष की भावनात्मक परतों के साथ जोड़ती है। 'मंगलमुखी' की कहानी मंगल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ट्रांसजेंडर पुलिस ऑफिसर है और जिसे लंबे समय से अपने विभाग में तिरस्कार और नजरअंदाजी झेलनी पड़ी है। लेकिन उसकी जिंदगी तब बदलती है, जब उसे अपना पहला बड़ा केस मिलता है। यह केस एक लोकप्रिय टीवी स्टार की कैमरे पर हुई रहस्यमयी मौत से जुड़ा है, जो उसे वाराणसी से मुंबई के अंधेरे एंटरटेनमेंट जगत तक ले जाता है। जो शुरुआत में एक हादसा लगता है, वह धीरे-धीरे एक खौफनाक जांच में बदल जाता है, जहां मंगल को सिर्फ इंसाफ के लिए नहीं बल्कि अपनी पहचान के लिए भी लड़ना पड़ता है। अपने किरदार के बारे में एला डी वर्मा कहते हैं, मंगलमुखी सिर्फ एक पुलिस ऑफिसर की कहानी नहीं है, यह पहचान, हिम्मत और खुद पर विश्वास की कहानी है। उसकी यात्रा जेंडरसे आगे जाती है। यह साबित करने की कहानी है कि आपकी काबिलियत इस बात से तय नहीं होती कि समाज आपको कैसे देखता है। वह तेज, मजबूत और निडर है, और यही बात मुझे इस किरदार की तरफ खींच लाई।

वंदे भारत स्लीपर दूसरी ट्रेन की हो गई घोषणा

ना दिल्ली ना पटना, यह तो चलेगी मुंबई से

नईदिल्ली, एजेंसी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का इंतजार देश के हर राज्य को है। देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन हावड़ा से गुवाहाटी रूट पर चली थी। दूसरी वंदे भारत के बारे में कयास था कि यह दिल्ली से पटना या दिल्ली से हावड़ा के रूट पर चलेगी। लेकिन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन सब कयासों पर विराम लगा दिया है। उन्हें खुद पत्र लिख कर सूचित किया है कि वंदे भारत स्लीपर का दूसरा रूट क्या होगा। अश्विनी वैष्णव ने बीते 5 अप्रैल को बेंगलुरु सेंट्रल से लोकसभा सदस्य पी.सी. मोहन को पत्र लिख कर बताया कि चस्क्र बेंगलुरु और छ्टस्स्ख्न मुंबई स्टेशनों के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेवा को मंजूरी दी गई है। केएसआर बेंगलुरु रेलवे स्टेशन दरअसल बेंगलुरु सिटी रेलवे स्टेशन है जिसका नाम अब बदल कर क्रांतीवीर संगोली रायना बेंगलुरु कर दिया गया है। वैष्णव ने बताया कि इस समय ट्रेन के रूट, जर्नी टाइम और फ्रीक्वेंसी आदि पर काम कर चल रहा है। उन्होंने लिखा है 'ट्रेन सेवा जल्द ही शुरू होगी। 'बेंगलुरु से मुंबई 17 घंटे में

बेंगलुरु डिवीजन के डीआरएम आशुतोष कुमार सिंह ने डेक्कन हेराल्ड के साथ बातचीत में बताया है कि इन दोनों शहरों के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलेगी, इसकी घोषणा तो हो गई है। लेकिन अभी रूट फाइनल नहीं हुआ है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि दोनों शहरों के बीच यह ट्रेन 17 से 18 घंटे में यात्रा पूरी करेगी। इसका रूट क्या होगा, वाया कालबुर्गी या वाया हुबली इस सवाल पर उनका कहना था कि अभी भी इस पर काम चल रहा है। हां, उन्होंने बताया कि बेंगलुरु से मुंबई जाने का वाया हुबली छोटा रूट है जबकि वाया हुबली जाने में ज्यादा समय लगता है।

सोनिया गांधी ने महिला आरक्षण पर सवाल उठाते हुए कहा परिसीमन असली मुद्दा

चुनाव के बीच विशेष सत्र पर भी किए सवाल

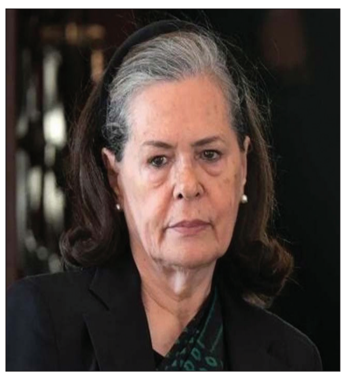

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनियां गांधी ने महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि महिला आरक्षण के बहाने सरकार का असली एजेंडा परिसीमन है, जिस पर अब तक स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। कांग्रेस नेत्री सोनियां गांधी ने अपने एक लेख में कहा, कि प्रधानमंत्री विपक्ष से उन विधेयकों का समर्थन मांग रहे हैं, जिन्हें संसद के विशेष सत्र में जल्दबाजी में पारित कराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि जब तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है, तब इस विशेष सत्र को बुलाने की क्या आवश्यकता थी?

सोनिया गांधी ने कहा, यह पूरा कदम राजनीतिक लाभ हासिल करने के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार 2023 में ही 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित कर चुकी है, लेकिन इसे लागू करने की शर्त अगली जनगणना और परिसीमन से जोड़ी गई है। ऐसे में उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र में महिला आरक्षण नहीं, बल्कि परिसीमन असली मुद्दा है, जो संविधान के लिए चिंताजनक हो सकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विपक्ष पहले ही मांग कर चुका है कि महिला आरक्षण को 2024 के आम चुनाव से लागू किया जाए। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी साल 2024 में इस संबंध में सरकार से आग्रह किया था, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया। अब सरकार अनुच्छेद 334-ए में संशोधन कर इसे 2029 से लागू करने की तैयारी कर रही है।

सोनिया गांधी ने सवाल उठाया है, कि इस फैसले पर सरकार को यू-टर्न लेने में 30 महीने क्यों लगे और पांच राज्यों के चुनाव खत्म होने तक इंतजार क्यों नहीं किया गया? उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष तीन बार पत्र लिखकर 29 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर चुका है, लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

खड़गे ने विशेष सत्र की टाइमिंग को लेकर की आपत्ति

इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर विशेष सत्र की टाइमिंग पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि चुनावों के बीच इस तरह का कदम यह दर्शाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। साथ ही, उन्होंने परिसीमन से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग दोहराई है।

हार के डर से एसआईआर को मुद्दा बना रही ममता : मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और बालीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार हुआ था, और उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर विधानसभा चुनावों में हार के डर से प्रक्रिया को मुद्दा बनाने का आरोप लगाया। बीजेपी नेता चक्रवर्ती ने कहा कि एसआईआर किसी के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता है। उन्होंने पश्चिम मेदिनीपुर जिले में एक रोड शो के दौरान बताया, किसी अन्य राज्य में एसआईआर कोई मुद्दा नहीं है। इस संविधान के अनुसार निर्वाचन आयोग द्वारा कराया गया है। तमिलनाडु में यह सुचारू रूप से संपन्न हुआ। पश्चिम बंगाल को छोड़कर कहीं और कोई समस्या नहीं आई थी। बीजेपी नेता चक्रवर्ती ने दावा किया, पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार एसआईआर को लेकर हंगामा कर रही है, क्योंकि उन्हें (पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को) हार का डर सता रहा है।

हाईकोर्ट के फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची असम सरकार, पवन खेड़ा की बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की मुश्किलें फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। असम सरकार ने तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई थी। असम सरकार की इस याचिका ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। पूरा मामला तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश से जुड़ा है, जिसमें कोर्ट ने पवन खेड़ा को राहत देते हुए एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मंजूर की थी। हाईकोर्ट का उद्देश्य खेड़ा को इतना समय देना था कि वह संबंधित निचली कोर्ट में जाकर अपनी नियमित जमानत याचिका दायर कर सकें। रिपोर्ट के मुताबिक असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ अपील की है जिसमें सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी शर्मा के खिलाफ लगाए गए आरोपों को लेकर असम में दर्ज एक मामले के सिलसिले में पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई थी। असम सरकार का तर्क है कि पवन खेड़ा के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर हैं और उन्हें इस तरह की राहत नहीं मिलनी चाहिए।

ईरान में फंसे 71 भारतीय मछुआरे सुरक्षित वतन लौटे, उमरगाम में जश्न का माहौल

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले के उमरगाम तालुका स्थित मरोली गांव और आसपास के इलाकों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। लंबे समय से ईरान में फंसे करीब 71 भारतीय मछुआरे अब सुरक्षित भारत लौट आए हैं। यह संभव हो पाया है भारत सरकार के सफल कूटनीतिक प्रयासों के चलते। जानकारी के अनुसार, ये सभी मछुआरे रोजगार के सिलसिले में मछली पकड़ने के लिए ईरान गए थे। इसी दौरान ईरान और आसपास के क्षेत्रों में उत्पन्न युद्ध जैसे हालात और बिगड़ती भू-राजनीतिक स्थिति के कारण वे वहां फंस गए थे। इस घटना से उनके परिवारों में गहरी चिंता और बेचैनी का माहौल था। मछुआरों ने वीडियो संदेश के जरिए भारत सरकार और गुजरात सरकार से मदद की गुहार लगाई थी। इसके बाद वलसाड के सांसद और विदेश मंत्रालय की सक्रिय पहल पर ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने राहत अभियान चलाकर सभी मछुआरों को सुरक्षित बाहर निकाला। सभी 71 मछुआरे भारत लौट चुके हैं और तय कार्यक्रम के अनुसार वे कल उमरगाम रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। उनकी वापसी की खबर मिलते ही मरोली गांव में खुशी का माहौल छा गया है। लंबे समय के इंतजार के बाद अपने प्रियजनों से मिलने को परिवार उत्सुक हैं। वतन लौटने के बाद मछुआरों ने भारत सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वहां की स्थिति बेहद गंभीर थी, लेकिन समय पर मिली मदद ने उनकी जान बचा ली। वहीं, गांव के लोगों द्वारा उनके स्वागत की भव्य तैयारियां भी की जा रही हैं।

जोधपुर रेल मंडल की उपलब्धि : कबाड़ से कमाए 58 करोड़, राजस्व में 300 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि

जोधपुर (एजेंसी)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर रेल मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। मंडल ने कबाड़ (स्क्रैप) निस्तारण के माध्यम से 58 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है, जो न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रेलवे की सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों को भी नए स्तर पर ले गया है। यह सफलता इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले मंडल ने लगभग 300 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार रेलवे के खजाने में करीब 43.48 करोड़ रुपये अधिक जमा हुए हैं। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अनुराग त्रिपाठी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रेलवे ने 15 हजार मीट्रिक टन स्क्रैप निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया था। जोधपुर मंडल की टीम ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए न केवल लक्ष्य को समय रहते हासिल किया, बल्कि कुल 16,500 मीट्रिक टन कबाड़ का सफल निष्पादन कर लक्ष्य को भी पार कर लिया। डीआरएम ने स्पष्ट किया कि कबाड़ हटाना केवल राजस्व बढ़ाना नहीं है, बल्कि यह रेलवे के नॉन फेयर रेवेन्यू को मजबूती प्रदान करने का एक जरिया है, जिससे प्राप्त संसाधनों का उपयोग यात्री सुविधाओं को आधुनिक बनाने में किया जाता है। इस अभियान का सबसे बड़ा लाभ रेलवे की सुरक्षा और स्वच्छता में देखने को मिला है। रेल पटरियों, यार्डों और वर्कशॉप में वर्षों से पड़े अनुपयोगी लोहे, पुराने रेल ट्रैक और जंग लगे उपकरणों को हटाने से परिचालन अधिक सुरक्षित हो गया है। पुराने केबल और बेकार पड़े सामान हटने से शॉर्ट सर्किट और आग लगने जैसी घटनाओं का खतरा न्यूनतम हो गया है। साथ ही, यार्ड और स्टेशन क्षेत्रों में कबाड़ के ढेर हटने से विजिबिलिटी बढ़ी है, जिससे सुरक्षा निगरानी अधिक प्रभावी हो गई है। परिसर में खाली हुई जगह के कारण अब असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर भी लगाम कसना आसान हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने लालू को दिया झटका, एफआईआर रद्द करने वाली याचिका की खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव को लैंड फॉर जॉब मामले में सुप्रीम कोर्ट ने झटका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने वाली याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव को एक राहत भी दी है। उन्हें अधीनस्थ कोर्ट की कार्यवाही में पेशी से छूट दी गई है। बता दें लालू प्रसाद यादव ने जमीन के बदले नौकरी मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर और चार्जशीट दोनों रद्द करने की मांग की थी। हालांकि कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर की बेंच ने कहा कि लालू यादव को ट्रायल कोर्ट में पेश होने की जरूरत नहीं। लालू यादव की तरफ से तर्क देते हुए कहा गया था कि सीबीआई ने मुकदमा चलाने के लिए कोई कानूनी मंजूरी नहीं ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले को वह निचली अदालत में भी उठा सकते हैं। आरजेडी नेता लालू यादव ने कहा था कि उनके परिवार के कई सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है जो कि रद्द होनी चाहिए। इस मामले में उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से पहले भी झटका लग चुका है।

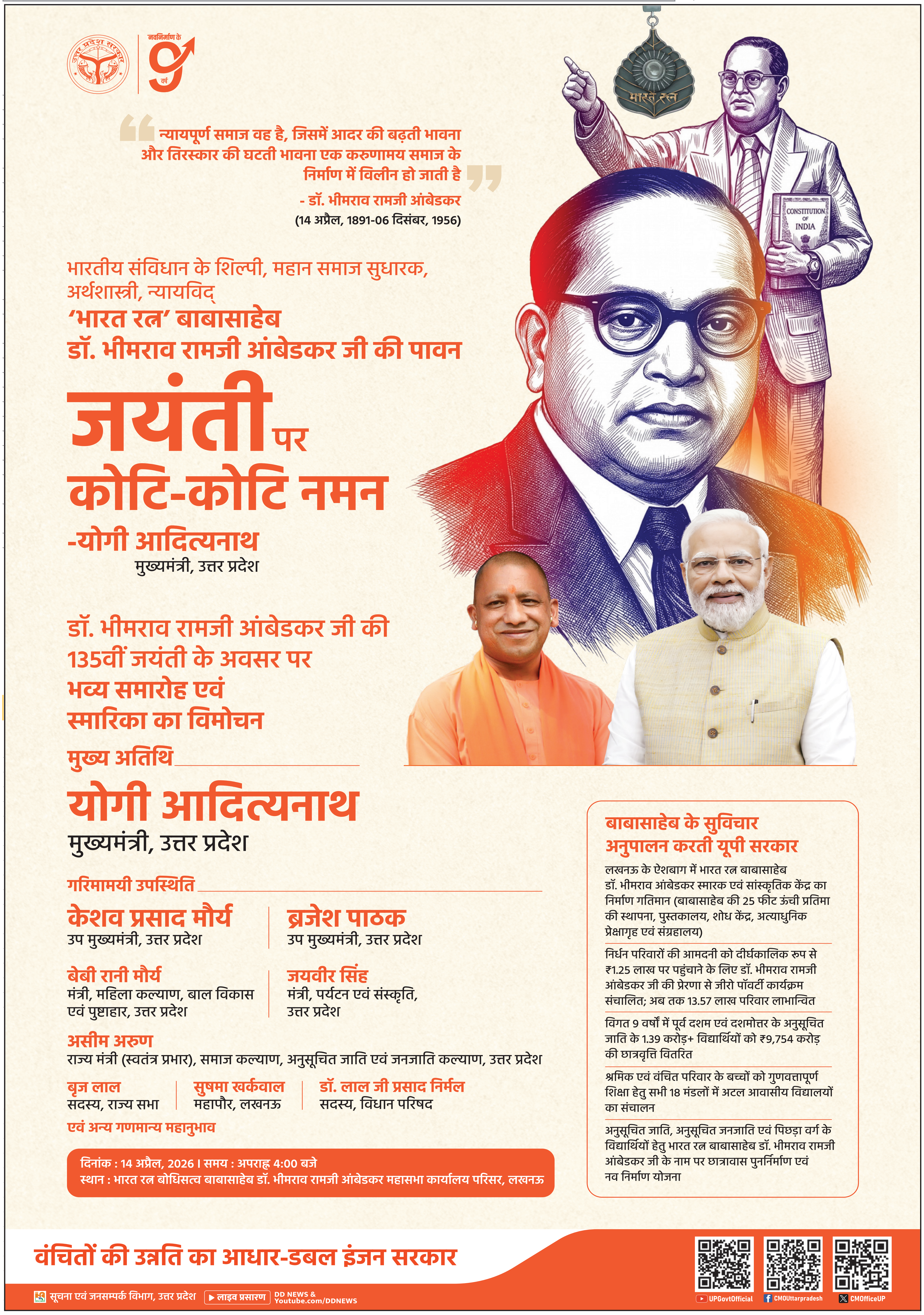

गेहूं के खेतों में आग लगने से खफा किसानों ने लगाया जींद-पानीपत मार्ग जाम

एजेंसी

जींद। गांव लोहचब के खेतों में दोपहर बाद अचानक आग लग गई। फायर ब्रिगेड के देरी से पहुंचने से खफा होकर ग्रामीणों ने जींद-सफीदों मार्ग पर जाम लगा दिया। किसानों के जाम लगाने की सूचना पाकर एसडीएम सत्यवान मान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हरसंभव सहायता का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। लगभग पौना घंटे लगे जाम के कारण वाहन चालकों तथा यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गांव लोहचब व आसपास के किसानों का गुस्सा रविवार शाम को उस समय फूट पड़ा, जब गांव लोहचब के खेतों में शार्ट-सर्किट से आग लग गई। इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही किसान आग पर काबू पा चूके थे। तब तक नौ एकड़ गेहूं फसल जल चुकी थी। घटना से खफा किसान जीद-सफीदों मार्ग पर आ गए और अवरोधक डालकर जाम लगा दिया। किसानों का कहना था कि बिजली निगम की लापरवाही के कारण आग लगी है। जब बिजली लाइन बंद रखने के आदेश हैं तो बिजली को चालू क्यों रखा गया। फायर ब्रिगेड को सूचना दी तो वही भी काफी देरी से पहुंची। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा आग से हुए नुकसान की भरपाई की मांग की। जाम लगने की सूचना पाकर सदर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई, लेकिन किसान नही माने। आखिरकार एसडीएम सत्यवान मान मौके पर पहुंचे और हरसंभव सहायता तथा कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया।

हरियाणवी गायक मासूम शर्मा को महिला आयोग ने जारी किया नोटिस

चंडीगढ़। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मंच से गालियां देने के बाद हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा नए विवाद में घिर गए हैं। उत्तराखंड पुलिस ने जहां इस मामले की जांच शुरू कर दी है वहीं हरियाणा महिला आयोग ने भी मासूम शर्मा को नोटिस जारी कर दिया है। मासूम शर्मा इससे पहले भी कई बार विवादों में घिर चुके हैं। राज्य महिला आयोग की चेयपर्सन रेणु भाटिया की ओर से मासूम शर्मा को भेजे गए समन में कहा गया है कि इस प्रकार के आरोप, यदि सही पाए जाते हैं, तो यह न केवल एक सार्वजनिक व्यक्ति के आचरण पर सवाल खड़े करते हैं, बल्कि समाज में महिलाओं की गरिमा, सम्मान और मर्यादा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय हैं। मासूम शर्मा ने देहरादून के कालेज में मंच से सार्वजनिक रूप से भद्दे शब्दों का इस्तेमाल किया था। ऐसा वह पहले भी कई कार्यक्रमों में कर चुके हैं। आयोग को हरियाणा राज्य महिला आयोग अधिनियम 2012 के तहत अधिकार प्राप्त हैं, जिसके अंतर्गत वह किसी भी व्यक्ति को तलब कर सकता है, जानकारी मांग सकता है और महिलाओं के अधिकारों से जुड़े मामलों में जांच कर सकता है।

हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी में भर्ती प्रक्रिया में बड़ा बदलाव, अब जिला स्तर पर नहीं होंगी नियुक्तियां

चंडीगढ़। हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी में भर्ती प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। राज्यपाल एवं हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष के निर्देश पर अब जिलों में नई नियुक्तियां राज्य मुख्यालय द्वारा ही की जाएंगी। राज्य मुख्यालय की ओर से भर्ती एजेंसी बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राज्यपाल के निर्देशानुसार, नई व्यवस्था के तहत सभी आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति और विस्तार (एक्सटेंशन) राज्य स्तर से तय होगा, जिससे लंबे समय से चल रही अनियमितताओं पर रोक लगेगी। निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि राज्य मुख्यालय द्वारा एक नई आउटसोर्स एजेंसी नियुक्त की जाएगी, जिसके माध्यम से सभी नियुक्तियां होंगी। वर्तमान में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों का एक्सटेंशन 1 मई से राज्य मुख्यालय द्वारा चयनित नई एजेंसी के माध्यम से किया जाएगा। राज्य मुख्यालय की ओर से सभी जिला सचिवों से कार्यरत कर्मियों की रिपोर्ट तलब की गई है। जिला सचिवों द्वारा अपने स्तर पर नियुक्तियां की जाती थी। उपायुक्त की मंजूरी लेकर जिला सचिव अपनी मनमानी से नियुक्तियां करते थे। उसके बाद मुख्यालय को भर्ती की सूचना भेजते थे। मगर अब जिला सचिवों को नियुक्ति के लिए सीधा मुख्यालय को डिमांड भेजनी होगी। डिमांड के आधार पर मुख्यालय फैसला लेगा।

गुरुग्राम की बेटी दीपा भारत के विदेश मंत्रालय में बनीं अधिकारी

गुरुग्राम। गांव नौरंगपुर में जन्मीं और यहीं पर पली-बढ़ी दीपा पुत्री भीम सिंह ने कड़ी मेहनत से ऐसा मुकाम हासिल किया है, जो पूरे गांव के लिए गर्व की बात है। हर किसी को गांव की इस बेटी पर नाज है। दीपा ने एसएससी की परीक्षा पास करके विदेश मंत्रालय में अधिकारी के पद पर नौकरी हासिल की है। जिस मुकाम पर पहुंचने के लिए छात्र आम तौर पर कोचिंग सेंटर्स में लाखों रुपये खर्च करके परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, उस मुकाम को दीपा ने सेल्फ स्टडी यानी घर पर ही पढ़ाई करके हासिल कर लिया। ऐसे में दीपा की यह उपलब्धि और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। दीपा ने घर पर ही रहकर एसएससी की तैयारी करी। पहली बार एसएससी की परीक्षा में कुछ अंकों से उनका चयन नहीं हो पाया। दूसरी बार और अधिक मेहनत करते हुए इसी साल दीपा ने एसएससी की परीक्षा को पास कर लिया। मात्र 24 साल की उम्र में दीपा की यह उपलब्धि हर युवा के लिए प्रेरणादायी है। इस उम्र में पढ़ाई पूरी करके उन्होंने एक अच्छी जॉब हासिल कर ली है।

सरकार एमएसपी पर एक-एक दाने की कर रही खरीद: डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने अनाज मंडी गोहाना का औचक निरीक्षण कर गेहूं खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार किसानों की फसल के एक-एक दाने की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सुनिश्चित कर रही है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि किसानों को बायोमेट्रिक प्रवेश पास से लेकर खरीद और उठान तक किसी प्रकार की परेशानी न हो।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने मंडी में विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर गेहूं की ढेरियों की मापतोल जांची और नमी निर्धारित पैमाने पर परखी। उन्होंने बाजार समिति और खरीद से जुड़ी एजेंसियों हैफेड तथा गोदाम विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता और समयबद्ध ढंग

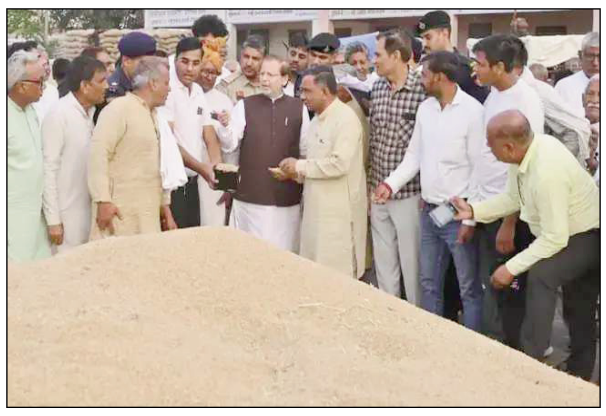

से पूरी की जाए। किसानों और आढ़तियों को किसी प्रकार की दिक्कत न आने देने पर विशेष जोर दिया गया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ठेकेदार एजेंसी के साथ समन्वय बनाकर समय पर गेहूं उठान सुनिश्चित करने को कहा। मंडी में साफ-सफाई, तौल व्यवस्था और रिकॉर्ड संधारण को भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए ताकि किसानों को सुगम वातावरण मिल सके।

उन्होंने मार्किट कमेटी सचिव सुरेश कुमार, हैफेड मैनेजर ज्योति, वेयरहाउस मैनेजर रेणु को ठेकेदार एजेंसी के साथ मिलकर समय पर गेहूं उठान को सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर मार्किट कमेटी गोहाना प्रधान कृष्ण सैनी, उपप्रधान राजेंद्र गिरधर, गोहाना अनाज मंडी प्रधान श्याम लाल वशिष्ठ, रामधारी जिंदल, रमेश अग्रवाल, पवन शर्मा, राजा भावड, दिलबाग कटवाल, रणबीर शर्मा, बिजेंद्र देशवाल, कृष्ण शर्मा, संदीप गर्ग, संदीप शर्मा, सुरेंद्र गर्ग, राममेहर रोहिल्ला, जयभगवान शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सरकारी अस्पताल, पिहोवा में शुरू हुआ एचपीवी वैक्सीन अभियान

एजेंसी

पिहोवा। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव गोयल की अध्यक्षता में पीएचसी रामगढ़ रोड़ एचपीवी वैक्सीन अभियान के तहत 14 वर्ष की लड़कियों का टीकाकरण किया जा रहा है। शनिवार को डॉ अमनदीप कौर ने बताया कि महिलाओं में दूसरा सबसे आम सर्वाइकल कैंसर से लड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए रामगढ़ रोड में एचपीवी वैक्सीनेशन लगाई गई है।

उन्होंने कहा कि इस वैक्सीन की शुरुआत 28 फरवरी 2026 को हरियाणा में इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा से शुरुआत की गई थी। डॉ अमनदीप कौर ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर मुख्य रूप से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के कारण होता है, जो भारत में महिलाओं में कैंसर का प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि इस सर्वाइकल कैंसर को एचपीवी वैक्सीन से इसे 93-100 प्रतिशत तक रोका जा सकता है। यह वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित है, बल्कि निजी क्षेत्र में हजारों रुपए की लागत वाली यह वैक्सीन अब सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध है। यह वैक्सीन 14 वर्ष पूर्ण कर चुकीं लेकिन 15 वर्ष से कम आयु की किशोरियां (राष्ट्रीय अभियान के अनुसार) को लगाई जाती है।

उन्होंने कहा कि यह वैक्सीन एक ही डोज में दी जाती है (गार्डासिल-4) यह 3 महीने का विशेष अभियान राष्ट्रीय स्तर पर चलाया जा रहा है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वह अफवाहों और भ्रांतियों से दूर रहें। अपनी बेटियों के उज्ज्वल, स्वस्थ और कैंसर-मुक्त भविष्य के लिए एचपीवी वैक्सीन लगवाएं। यह एक छोटा कदम है, लेकिन यह उनके जीवन भर की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जलियांवाला बाग के अमर बलिदानियों को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जलियांवाला बाग नरसंहार की बरसी पर देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक संदेश साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने बलिदानियों के साहस और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। मुख्यमंत्री ने जलियांवाला बाग नरसंहार को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का सबसे काला अध्याय करार दिया। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी ने न केवल उस समय के जनमानस को प्रभावित किया, बल्कि पूरे देश की आत्मा को झकझोर कर रख दिया था। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में लिखा : 'मातृभूमि की आज़ादी के लिए निहत्थे होकर भी अदम्य साहस और अद्वितीय बलिदान का परिचय देने वाले वीरों का यह त्याग सदा-सर्वदा प्रेरणा देता रहेगा। '

नायब सिंह सैनी ने बलिदानियों के अद्वितीय साहस, त्याग और अटूट राष्ट्रभक्ति की सराहना करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी निहत्थे भारतीयों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ

जो शौर्य दिखाया, वह इतिहास के पन्नों में अमर है। उन्होंने कहा कि आज का भारत उन महान पूर्वजों के बलिदान का ऋणी है, जिन्होंने भावी पीढ़ियों के स्वतंत्र भविष्य के लिए अपना वर्तमान कुर्बान कर दिया।

डा. अंबेडकर का जीवन और विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत : मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने पंचकूला में भाजपा कार्यालय के बाहर सफाई अभियान चलाया। उन्होंने स्वच्छता अभियान के तहत स्वयं साफ-सफाई कर कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा डा. अंबेडकर जयंती सप्ताह के अवसर पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। श्री बड़ौली ने डा. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा डा. अंबेडकर की जयंती को पूरे प्रदेश में मनाएगी। उन्होंने कहा कि 14 अप्रैल को पंचकूला में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम होगा जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। श्री बड़ौली ने कहा कि बाबा साहेब की जयंती

का यह कार्यक्रम बड़ा ही भव्य होगा। भाजपा हरियाणा परिवार राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत तैयार है। श्री बड़ौली ने कहा कि इससे पहले 13 अप्रैल को प्रदेश भर में भाजपा के सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर बाबा साहेब की प्रतिमाओं के आसपास सामूहिक रूप से सफाई करेंगे। सायं के समय दीपोत्सव का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि डा. अंबेडकर का जीवन और उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही एक समतामूलक और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। श्री बड़ौली ने कहा कि डा. अंबेडकर के विचार विकसित भारत के निर्माण के लिए आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब की जयंती के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में गोष्ठियां, विभिन्न सामाजिक और बाबा साहेब के विचारों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में समता, न्याय और शिक्षा के महत्व को उजागर करना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे डा. अंबेडकर जयंती के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं।

हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति का 11वा राज्य सम्मेलन आयोजित

एजेंसी

करनाल।करनाल के सैक्टर आठ स्थित महाराणा प्रताप सिंह भवन में चल रहे हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के 11वें राज्य सम्मेलन के दूसरे दिन कार्यक्रम की शुरुआत समिति के प्रतिनिधियों द्वारा समूह चर्चा से की गई। इस मौके पर अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. काशीनाथ चटर्जी, महासचिव आशा मिश्रा, हरियाणा ज्ञान विज्ञान राज्य अध्यक्ष प्रो. प्रमोद गौरी, हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति से सुमित्रा चंदेल, सत्यवान पुंडीर, सोहन दास, डॉ. आर एस दहिया व मनीषा अध्यक्ष मंडल में शामिल रहे। चर्चा सत्र के दौरान मुख्य बिंदुओं जिसमें नई शिक्षा नीति, सामाजिक न्याय एवं विश्व स्तर पर चल रहे युद्ध के दुष्परिणाम विषयों एवं समिति की त्रिवार्षिक रिपोर्ट पर समूहों में चर्चा की गई। समूह चर्चा के दौरान विभिन्न जिलों से शामिल हुए प्रतिनिधियों जिसमें सोनीपत जिले से के. के. मलिक, पानीपत से सतीश, करनाल से ऊषा व मीना, फतेहाबाद से संदीप दहिया, जींद से माया देवी व प्रमोद, कैथल से संगीता, भिवानी से बिमला देवी, नरेश व जगदीश, हिसार से कुलदीप व सुरेश गिरधर, रोहतक से योगेश व डॉ. प्रियंका, गुरूग्राम से राजेंद्र सरोहा तथा जितेंद्र खत्री ने प्रस्तावित रिपोर्ट पर समूह मंथन के दौरान उपजे सवाल मंच पर प्रस्तुत किए। समूह

चर्चा के दौरान उठे सवालों का जवाब हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के अध्यक्ष प्रो प्रमोद गौरी, एवं आशा मिश्र मंच से दिए। कार्यक्रम का संचालन ज्ञान विज्ञान समिति के राज्य महासचिव सुरेश कुमार ने किया। बता दें कि 11 से 13 अप्रैल तक चलने वाले इस कार्यक्रम में हरियाणा के 15 जिलों से 200 प्रतिनिधि एवं वालिंटियरस भाग ले रहे हैं।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अध्यापक संघ के पूर्व राज्य प्रधान बजीर सिंह एवं ज्ञान विज्ञान समिति के अध्यक्ष प्रो. प्रमोद गौरी ने नई शिक्षा नीति विषय पर बोलते हुए कहा कि प्रदेश में पिछले दस वर्षों में 5400 सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं। वहीं निजी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों की संख्या बढ़ी है, स्कूलों में पढने् वाले छात्रों की संख्या में 5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। देशभर में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के 10 लाख के करीब पद ख़ाली पड़े हैं। शिक्षा की लागत में वृद्धि और पिछले पांच साल में निजी स्कूलों की फीस में 50 से 80 प्रतिशत तक बढ़ौतरी हुई है जिससे ड्रापआउट रेट बढ़ गया है। प्रो. प्रमोद गौरी ने कहा कि ज्ञान विज्ञान समिति का 11वां राज्य सम्मेलन मांग करता है कि नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार शिक्षा का सकल घरेलू उत्पाद का 10 प्रतिशत खर्च किया जाना चाहिए।प्रो गौरी ने सामाजिक न्याय पर बोलते हुए कहा कि संविधान में बंधुता, मानवता, स्वतंत्रता समानता, वैज्ञानिक सोच, धर्मनिरपेक्षता मूल्यों को शामिल किया है। ऐसे में आज भी दलित, महिलाएं अल्पसंख्यक व अन्य सामाजिक न्याय से वंचित हैं। महिलाओं के साथ दहेज उत्पीडन्, घरेलू हिंसा,यौन उत्पीडन व रेप के बहुत से मामलें सामने आ रहे हैं। मौजूदा आंकड़े बेहद शर्मनाक व चौंकानें वाले हैं। उन्होंने कहा कि देश के सभी वंचित, पिछड़े व दलित पीड़ित तबकों के साथ सामाजिक न्याय के लिए सभी को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने युद्ध के विरोध में भी प्रस्ताव पारित करते हुए शांति के प्रयासों की दिशा में सरकार से कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि युद्ध किसी सूरत में मानवता मूल्य के लिए सही कदम नहीं है।

नगर निगम गुरुग्राम ने युवाओं को दिया स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रदूषण मुक्त गुरुग्राम अभियान के अंतर्गत नगर निगम गुरुग्राम की ओर से एक प्रभावी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वच्छ, हरित एवं प्रदूषण मुक्त शहर के निर्माण के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम गुरुग्राम के संयुक्त आयुक्त डॉ. नरेश कुमार उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में वार्ड-16 के पार्षद विक्रम जीत सिंह, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर कुलदीप हिन्दुस्तानी तथा बुलंद आवाज एनजीओ से प्रिंका यादव ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के निदेशक प्रो. डॉ. आर.सी. कुहाड़ एवं कुलसचिव टी.आर. नरूला द्वारा सभी अतिथियों का पौधे भेंट कर स्वागत करने के साथ किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक के रूप में पौधारोपण के महत्व पर भी विशेष बल दिया गया। अपने संबोधन में डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए कचरे का पृथक्करण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की आदत अपनाएं और इस जागरूकता को अपने परिवार व समाज तक भी पहुंचाएं।पार्षद विक्रम जीत सिंह ने पॉलिथीन के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इसके उपयोग से बचने तथा कपड़े या जूट के थैलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े बदलाव की नींव रखते हैं। इस अवसर पर प्रिंका यादव ने 3आर सिद्धांत को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में इन सिद्धांतों का पालन करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर कुलदीप हिन्दुस्तानी द्वारा सभी विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

लोकसभा-विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण महिला सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कदम : प्रदेश प्रवक्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व डिप्टी स्पीकर गोपीचंद गहलोत का यहां 75 साल की उम्र में निधन हो गया। 19 जनवरी 1951 को जन्में गोपीचंद गहलोत पिछले करीब चार साल से किडनी की बीमारी से ग्रस्त थे। डायलिसिस पर थे। अपने घर पर ही उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर राजनीतिक, सामाजिक क्षेत्र के लोगों ने शोक जताया है। भगवान से उनकी आत्मा की शांति की कामना की है। बता दें कि गोपीचंद गहलोत गुड़गांव विधानसभा से वर्ष 2000 में निर्दलीय विधायक बनें थे। बीजेपी से बगावत करके गोपीचंद गहलोत ने गुड़गांव से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा था।

उनके सामने मजबूत उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस के तीन बार के विधायक धर्मबीर गाबा थे। धर्मबीर गाबा को हराकर वे विधायक बनें और उस समय इनेलो की बनीं सरकार को उन्होंने समर्थन दे दिया। इनेलो सरकार ने उन्हें हरियाणा विधानसभा में डिप्टी स्पीकर का पद देकर सम्मान दिया। गोपीचंद गहलोत ने गुड़गांव विधानसभा सीट से तीन बार किस्मत आजमायी। मजबूती से उन्होंने हर चुनाव लड़ा, लेकिन दो चुनाव में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। वर्ष 2000 में तीसरे मुकाबले

में गुड़गांव की जनता ने जीत का सेहरा उनके सिर पर सजाया। गोपीचंद गहलोत निर्दलीय चुनाव लडने् से पहले भाजपा में ही थे। वर्ष 2000 में भाजपा को अलविदा करने के बाद 19 साल बाद 13 जुलाई 2019 को उन्होंने फिर से भाजपा में आस्था दिखाते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में भाजपा ज्वाइन की।उन्होंने भारतीय जनता पार्टी वे वर्ष 1987 और वर्ष 1991 में हुए विधानसभा चुनाव में टिकट मांगी। दोनों ही चुनाव में भाजपा ने उन्हें निराश किया। 1991 के चुनाव में वे निर्दलीय लड़े, लेकिन हार गये। 1996 का चुनाव उन्होंने समता पार्टी की टिकट पर लड़ा। यह उनका दूसरा चुनाव था। इस चुनाव में भी उन्हें सफलता नहीं मिली। तीसरी बार 2000 के चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़ा। इस बार गुड़गांव की जनता ने उन्हें चुनाव जीताकर विधानसभा पहुंचाया।

बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाएगी एचपीवी वैक्सीन : हरविन्द्र कल्याण

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि स्वास्थ्य के साथ-साथ विकास और व्यवस्था के प्रति भी लोगों को जागरूक होना जरूरी है। हाल ही में सरकार की ओर से लॉन्च की गई एचपीवी वैक्सीन बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाएगी। बेटियों को इसे समय पर लगवाना चाहिए। कल्याण करनाल में आईएमए की स्थानीय इकाई की ओर से आयोजित वाकथॉन के शुभारंभ मौके पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से वॉकथॉन का आयोजन करनाल क्लब से सिविल अस्पताल तक किया गया। इसमें आईएमए के सदस्यों के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर से बेटियों को बचाने के लिए पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने वैक्सीन लॉन्च की थी। वॉकथॉन के आयोजन के पीछे सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता

पैदा करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने से उनके बेहतर परिणाम सामने आते हैं। समाज में विकास व व्यवस्थाओं की मजबूती के साथ-साथ जागरूकता भी जरूरी है। जीवन में जब नागरिक जागरूक होकर आगे बढेंगे तो निश्चित रूप से उनकी सामाजिक कार्यों में भागेदारी बढ़ेगी। इससे समाज व राष्ट्र को फायदा होगा।

एकांश ढुल की उपलब्धि से प्रेरणा ले युवा पीढ़ी : एसडीएम

मातनहेल में हुआ यूपीएससी टॉपर एकांश ढुल का सम्मान

एजेंसी

झज्जर। जिला के गांव मातनहेल में हाल ही में यूपीएससी के सिविल सर्विस परीक्षा में देश भर में तीसरा स्थान पाने वाले एकांश ढुल के सम्मान में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। समारोह के दौरान एसडीएम रवि मीणा आईएएस ने कहा कि एकांश की सफलता यह साबित करती है कि छोटे गांव एवं कस्बों से निकलकर भी बड़े सपने साकार किए जा सकते हैं। उन्होंने मंच से एकांश ढुल को सम्मानित करते हुए उनकी उपलब्धि को पूरे देश एवं प्रदेश के लिए गौरव का क्षण बताया और कहा कि संघर्ष से शिखर तक पहुंचे एकांश ढुल की सफलता एक दिन में नहीं मिली। उन्होंने लगातार प्रयास करते हुए देश भर में तीसरा स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। डीईओ रितेंद्र सिंह ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और युवाओं को एकांश जैसे मेधावी प्रतिभा से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बीईओ सुरेश पाल सुहाग ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे एकांश से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। इस अवसर पर नवनियुक्त आईएएस एकांश ढुल ने अपनी सफलता का मंत्र साझा करते हुए कहा कि निरंतर मेहनत, सही दिशा और धैर्य ही सफलता की

असली कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई, उत्तर लेखन अभ्यास और असफलताओं से सीखने की सलाह दी। सैनिक बाहुल्य क्षेत्र मातनहेल में हुए इस सम्मान समारोह ने पूरे क्षेत्र में नई ऊर्जा भर दी। विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखा गया और हर कोई एकांश ढुल की तरह सफलता पाने का सपना लेकर लौटा। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अनिल शर्मा ने सभी मेहमानों का स्वागत करते हुए एकांश ढुल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। अनिल शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से युवाओं को प्रेरित करने के लिए आयोजित किया गया है, ताकि वे भी बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने के लिए मेहनत करें। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे एकांश ढुल और रवि मीणा जैसे अधिकारियों से प्रेरणा लें और कठिन परिश्रम के बल पर भविष्य में उच्च पदों तक पहुंच सकते हैं।

भाजपा की जनविरोधी नीतियों से जनता में आक्रोशः कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव उत्तराखंड प्रभारी व सांसद कुमारी सैलजा इन दिनों उत्तराखंड के पांच दिवसीय दौरे पर हैं। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने जहां विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की, वहीं सामाजिक, धार्मिक एवं जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रमों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राजनीतिक कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कुमारी सैलजा ने उत्तराखंड की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनविरोधी नीतियों के कारण प्रदेश की जनता में व्यापक आक्रोश की भावना पनप रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और जनहित के मुद्दों की अनदेखी से आमजन परेशान है और आने वाले समय में प्रदेश में परिवर्तन निश्चित है। हरिद्वार में जय भगवान आश्रम में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए संगठन को मजबूत करने, जनसंपर्क अभियानों को तेज करने तथा आगामी चुनावों की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। अपने दौरे के सामाजिक एवं प्रेरणादायक पक्ष में कुमारी सैलजा ने मसूरी स्थित शहीद स्मारक पहुंचकर उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इन वीर आंदोलनकारियों का बलिदान केवल इतिहास नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा है, जो हमें न्याय, सेवा और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने की दिशा देता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने हरिद्वार स्थित बिश्नोई आश्रम में ब्रह्मलीन गौ ऋषि स्वामी श्री राजेंद्रानंद जी महाराज की समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने स्वामी जी के जीवन को त्याग, सेवा और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण बताते हुए कहा कि उनके आदर्श समाज को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रमों के तहत कुमारी सैलजा ने कोटद्वार स्थित प्रसिद्ध श्री सिद्धबली धाम मंदिर में पूजा-अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की। अपने इस दौरे के माध्यम से कुमारी सैलजा ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि कांग्रेस पार्टी न केवल राजनीतिक स्तर पर सक्रिय है।

मिट्टी में सीसे का उच्चतम स्तर सेहत के लिए खतरनाक, दिल्ली और पड़ोसी राज्यों के अध्ययन में खुलासा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में बैटरी रीसाइक्लिंग इकाइयों के पास मिट्टी में सीसे (लेड) का खतरनाक स्तर पाया गया है। पर्यावरण अनुसंधान और वकालत संगठन टॉक्सिक्स लिंक का बैटरी रीसाइक्लिंग से लेड की गंदगी नाम का यह अध्ययन बुधवार को जारी किया गया। इसके मुताबिक, यह स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। अध्ययन में कुछ चुने गए शहरों में लेड-एसिड बैटरी रीसाइक्लिंग इकाइयों के पास के मिट्टी के 23 नमूनों का विश्लेषण किया गया। इसके साथ ही रिहायशी इलाकों, स्थानीय समुदायों और प्राइमरी स्कूलों के पास की मिट्टी के भी नमूने इकट्ठा किए गए। विश्लेषण में कहा गया इन सभी नमूनों में 100 पार्ट्स पर मिलियन (पीपीएम) से 43,800 पीपीएम तक बड़े पैमाने पर लेड प्रदूषण के सबूत मिले, जो बेहद चिंताजनक है। पर्यावरण संरक्षण (दूषित स्थलों का प्रबंधन) नियम, 2025 के मुताबिक, विश्लेषण में इकट्ठा की गई मिट्टी के नमूनों में से 52 फीसदी (23 में से 12 नमूने) में खतरनाक दूषित स्थल के लिए सीसे के स्तर 5,000 पीपीएम बेंचमार्क से अधिक था। यहीं नहीं, 31 फीसदी नमूनों में सीसा औद्योगिक इलाके के लिए तय सीमा से भी अधिक था। चौंकाने वाली बात यह रही कि अनधिकृत इकाइयों से इकट्ठा किए गए नमूनों के मुकाबले में अधिकृत रीसाइक्लिंग इकाइयों (औपचारिक इकाइयों) से इकट्ठा किए गए मिट्टी के नमूनों में अप्रत्याशित रूप से औसतन सीसे का स्तर ज्यादा पाया गया। एजेंसी

लेड-एसिड बैटरी का इस्तेमाल ऑटोमोबाइल, बैकअप पावर सिस्टम जैसे इनवर्टर, अनइंटरप्टिबल पावर सप्लाई (यूपीएस), टेलीकम्युनिकेशन और रेल नेटवर्क में किया जाता है। रीसाइक्लिंग इकाइयों में यही बैटरियां खराब प्रबंधन, खासकर अनधिकृत इकाइयों में सीसे को हवा, पानी और मिट्टी में फैला देता है। सीसा बेहद जहरीली धातु है। यह इंसानी सेहत और पर्यावरण पर बहुत बुरा असर डालता है। स्वास्थ्य मेट्रिक्स और मूल्यांकन संस्थान (आईएचएमई) के 2016 में किए अध्ययन के मुताबिक, सीसे के संपर्क में आने से हर साल 5.4 लाख मौतें होती हैं। इसके सबसे अधिक शिकार भारत जैसे अधिक बोझ वाले निम्न और मध्यम आय वाले देशों पर पड़ता है।

नियमित कॉलोनियों में खाली-बड़े भूखंडों पर नहीं हो सकेगा निर्माण, इनके लिए एमसीडी बनाएगी अलग योजना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से 1511 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने के फैसले के बाद इन इलाकों में खाली पड़े बड़े भूखंडों को लेकर भी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सामने आए हैं। तय किया गया है कि इन खाली भूखंडों पर फिलहाल किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं किया जा सकेगा। इसके साथ ही एमसीडी इन भूखंडों के उपयोग को लेकर अलग योजना तैयार करेगी। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कॉलोनियों के नियमितीकरण की घोषणा के दौरान स्पष्ट किया था कि खाली जमीनों का उपयोग नियंत्रित तरीके से किया जाएगा ताकि अव्यवस्थित निर्माण को रोका जा सके। इसी दिशा में अब एमसीडी ने भी इन भूखंडों को लेकर रणनीति बनानी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि इन खाली प्लॉट्स को अवैध निर्माण से बचाने के लिए निर्माण गतिविधियों पर रोक लगाई जाएगी। इसके बजाय, एमसीडी इन जमीनों को स्थानीय निवासियों के हित में उपयोग करने की सिफारिश करेगी। इसमें पार्क, खेल मैदान, पार्किंग स्थल, सामुदायिक केंद्र, स्कूल एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाओं का विकास शामिल है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, इन कॉलोनियों में पहले से ही बुनियादी सुविधाओं की कमी है। ऐसे में खाली भूखंडों का उपयोग योजनाबद्ध तरीके से किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को फायदा मिल सके। उन्होंने बताया कि इन प्लॉट्स को अधिग्रहित करने या सार्वजनिक उपयोग के लिए चिन्हित करने का प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह निर्णय अनियंत्रित शहरीकरण को रोकने में मददगार साबित करेगा। हालांकि, कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि जिनके पास खाली भूखंड हैं, उन्हें इस फैसले से आर्थिक नुकसान हो सकता है। इस पर अधिकारियों का कहना है कि सरकार की प्राथमिकता सामूहिक हित को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाना है। एमसीडी अब इन भूखंडों की पहचान, मैपिंग और उपयोग को लेकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी। इसके बाद संबंधित विभागों और दिल्ली सरकार के साथ समन्वय कर अंतिम योजना बनाई जाएगी। इस तरह 1511 कॉलोनियों के नियमितीकरण के साथ-साथ खाली भूखंडों को लेकर लिया गया यह फैसला राजधानी के शहरी विकास को अधिक संतुलित और योजनाबद्ध बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। इससे न केवल अवैध निर्माण पर रोक लगेगी, बल्कि लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं भी मिल सकेंगी।

आरएमएल के नए स्पेशलिटी ब्लॉक को एनओसी से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली अर्बन आर्ट्स कमीशन(डुआक) ने राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) के नए सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक को कंप्लीशन एनओसी देने से इनकार कर दिया है। आयोग ने इसके पीछे पार्किंग की कमी और परियोजना में पाई गई विसंगतियों को प्रमुख कारण बताया है। कमीशन के अनुसार, अस्पताल में डॉक्टरों, मरीजों और अन्य आगंतुकों के लिए पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं है। पहले मल्टी-लेवल कार पार्किंग (एमएलसीपी) की योजना को मंजूरी दी गई थी, लेकिन वर्तमान प्रस्ताव में इसका स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया। डीयूएसी ने यह भी कहा कि जमा किए गए दस्तावेज अधूरे हैं और उनमें कई तकनीकी खामियां हैं। आर्किटेक्ट को निर्देश दिया गया है कि वह सभी जरूरी जानकारी और स्पष्टीकरण के साथ प्रस्ताव को दोबारा पेश करे। बताया गया कि इस परियोजना को पहली बार सितंबर 2015 में मंजूरी मिली थी

दिलशाद गार्डन मार्केट में बढ़ती अव्यवस्था से परेशान दुकानदार

नई दिल्ली। दिलशाद गार्डन की कभी रौनक से भरी रहने वाली मार्केट आज अपराध, ट्रैफिक अव्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रही है। बुधवार को आयोजित 'अमर उजाला संवाद' में स्थानीय व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को खुलकर सामने रखा और प्रशासन से त्वरित समाधान की मांग की। दुकानदारों का कहना है कि इलाके में चोरी और लूट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे व्यापार और सुरक्षा दोनों प्रभावित हो रहे हैं। मार्केट के आसपास के पार्कों और चौराहों पर नशेड़ियों का जमावड़ा भी एक बड़ी चिंता बन गया है। इसके साथ ही ट्रैफिक जाम, भारी वाहनों की आवाजाही और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी से हालात और खराब हो रहे हैं। व्यापारियों ने बताया कि अवैध रेहड़ी-पटरी के कारण उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है, जबकि शिकायत करने पर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। कार्यक्रम में चंद्र प्रकाश, विजय खन्ना, सुशील कुमार, गुरदीप और तिलकराज सहित कई दुकानदार मौजूद रहे। दुकानदारों ने कहा कि वे केवल शिकायत नहीं, बल्कि ठोस समाधान चाहते हैं। उनका मानना है कि राजधानी में व्यापारियों को सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिलना उनका अधिकार है।

नियमित कॉलोनियों में खाली-बड़े भूखंडों पर नहीं हो सकेगा निर्माण

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के 1511 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने के फैसले के बाद इन इलाकों में बुक (अवैध निर्माण के तहत दर्ज) संपत्तियों को बड़ी राहत मिलेगी। एमसीडी ऐसी संपत्तियों को अपनी बुकिंग सूची से हटाएगी, जिससे उन पर तोड़फोड़ का खतरा खत्म हो जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, नियमितीकरण प्रक्रिया के तहत जिन कॉलोनियों को कानूनी मान्यता दी जा रही है, वहां पहले से दर्ज अवैध निर्माण के मामलों की समीक्षा की जाएगी। इन कॉलोनियों में बड़ी संख्या में ऐसी संपत्तियां हैं, जिन्हें पहले नियमों के उल्लंघन के आधार पर बुक किया था।

पश्चिम एशिया संकट का असर राजधानी की आपदा तैयारियों पर भी, अटका दमकल का समर एक्शन प्लान

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब राजधानी की आपदा तैयारियों पर भी दिखने लगा है। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) का समर एक्शन प्लान हाई प्रेशर पंप की सप्लाई में देरी के कारण अधर में लटक गया है। ये पंप इटली से फ्रांस होते हुए भारत आने थे, लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मूज में बाधा के चलते इनकी आपूर्ति प्रभावित हुई है। दमकल विभाग के अनुसार, गर्मियों में आग की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए 26 क्यूआरवी (क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल) तैनात करने की योजना बनाई गई थी। ये मारुति एक्सल वाहन हैं। ये छोटे अत्याधुनिक वाहन तंग गलियों में आसानी से पहुंच सकते हैं, लेकिन इनमें लगने वाले हाई प्रेशर पंप समय पर नहीं पहुंच सके। ये पंप इंटली से आने से थे। इन पंपों के लिए फरवरी में ही टेंडर जारी कर दिए गए थे। अधिकारियों का कहना है कि अब इन उपकरणों को स्वेज नहर के रास्ते अफ्रीका होते हुए भारत लाया जा रहा है। संभावना जताई जा रही है कि पंप पहुंचने के बाद ही योजना को पूरी तरह लागू किया जा सकेगा। हालांकि दिल्ली का मौसम अभी ठंडा है और बारिश होने के चलते आग की घटनाएं बढ़ नहीं रही हैं। माना रहा है कि जब तक गर्मी प्रचंड रूप लेकर तब तक हाई प्रेशर पंप दिल्ली पहुंच जाएंगे। गौरतलब है कि दिल्ली-एनसीआर में गर्मियों के दौरान आग की घटनाएं सामान्य दिनों की तुलना में करीब 75 प्रतिशत तक बढ़ जाती हैं, जिससे इस योजना का समय पर लागू होना बेहद अहम माना जा रहा है।

NAME CHANGE

I Ajay Kumar S/O Sunder Lal Mittal, R/o 169-170-171, POCKET C-7, NEAR ARIHANT PUBLIC SCHOOL, ROHINI SECTOR-7, Rohini Sector-7, PO:Rohini Sector-7, DIST: North West Delhi, Delhi, 110085 have changed my name to Ajay Kumar Mittal for all future purposes.

NAME CHANGE

I Nayanta Chandrakumar Rai D/o Chandra Kumar Rai R/o Mahanadi N. H. 55, Mahanadi G.P Mahanadi Bazar, Kurseong, Darjeeling, West Bengal, Pin - 734203 have changed my name to Nayanta Rai for all future purposes.

NAME CHANGE

I Payal Mehra D/o Deepak Raheja R/o A - 35/8, 1st floor, DLF Phase - 1, Gurgaon - 122002 have changed my name to Payal Raheja for all future purposes.

NAME CHANGE

I Sunil Sharma S/o V P Sharma, R/o D-1/150, First Floor, Sector 16, Rohini, North West Delhi, Delhi - 110089 have changed my name to Sunil Kumar Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Usha Setia, W/o Om Prakash Setia, R/o H.No. 134, New Colony, Gurgaon, Haryana – 122001, declare that my name earlier written as Usha Setia is now bifurcated as Usha (First Name) & Setia (Surname). Both names belong to one person.

NAME CHANGE

I Ashish S/O Sunder Lal Mittal, 169-170-171, POCKET-C-7, ARIHANT PUBLIC SCHOOL ROHINI, Rohini Sector-7, PO:Rohini Sector-7, DIST North West Delhi, Delhi, 110085 have changed my name to Ashish Mittal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, No- 16021743Y Rank-HAV Name-MAHENDER SINGH Presently residing at WARD NO-4, VILL- SARDAR PURA BASS BHOLA, PO-JOGIWALA, DIST-HANUMANGARH, RAJASTHAN-335503, have changed my father's name from DAULAT RAM to DOULAT RAM for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 10/05/1969 instead of his correct date of birth as 01/01/1965 vide Affidavit dated 11/04/2026 before Notary Public, Delhi.

Public Notice

I Sneha D/O Ravi Anand R/O House no-D\99,Gali no.6, Bhikam colony, Ballabgarh, PO:Ballabgarh, DIST: Faridabad, Haryana - 121004 UNDERTAKE THAT I Sneha CHANGE MY NAME Chirag Prajapati AND GENDER AS MALE. I Sneha HENCEFORTH BE KNOWN AS Chirag Prajapati S/O Ravi Anand . THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my clients namely Smt. Kamlesh Sharma (UID No. 6294 7519 0060) W/o Late Sh. Ashok Kumar R/o H.NO.D-54, have Phase-2, Qutub Vihar South West Delhi, Delhi-110071, disowned, debarred, discarded all her relations to her elder son namely MANISH SHARMA (UID No-9834 2194 3113) aged about 32 years, S/O LATE SH. ASHOK KUMAR and Daughter Namely VANDANA SHARMA (UID NO-6929 0135 3682) Aged about 25 years 8/0 LATE SH. ASHOK KUMAR, from all their moveable and immoveable properties because all of them above named are out of control of my clients. My clients have severed all reiations with them. Anyonedealing with them may do so at his/her own risks, costs and consequences. Anyone dealing with her may do so at his/her own risks, costs and consequences. In future if the above named MANISH SHARMA and Daughter namely VANDANA SHARMA is faced any unwanted incident, then my clients shall not responsible whatsoever.

SILVESTER DENIEL Advocate
Lawyer's Chamber Complex
District Courts Dwarka, Sector 10,
New Delhi 110075.
Mob. No. 09315634682

NAME CHANGE

I, Khushu Setia, S/o Om Prakash Setia, R/o H.No. 134, New Colony, Gurgaon, Haryana – 122001, declare that my name earlier written as Khushu Setia is now bifurcated as Khushu (First Name) & Setia (Surname). Both names belong to one person.

NAME CHANGE

I Sanjay S/o Kishori Lal, R/o House No. I 1869, Jahangir Puri, N. S Mandi, North West, Delhi - 110033 have changed my name to Sanjay Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I Riya D/o Amritlal Sokalchand Jain, R/o 39, D BLOCK, maharaja agrasen hospital, ashok vihar phase-1, VTC: Ashok Vihar PO: Ashok Vihar, Sub District: Saraswati Vihar, District: North West Delhi, State: Delhi, PIN Code: 110052 have changed my name Riya Jain for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SANCHIT KAMAL KANT SHARMA S/o Kamal Kant Sharma, R/o A-1003, Elite Homz, Sector-77, Noida, Gautam Budh Nagar, U.P-201301, have changed my name to SANCHIT SHARMA permanently.

NAME CHANGE

I, ROMA W/o Sanchit Sharma R/o A-1003, Elite Homz, Sector-77, Noida, Gautam Budh Nagar, U.P-201301, have changed my name to ROMA SINGH permanently

NAME CHANGE

I, No- 16021743Y Rank-HAV Name- MAHENDER SINGH Presently residing at WARD NO-4, VILL- SARDAR PURA BASS BHOLA, PO-JOGIWALA, DIST-HANUMANGARH, RAJASTHAN-335503, have changed my mother's name from OMPATI DEVI to OMPATI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 02/05/1972 instead of her correct date of birth as 01/01/1963 vide Affidavit dated 11/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Abhay Uppal S/o Sanjeev Uppal R/O 120, Bhai Parmanand Colony, Delhi 110009, declare that name of my wife has been wrongly written as Saloni in my Passport No. AH711290 . The actual name of my wife is Saloni Uppal

Public Notice

I, Noor Alam Sheikh S/o Jalim Sheikh R/o House No-2879 B Block, Gali No-72, Sant Nagar Burari,North Delhi,Delhi-110084, declare that name of father has been wrongly written as Lalan Sheikh in my PAN Card No. ARPPS2958H. The actual name of father is Jalim Sheikh, which may be amended accordingly.

Public Notice

Be it known to all concerned that my client SMT. SUNITA W/O LATE MANOJ R/O 64, T-HUTS, HARUAN COLONY, TILAK VIHAR, TILAK NAGAR, SO. WEST DELHI, DELHI 110018, disowned and disinherited her son VISHAL S/O LATE MANOJ and her daughter in-law NEHA W/ VISHAL, both Ko 64, T-HUTS, HARIAN COLONY, TILAK VIHAR, TILAK NAGAR, S.O. WEST DELHI, DELHI-110018, from all her movable and Immovable properties, due to their adamant arrogant, disobedience misconduct and misbehavior towards my client. Henceforth, anybody dealing with them, may do sa at his/her own risk and consequences and my above said client shall not be held lable for any of the acts, deeds and things done by them.

PRABHA RANI Advocate
Dwarka Court Bar Room, Lawyers' Chamber Dwarka Court Complex,
Sector-10, Dwarka,
New Delhi-110075

NAME CHANGE

I Jyoti Goyal W/o Vikas Agarwal, R/o A-20 G/F, KH NO-53/14, SHIV PARK, NIHAL VIHAR, Bakkar Wala, PO: Nangloi, Distt. West Delhi - 110041 have changed my name to Jyoti Agarwal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NARENDER S/O CHHOTE LAL R/O PRAJAPAT MOHALLA, KILHORE PATTI, JHARSA, GURGAON, HARYANA-122003, HAVE CHANGED MY NAME TO NARENDER KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, RAMBEER SINGH S/o ANOOP SINGH R/o H NO-7, SHIV MANDIR STREET NO-1, MAUJPUR, DELHI-110053 have changed my name to RAMBIR SINGH.

NAME CHANGE

I, GULSHAN S/o. SURENDER CHAUHAN R/o. H.No-A-952, DABUA COLONY, FARIDABAD, HARYANA-121001 have changed my name to GULSHAN CHAUHAN.

NAME CHANGE

I PRABHABAI DNYANESHEWAR AGASHE legally mother of Army no - 2808405N , Rank - Nk, Name - AGASHE BHIMSEN DNYANESHWAR, Presently residing At - Belati Buz, Post- kawalewada, Teh - Tirora, Dist - Gondiya, State- Maharashtra, Pin - 441911 have changed my date of birth 12/02/1956 to 01/01/1953 for all future purposes. Vide affidavit dated 13/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I RADHA BAI RATHOUR legally mother of Army -15797006F, Rank-NK, Name - SHIVKUMAR RATHOUR, Presently residing At Post- Jaithari, Teh- Jaithari Dist- Anuppur, State-(M.P.), Pin- 484330 have changed my date of birth 01/07/1973 to 01/11/1973 for all future purposes. Vide affidavit dated 13/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I NAND LAL RATHOUR legally father of Army No-15797006F, Rank- NK Name- SHIVKUMAR RATHOUR Presently residing At Post -Jaithari, Teh- Jaithari, Dist - Anuppur, State- (M.P.) pin-484330 have changed My Date of Birth 19/08/1968 to 01/01/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated 13/04/2026 before Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Sangeeta Pawar D/o Mr. Bharat Singh Pawar is the owner of Freehold Residential Built-Up First Floor, without roof rights, area measuring area measuring 80 Sq. Yds. i.e. 66.88 Sq. Mtrs. built on Property bearing No. D-113, Out of Khasra No. 453, Situated at the abadi of D-Block, Shakarpur, in the area of Village Shakarpur, Illaqa Shahdara, New Delhi-110092. by virtue of Sale Deed dated 29.09.2025 duly registered as Document No. 2025/5/I/8783, in Book No. I, Volume No. 4759, on pages 61 to 82, on 29.09.2025, with the Sub-Registrar Office of East Preet Vihar, New Delhi., in now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too be Mr. Shubham Singhal and same has been financed by Tata Capital Housing Finance Limited Branch: FF Sco-04, Sector-16 (Near HDFC Bank) Faridabad Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I Pushpanjali W/o Rahul Kumar R/o Kh. No. 76/25, Plot No. 53, Satya Vihar, Burari, North Delhi, Delhi - 110084 have changed my name to Pushpanjali Mishra for All future purposes.

NAME CHANGE

I DNYANU Legally father of Army No - 2809810x, Rank - Hav, Name - PATIL CHANDRAKANT DNYANU, Unit - 22 Maratha Light Infantry, Presently Residing At - Gholeshwar, Post - Nigadi (Khurd), Teh - Jath, Dist - Sangli, State - Maharashtra, PIN - 416404, Have Changed My Name From DNYANU to DNYANU KRUSHNA PATIL And Date of Birth 01-06-1956 To 01-01 1949 For All Future Purposes. Vide Affidavit Dated 13/04/2026 Before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SHANTA Legally Mother Of Army No - 2809810x, Rank - Hav, Name - PATIL CHANDRAKANT DNYANU, Unit - 22 Maratha Light Infantry, Presently Residing At - Gholeshwar, Post - Nigadi (Khurd), Teh - Jath, Dist - Sangli, State - Maharashtra, PIN - 416404, Have Changed My Name From SHANTA TO SHANTABAI DNYANU PATIL And Date Of Birth 01-11-1961 To 01-01 1950 For All Future Purposes. Vide Affidavit Dated 13/04/2026 Before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15415943W, Rank-HAV Name-YOGESHWAR KUMAR Residing at VILL-SHISUBA, PO-JAMALPUR GOGRI, DIST-KHAGARIA, BIHAR-851203, in my service record my wife's date of birth wrongly mentioned as 14/09/1985 instead of her correct date of birth as 01/04/1985 Vide Affidavit dated 13/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, NARAINDER KUMAR VERMA S/O NATHU LAL R/O A-155, 2ND FLOOR GALI NO 1 HARDEV NAGAR DELHI 110084, CHANGED MY NAME TO NARENDER KUMAR VERMA.

NAME CHANGE

I, ROHIT S/O BABBAN NISHAD R/O H.NO 11/165 VILLAGE CHAUHAN PATTI DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO ROHIT NISHAD.

NAME CHANGE

I, BABBAN S/O CHOTE LAL R/O H.NO 11/165 VILLAGE CHAUHAN PATTI DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO BABBAN NISHAD.

NAME CHANGE

I, JASWINDER SAHNI W/o Kanwaljeet Singh Sawhney R/o H.No.280, Near Radisson Hotel,, Bhera Enclave, Paschim Vihar, Delhi-110087, have changed my name to JASWINDER KAUR SAWHNEY permanently

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the general public that Mrs. Shobha Jain W/o Shri Mohan Lal Jain is the absolute owner and in possession of a freehold commercial shop/godown, bearing Municipal No. 2488-89/1 (behind Property No. 2502), situated on the Ground Floor, having an approximate height of 14 feet and land area measuring 40.93 sq. meters, located at New Qutab Road, Teliwara, Sadar Bazar, Delhi - 110006.That the said property was acquired by the owner by virtue of a Sale Deed dated 03.04.2012, registered as Document No. 3178, Volume No. 4308, Book No. 1, Pages 123-129, in the office of Sub-Registrar-I, New Delhi/Delhi. Therefore, the owner hereby declares that, except herself, no other person has any right, title, interest, claim, or objection in respect of the above-mentioned property. Any person having any claim, right, title, interest, or objection with regard to the said property is hereby requested to make the same known in writing, along with supporting documents, to the undersigned within 15 days from the date of publication of this notice, failing which such claims shall be deemed to have been waived.

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, POOJA D/O MADAN MOHAN SINGH R/O H.NO-296,GALI NO-4, SHYAM COLONY, SEHATPUR, FARIDABAD, HARYANA-121003 HAVE CHANGED MY NAME TO POOJA SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SATHYAWAN SHARMA ISHWAR CHANDER SHARMA S/O ISHWAR CHANDER SHARMA R/O H.NO-104, PLOTNO-130/131, AVENUE 69, SECTOR-69, BADSHAHPUR, GURGAON, HARYANA-122101, HAVE CHANGED MY NAME TO SATHYAWAN SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, JYOTHI SHARMA ISHWAR CHANDER SHARMA D/O ISHWAR CHANDER SHARMA R/O PLOT NO-127 FLAT NO-201, 2ND FLOOR, AVENUE 69, SECTOR-69, BADSHAHPUR, GURGAON, HARYANA-122101, HAVE CHANGED MY NAME TO JYOTHI SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, AYUB S/O JUMMN KHAN R/O H NO 435 GALI NO 2 NEAR SAINIK CHOWK BADKHAL ENCLAVE FARIDABAD HARYANA 121001, HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD AYUB FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I MANGARU RAHANGDALE legally father of Army no -2810214X, Rank - SEP, Name - RAHANGDALE RAJU MANGRU, Presently Residing At - SIRPUR, Post- BANATHAR Teh - GONDIA, Dist - GONDIA, State- MAHARASHTRA, Pin - 441601 have changed my name From MANGARU RAHANGDALE to MANGRU RAHANGDALE and date of birth 07/10/1965 to 10/07/1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 13/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I PRAMILA BAI legally mother of Army no -2810214X, Rank - SEP, Name - RAHANGDALE RAJU MANGRU, Presently Residing At - SIRPUR, Post- BANATHAR, Teh - GONDIA, Dist - GONDIA, State- MAHARASHTRA, Pin - 441601 have changed my name From PRAMILA BAI to PRAMILABAI MANGRU RAHANGDALE and date of birth 13/12/1968 to 07/12/1970 for all future purposes. Vide affidavit dated 13/04/2026 before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना

मैं Shabana पत्नी Mohammad Samim निवासी ई57/बी441 झुग्गी, सुंदर नगरी दिल्ली 93 घोषणा करती हूं कि मेरे पुत्र md sahil के स्कूल रिकॉर्ड में मेरा यानी माता का नाम त्रुटि पूर्वक shabana begam दर्ज है जबकि मेरा सही नाम shabana है, भविष्य में मेरा नाम shabana ही जाना पहचाना जाय। हस्ता.

सार्वजनिक सूचना

मैं Mohammad Samim पुत्र Mohammad yamin निवासी ई57/बी441 झुग्गी, सुंदर नगरी दिल्ली 93 घोषणा करता हूं कि मेरे पुत्र md sahil के स्कूल रिकॉर्ड में मेरा यानी पिता का नाम त्रुटि पूर्वक Md Shamim दर्ज है जबकि मेरा सही नाम Mohammad Samim है, भविष्य में मेरा नाम Mohammad Samim ही जाना पहचाना जाय। हस्ता.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.PC.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **विजय कुमार उर्फ चंद्रपाल सिंह, पुत्र** रामपाल उर्फ श्रीपाल कुराला, **पताः** गांव मोहम्मद पुर, तहसील – सिकारपुर, थाना सिकारपुर, बुलंदशहर यू.पी., ने **FIR No.: 46/12 U/s: 33 Delhi Excise Act, थानाः केएनके मार्ग दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **विजय कुमार उर्फ चंद्रपाल सिंह,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **विजय कुमार उर्फ चंद्रपाल सिंह,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 46/12 U/s: Delhi Excise Act, थानाः केएनके मार्ग दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **विजय कुमार उर्फ चंद्रपाल सिंह,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री हिमांशु सेहलोथ
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
उत्तरी जिला, कमरा न. 213,
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/4441/RD/2026
(Court Matter)

NAME CHANGE

I, SHIVJI TIWARI Father of No-17028149W Rank-HAV Name-SONU TIWARI residing at VPO-PANJWAR, PS-RAGHUNATHPUR, DIST- SIWAN, BIHAR-841509, have changed my name from SHIVJI TIWARI to SHIVJEE TIWARI for all future purposes, vide affidavit dated 13/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Sunita W/O Radhe Shyam D/O Ramdin R/O 280, Pooja Kaloni, Loni, PO: Loni, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have changed my name and shall hereafter be known as Rajeshri

NAME CHANGE

I, hitherto known as ANCHAL W/O Sachin R/O Jain Colony , Agrawal Mandir, Tatiri, Tatiri (Rural) , Bagpat, Uttar Pradesh 250601 have changed my name and shall hereafter be known as USHA VERMA.

NAME CHANGE

I, HARVINDERA PAL S/O KHUSHAL CHAND R/O H.NO-1061,HUDA SECTOR-1,ROHTAK, HARYANA-124001, HAVE CHANGED MY NAME TO HARVINDER PAL BATRA ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I TEENA ARORA W/O AMIT KUMAR ARORA R/O H.NO -56 STREET NO-2 SHYAM NAGAR KRISHNA NAGAR DELHI- 110051 have changed my Minor Son Name from AARUSH ARORA TO YUVRAJ ARORA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I ERAM MANZOOR W/O MANZOOR UL HAQUE R/O 3675- 3679 THIRD FLOOR QAZI APARTMENT NETAJI SUBHASH MARG DARYA GANJ DELHI- 110002 have changed my name to ERAM AMIR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, MONIKA, is legally spouse of Army No. 2813804F, Rank – Sep, Name – SALUNKHE ABHINAV BHANUDAS, presently residing at Vill – Kanur, Post – Kanur, Teh – Wai, Dist – Satara, State – Maharashtra, Pin – 412804, have changed my name from MONIKA to MONIKA ABHINAV SALUNKHE for all future purposes. Vide affidavit dated 11/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I LEELA legally mother of Army no 2810807K, Rank - HAV, Name - NAGALWADE SHRIKANT DEVIDAS, Presently residing At - Ramtek, Post - Ramtek, Teh- Ramtek, Dist.- Nagpur, Pin - 441106, State - Maharashtra have changed my name from LEELA to LILABAI DEVIDAS NAGALWADE for all future purposes. Vide affidavit dated 13/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, No.-15349388L, Rank-HAV, Name-SUMIT KUMAR DAS residing at NABAPALLY, KARBALA ROAD, COSSIMBAZAR, NEAR SISHU UDDAN CLUB, TEHSIL-BERHAMPORE, DIST-MURSHIDABAD, WEST BENGAL-742102, have changed my minor son's name from SOUMOYDEEP DAS to SOUMYADEEP DAS for all future purposes vide affidavit dated 13/04/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Praveen kumar s/o Mulak Raj R/0 House no.4 Ram Nagar, shiv kala mandir gali Krishna Nagar, Delhi 110051 changed my name to parveen kumar

NAME CHANGE

I, SWAPNA SINGHA wife of No.-15349388L, Rank-HAV, Name-SUMIT KUMAR DAS residing at NABAPALLY, KARBALA ROAD, COSSIMBAZAR, NEAR SISHU UDDAN CLUB, TEHSIL-BERHAMPORE, DIST-MURSHIDABAD, WEST BENGAL-742102, have changed my name from SWAPNA SINGHA to SWAPNA DAS SINGHA for all future purposes vide Affidavit dated 13/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SANJOY KUMAR DAS Father of No.-15349388L, Rank-HAV, Name-SUMIT KUMAR DAS residing at NABAPALLY, KARBALA ROAD, COSSIMBAZAR, NEAR SISHU UDDAN CLUB, TEHSIL-BERHAMPORE, DIST-MURSHIDABAD, WEST BENGAL-742102, have changed my name from SANJOY KUMAR DAS to SANJAY DAS for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 07/08/1962 instead of my correct date of birth as 29/04/1955 Vide Affidavit dated 13/04/2026 before Notary Public Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, KALYANI DAS Mother of No.-15349388L, Rank-HAV, Name-SUMIT KUMAR DAS residing at NABAPALLY, KARBALA ROAD, COSSIMBAZAR, NEAR SISHU UDDAN CLUB, TEHSIL-BERHAMPORE, DIST-MURSHIDABAD, WEST BENGAL-742102, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 21/03/1968 instead of my correct date of birth as 01/06/1962 vide affidavit dated 13/04/2026 before Notary Public, Delhi.

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LTD.,
1/4, Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi - 110 055.

SYMBOLIC POSSESSION NOTICE [SECTION 13(4)
(For Immovable property)

Whereas :

The undersigned being the Authorised Officer of the **Ramgarhia Co-operative Bank Ltd.** under Securitization And Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (Act 54 of 2002 (hereinafter referred to as "the Act") and in exercise of powers conferred under Section 13(2) read with Rule 3 of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002, issued a Demand Notice details given as below we had pasted the same notice on the property calling upon the Borrower/Guarantor Borrower/ Co Borrower to repay the amount mentioned in the notice, respectively within 60 days from the date of receipt of the said notice.

The borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the undersigned has taken possession of the property described herein below in exercise of powers conferred on him / her under section 13(4) of the said Act, read with Rule 8 & 9 of the said Rule on this **13th day of April of the year 2026.**

S. No	Name of the Borrower/ Guarantor/ Borrower/Co-Borrower	Property Details	Date of issuing 13(2)	Date of issuing 13(4)	Amount
1.	**Shri Balaji Enterprises (Prop) Sh. Yogender Kumar (Deceased) through his Legal Heir Mrs. Anita Devi W/O Late Yogender Kumar, Ms. Vinita Devi D/o Late Yogender Kumar, Sh. Varun Kumar S/o Late Sh. Yogender Kumar. Vishal Sharma (Guarantor) S/o Virender Kumar Anita Devi (Guarantor) W/O Late Sh. Yogender Kumar**	**All Piece and Parcels of The Built up Flat bearing No(1) on upper ground floor super area measuring 89Sq. Yds (i.e 74.5 Sq. Mtrs.) without roof rights, forming parts of property No. RZ-F1/308, out of Khasra No. 86/21/2, situated in the revenue estate of village palm Delhi State, colony known as Mahavir Enclave New Delhi-110045 with common /combined rights of main entrance, stairs cases leading from ground floor alongwith all proportionate undivided & Impartable Free Hold Rights of The Land Underneath. Registered vide Registration No. 1959 , In Additional Book No. 1 Volume No. 4758 at pages 158 to 165 on 19/03/2009 with Sub Registrar IX, New Delhi/Delhi.**	17/06/2025	09/04/2026	**Rs.23,26,304/- (Rupees Twelve Lakh Twenty Five Thousand Two Hundred Sixty Six only) as on 31/05/2025 + further interest and legal charges**

The borrower's attention is invited to the provisions of Section 13(8) of the Act, in respect of time available, to redeem the secured assets.

Authorized Representative
Phone : 011- 40192447, 011- 45595302
E-mail : rcbl_ho@ramgarhiabank.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

डॉ. अंबेडकर : संविधान के शिल्पकार, सामाजिक न्याय के महानायक

योगेश कुमार गोयल

अम्बेडकर की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनका प्रसिद्ध नारा 'शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो' आज भी सामाजिक परिवर्तन का मूल मंत्र है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि वास्तविक परिवर्तन विचारों, शिक्षा और संवैधानिक मार्ग से ही संभव है। वे नारे नहीं बल्कि एक निरंतर प्रवाहित विचारधारा हैं; वे केवल व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक ऐसी चेतना हैं, जो हर युग में समाज को दिशा देती है।

व्यक्ति नहीं, क्रांति का नाम है डॉ. भीमराव अंबेडकर...

भारत के सामाजिक, राजनीतिक और संवैधानिक इतिहास में डॉ. भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व एक ऐसे विराट बौद्धिक और नैतिक शिखर के रूप में स्थापित है, जिसने भारतीय समाज की जड़ता को चुनौती देते हुए उसे समता, न्याय और बंधुत्व के आधुनिक मूल्यों से आलोकित किया। वे केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक जीवंत विचारधारा, एक जागृत चेतना और एक सतत सामाजिक क्रांति के पर्याय हैं। 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में जन्मे अंबेडकर ने उस सामाजिक यथार्थ को स्वयं जिया, जिसमें जन्म के आधार पर मनुष्य की गरिमा निर्धारित की जाती थी। बाल्यावस्था में झेली गई उपेक्षा, भेदभाव और अपमान ने उनके भीतर निराशा नहीं, परिवर्तन की एक प्रखर और संगठित चेतना को जन्म दिया। उनके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत संघर्षों को व्यापक सामाजिक संघर्ष में रूपांतरित किया। शिक्षा उनके लिए केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं थी बल्कि सामाजिक मुक्ति का सबसे सशक्त औजार थी।

सीमित संसाधनों और विषम परिस्थितियों के बावजूद डॉ. अंबेडकर ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति के बल पर उच्च शिक्षा प्राप्त की। कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे विश्वविख्यात संस्थानों में अध्ययन करते हुए उन्होंने अर्थशास्त्र, राजनीति और विधि के क्षेत्र में गहन अध्ययन किया और अपने ज्ञान को सामाजिक परिवर्तन के लिए समर्पित किया। यह शिक्षा ही थी, जिसने उन्हें भारतीय समाज की संरचनात्मक विसंगतियों को समझने और उनके समाधान के लिए ठोस नीतिगत दृष्टिकोण विकसित करने में सक्षम बनाया। अंबेडकर का जीवन केवल संघर्षों का इतिहास नहीं बल्कि समाधान की एक सुविचारित और व्यवस्थित प्रक्रिया है। उन्होंने यह स्पष्ट रूप से समझ लिया था कि सामाजिक परिवर्तन केवल भावनात्मक आवेग से संभव नहीं है बल्कि इसके लिए वैचारिक स्पष्टता, संगठित प्रयास और संस्थागत ढांचे की आवश्यकता होती है। 1927 का महाड़ सत्याग्रह इसी सोच का परिणाम था, जिसमें उन्होंने दलितों के लिए सार्वजनिक जल स्रोतों तक पहुंच सुनिश्चित करने के अधिकार की मांग की। यह केवल पानी के अधिकार का प्रश्न नहीं था बल्कि सामाजिक समानता के मूल सिद्धांत की स्थापना का प्रयास था। इसी प्रकार 1930 का कालाराम मंदिर प्रवेश आंदोलन धार्मिक स्थलों में समान अधिकार की मांग का प्रतीक था, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अंबेडकर का संघर्ष केवल सामाजिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक समानता के लिए भी था।

महात्मा गांधी के साथ 1932 में हुआ पूना समझौता अंबेडकर की राजनीतिक दूरदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचायक था। उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता किए बिना राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को प्राथमिकता दी। यह समझौता इस बात का उदाहरण था कि वे केवल संघर्ष करने वाले नेता नहीं थे बल्कि समाधान खोजने वाले युगदृष्टा भी थे। भारतीय संविधान के निर्माण में अंबेडकर की भूमिका उन्हें इतिहास में एक अद्वितीय स्थान प्रदान करती है। संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक ऐसे लोकतांत्रिक ढांचे की रचना की, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी मिले। उनके लिए संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं था बल्कि सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त साधन था। उन्होंने संविधान में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को इस प्रकार समाहित किया कि यह भारतीय समाज की विविधता के बीच एकता को बनाए रखने का माध्यम बन सके।

डॉ. अंबेडकर ने यह स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक लोकतंत्र स्थापित नहीं हुआ तो राजनीतिक लोकतंत्र भी स्थायी नहीं रह पाएगा। उनका यह दृष्टिकोण आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस समय था। उन्होंने अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था, मौलिक अधिकारों की स्थापना और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के माध्यम से एक समावेशी समाज की नींव रखी। अंबेडकर की क्रांतिकारी चेतना का एक महत्वपूर्ण आयाम उनका धार्मिक दृष्टिकोण भी था। उन्होंने धर्म को व्यक्ति की गरिमा और सामाजिक समानता के संदर्भ में देखा। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में उन्होंने बौद्ध धर्म ग्रहण किया, जो उनके जीवन का एक ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक निर्णय था। यह केवल धर्म परिवर्तन नहीं था बल्कि सामाजिक अन्याय के विरुद्ध एक सशक्त वैचारिक घोषणा थी। बौद्ध धर्म के माध्यम से उन्होंने करुणा, समता और मानवता के मूल्यों को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया।

डॉ. अम्बेडकर के जीवन का एक और महत्वपूर्ण पहलू उनका बौद्धिक और वैचारिक संघर्ष था। उन्होंने लेखन और भाषणों के माध्यम से समाज की जटिल समस्याओं का विश्लेषण किया और उनके समाधान प्रस्तुत किए। उनकी कुछ प्रसिद्ध कृतियां आज भी सामाजिक चिंतन का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने तर्क, विज्ञान और विवेक को अपने विचारों का आधार बनाया और अंधविश्वास, रूढ़ियों तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई। 1951 में हिंदू कोड बिल के पारित न होने पर उनका मंत्रिमंडल से इस्तीफा इस बात का प्रमाण है कि उनके लिए सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण सिद्धांत थे। यह घटना उनके चरित्र की दृढ़ता और नैतिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए जो संघर्ष किया, वह उस समय के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में अत्यंत क्रांतिकारी था।

आज, जब भारत सामाजिक और आर्थिक विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है, डॉ. अंबेडकर के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो उठते हैं। जातीय भेदभाव, लैंगिक असमानता और सामाजिक विषमता जैसी चुनौतियां यह संकेत देती हैं कि उनकी आरंभ की गई सामाजिक क्रांति अभी अधूरी है। उनके विचार हमें यह सिखाते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है बल्कि यह सामाजिक न्याय और समान अवसरों की सतत प्रक्रिया है। अंबेडकर का मानना था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जाना चाहिए। यह विचार आज भी लैंगिक समानता के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने श्रमिकों के अधिकारों के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया और 8 घंटे के कार्यदिवस जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया।

अम्बेडकर की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनका प्रसिद्ध नारा 'शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो' आज भी सामाजिक परिवर्तन का मूल मंत्र है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि वास्तविक परिवर्तन विचारों, शिक्षा और संवैधानिक मार्ग से ही संभव है। वे नारे नहीं बल्कि एक निरंतर प्रवाहित विचारधारा हैं; वे केवल व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक ऐसी चेतना हैं, जो हर युग में समाज को दिशा देती है। वास्तव में अंबेडकर एक नाम नहीं बल्कि वह क्रांति हैं, जो तब तक जीवित रहेगी, जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति न्याय, सम्मान और समान अवसर प्राप्त नहीं कर लेता। उनकी विरासत हमें यह स्मरण कराती है कि एक सशक्त और समतामूलक भारत का निर्माण तभी संभव है, जब हम उनके विचारों को केवल स्मरण न करें बल्कि उन्हें अपने आचरण और नीतियों में भी उतारें।

संपादकीय

थमी सुरों की आशा

हृदयाघात के चलते करोड़ों संगीत प्रेमियों को भले ही आशा भोसले अलविदा कह गई हों लेकिन विविधता लिए सुरीले गीत सदियों तक संगीत प्रेमियों के दिल-दिमाग में गूंजते रहेंगे। 8 सितंबर 1933 को जन्मीं आशा भोसले नब्बे साल तक लगातार गाती रहीं। आशा के सुरीले गीतों ने देश-दुनिया के करोड़ों दिलों को छुआ। उनकी कर्णप्रिय धुनों वाले गीतों में जीवन का एक उल्लास रहा है। तभी नब्बेवें जन्मदिन पर लगातार तीन घंटे संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करके वे नया रिकॉर्ड दर्ज कर गईं। जीवनपर्यंत गाने का संकल्प करने वाली आशा ने हिंदी समेत तमाम भारतीय भाषाओं के गीत गाए। व्यक्तित्व की जीवटता उनके गीतों में भी शिद्दत से मौजूद रही। व्यवहार में मुखरता, गीतों में मस्ती और बेबाक हाजिरजवाबी उनका विशिष्ट गुण था। एक संगीत साधक परिवार में जन्मी आशा ने छोटी उम्र से गाना शुरू किया और अपने गायन में विविधता को लगातार विस्तार दिया। यह विश्वास कर पाना कठिन है कि एक गायिका क्लासिक गीतों से लेकर पॉप,जैज,गजल तथा कव्वाली गाने में भी पारंगत हो सकती है। निस्संदेह, बॉलीवुड व गायकी की दुनिया, उनकी जिंदादिली व गायकी के उल्लासमय अंदाज को सदैव याद रखेगी। अच्छे गीतकार, सधे संगीतकारों के गीत को अपने खास अंदाज से वे बेहतरीन व कालजयी बना देती थीं। इस तरह मोहम्मद रफी, मुकेश व किशोर कुमार के क्रम में आशाजी का जाना भारतीय गीतमाला के एक युग का अवसान भी है। लेकिन इस महान प्लेबैक सिंगर की आवाज सालों-साल तक भारतीय परिदृश्य में गूंजती रहेगी। आशा के गीतों की विशिष्टता यह भी है कि पीढ़ियों के बदलाव के बीच भी उनकी जवां आवाज हमेशा पसंद की जाती रही। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि हमने उनके चुलबुले गीतों व शोखी के अंदाज को तो देखा, लेकिन उनके जीवन के विकट संघर्ष को नजरअंदाज किया। उन्होंने अपने संगीत की विरासत वाले परिवार में लता मंगेशकर जैसे विराट वट वृक्ष तले अपना विकास किया। सफलता के पहले पायदान पर पहुंचने का उनका सपना प्रतिभा के बावजूद सफल न हो सका। लता के वर्चस्व के चलते कई प्रतिभाएं समय से पहले ही गुमनामी की दुनिया में चली गईं, लेकिन इसके बावजूद आशा ने अपनी एक अलग पहचान बनाये रखी। उसमें उनकी प्रतिभा के साथ जीवटता भी शामिल रही। उन्होंने पिता दीनानाथ मंगेशकर की संगीत विरासत को समृद्ध ही किया।

चिंतन-मनन

अमिट है कर्म का फल

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि उसके भले-बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गये। कर्मफल ऐसा अमिट तथ्य है जो आज नहीं तो कल भुगतना ही पड़ेगा। कभी-कभी परिणाम में देर इसलिए होती है क्योंकि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा चाहता है कि व्यक्ति कर्त्तव्य धर्म समझने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक बुद्धि संचय कर सका है या नहीं। जो दंड भय बिना सदा सत्कर्मो तक सीमित रहता है, समझना चाहिए उसने सज्जनता की परीक्षा पास कर पशुता से देवत्व की ओर बढ़ने का शुभारंभ कर दिया। दंडभय से तो विवेक रहित पशु को भी अवांछनीय मार्ग पर चलने से रोका जा सकता है। मानवीय अंतःकरण की विकसित चेतना तभी अनुभव की जा सकेगी, जब वह कुमार्ग पर चलने से रोक सन्मार्ग के लिए प्रेरणा प्रदान करे। यदि हर काम का तुरंत दंड मिलता और ईश्वर बलपूर्वक किसी मार्ग पर चलने के लिए विवश करता तो फिर मनुष्य भी पशु-श्रेणी में होता और उसकी स्वतंत्र आत्म चेतना विकसित हुई या नहीं, इसका पता नहीं चलता। ईश्वर या खुदा ने मनुष्य को भले-बुरे कर्म की स्वतंत्रता इसीलिए दी है कि वह विवेक विकसित कर भले-बुरे का अंतर सीख पथ निर्माण में समर्थ हो। विवेक व कर्त्तव्य परायणता दो ही कसौटी हैं मनुष्यता के आत्मिक स्तर विकसित होने की। इस विकास पर ही जीवनोद्देश्य की पूर्ति और मनुष्य जन्म की सफलता निहित है। यदि ईश्वर को प्रतीत होता कि बुद्धियुक्त मनुष्य पशुओं जैसा ही मूर्ख रहेगा तो शायद उसने उसके लिए भी दंड की व्यवस्था सोची होती। झूठ बोलते ही जीभ में छाले पड़ने, चोरी करते ही हाथ में फोड़ा होने जैसे दंड की तुरत-फुरत व्यवस्था होती तो किसी के लिए भी दुष्कर्म करना संभव न होता लेकिन ऐसे में मनुष्य की स्वतंत्र चेतना, विवेक बुद्धि व आंतरिक महानता विकसित होने का अवसर ही न आता और आत्म विकास के बिना पूर्णता का लक्ष्य पाने की दिशा में प्रगति न होती। अतः परमेर के लिए उचित था कि मनुष्य को अपना सबसे बुद्धिमान और जिम्मेदार बेटा समझ उसे कर्म की स्वतंत्रता प्रदान करे और देखे कि वह मनुष्यता का उत्तरदायित्व संभालने में समर्थ है कि नहीं? वास्तव में परीक्षा के बिना वास्तविकता का पता कैसे चलता और सर्वश्रेष्ठ रचना मनुष्य में कितने श्रम की सार्थकता हुई, यह कैसे अनुभव होता!

नारी शक्ति वंदन शंका व संग्राम

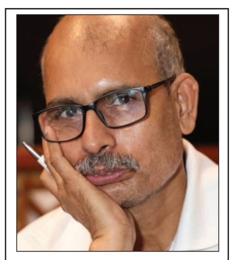

विनोद कुमार सिंह

संसद का विशेष सत्र का ऐसे समय बुलाया गया है जब 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रही है।

विश्व का सबसे बड़े लोकतंत्र भारत वर्तमान परिपेक्ष में एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है,जहाँ सामाजिक परिवर्तन और राजनीतिक रणनीति एक-दूसरे में गुंथकर नई दिशा तय कर रहे हैं। 'नारी शक्ति वंदन' का उभरता विमर्श,संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र और इसके इर्द-गिर्द तेज होती राजनीतिक हलचल इस बात का संकेत है कि देश की आधी आबादी अब केवल चर्चा का विषय नहीं,बल्कि सत्ता-समीकरण का केंद्र बन चुकी है। यह वह काल है, जहाँ नारी शक्ति का प्रश्न भावनात्मक अपील से आगे बढ़कर ठोस राजनीतिक और संवैधानिक निर्णयों की कसौटी पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक विज्ञान भवन में दिए गए वक्तव्यों ने इस बहस को नई गति दी है।केन्द्र सरकार इसे ऐतिहासिक निर्णय की दिशा में निर्णायक कदम बता रही है,वही कांग्रेस व विपक्षी राजनीतिक दल इसे समय-प्रबंधन और राजनीतिक लाभ के नजरिये से देख रहा है। परिणाम स्वरूप यहीं से सत्ता और विपक्ष के बीच वह टकराव स्पष्ट रूप से उभरता है,जो भारतीय लोकतंत्र की पहचान भी और उसकी शक्ति भी है।भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस पूरे विमर्श को महिला सशक्तिकरण की दीर्घकालिक नीति का स्वाभाविक विस्तार मानते हैं। उनका तर्क है कि पिछले वर्षों में महिलाओं को आर्थिक,सामाजिक और स्वास्थ्य के स्तर पर मजबूत करने के लिए जो योजनाएं लागू की गईं,वे अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में परिणत होने जा रही हैं।जनधन योजना के माध्यम से बैंकिंग पहुँच, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन,स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण और 'लखपति दीदी' जैसी पहलों को इस परिवर्तन की पृष्ठभूमि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।उनका यह तर्क दिया जा रहा है कि जब आधार तैयार हो चुका है,तब राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना स्वाभाविक अगला कदम है।वही इसके विपरीत कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस पूरी प्रक्रिया को अधूरा और प्रश्नों से घिरा हुआ मानते हैं।उनका कहना है कि यदि महिलाओं को वास्तविक सशक्तिकरण देना है,तो आरक्षण के भीतर भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए,ताकि पिछड़े वर्गों,दलितों और आदिवासी समुदायों की महिलाओं को भी समान अवसर मिल सके।इसके साथ ही वे इस बात पर भी सवाल उठाते हैं कि क्रियान्वयन को भविष्य की समयसीमा से क्यों जोड़ा गया है।विपक्ष के अनुसार, यह देरी कहीं न कहीं इस मुद्दे को चुनावी लाभ के लिए उपयोग करने की रणनीति को दशार्ती है।यह टकराव केवल विधायी प्रक्रिया का नहीं,बल्कि राजनीतिक नैरेटिव का संघर्ष बन चुका है। एक ओर सत्ता पक्ष इसे उपलब्धियों की श्रृंखला के रूप में प्रस्तुत कर रहा है,तो दूसरी ओर विपक्ष इसे अधूरी प्रतिबद्धता और राजनीतिक गणित का परिणाम बताने में लगा है।इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों पक्ष 'नारी शक्ति' को अपने-अपने तरीके से केंद्र में रख रहे हैं,जो इस बात का प्रमाण है कि महिलाओं का मुद्दा अब भारतीय राजनीति में निर्णायक बन चुका है।अगर हम इस पहलू के संभावित लाभों की चर्चा करें तो यह स्पष्ट है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लोकतंत्र अधिक संतुलित और समावेशी बन सकता है।पंचायत स्तर पर महिलाओं की सक्रिय भूमिका पहले ही यह साबित कर चुकी है कि जब उन्हें अवसर मिलता है,तो वे विकास की प्राथमिकताओं को नई दिशा देती हैं। जल, स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण जैसे विषयों पर उनका दृष्टिकोण अधिक संवेदनशील और व्यावहारिक होता है।यदि यही अनुभव संसद और विधानसभाओं तक पहुंचता है,तो नीतियों में व्यापक बदलाव संभव है। इसके साथ ही चुनावी राजनीति में महिलाओं की भूमिका भी तेजी से बदल रही है।वे अब केवल मतदाता नहीं,बल्कि निर्णायक मतदाता के रूप में उभर रही हैं। पिछले कुछ चुनावों में यह देखा गया है कि महिला मतदाताओं की भागीदारी और उनके मतदान के पैटर्न ने कई राज्यों में परिणामों को प्रभावित किया है।यही कारण है कि सभी राजनीतिक दल अब इस वर्ग को अपने पक्ष में करने के लिए विशेष रणनीतियां बना रहे हैं।

हालांकि,इस पूरी प्रक्रिया के सामने कई चुनौतियां भी हैं।सबसे बड़ी चुनौती है क्रियान्वयन की विश्वसनीयता।यदि यह पहल केवल घोषणा तक सीमित रह जाती है या इसमें अनावश्यक देरी होती है,तो इसका प्रभाव कमजोर पड़ सकता है। इसके अलावा,यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि महिलाओं को केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व न मिले,बल्कि वे वास्तविक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनें। पंचायत स्तर पर कई जगहों पर देखी गई 'प्रॉक्सी राजनीति' की प्रवृत्ति को भी गंभीरता से रोकना होगा,अन्यथा इस पहल का मूल उद्देश्य प्रभावित हो सकता है। आने वाले विधानसभा चुनाव इस पूरे विमर्श की वास्तविक परीक्षा साबित होंगे।भाजपा और एनडीए इस मुद्दे को अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत करते हुए महिला मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास करेंगे।वहीं कांग्रेस और विपक्ष इस मुद्दे को अधूरे वादे और सामाजिक न्याय के अधूरे पहलू के रूप में उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे।इस राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच महिला मतदाता ही वह निर्णायक शक्ति होंगी,जो इस बहस को वास्तविक परिणाम में बदलेंगी। राजनीतिक दृष्टि से यह पहल दोनों पक्षों के लिए अवसर और जोखिम दोनों लेकर आई है।यदि सरकार इसे प्रभावी ढंग से लागू करती है और महिलाओं के बीच विश्वास कायम रखती है,तो यह उसे दीर्घकालिक लाभ दे सकता है।वहीं यदि विपक्ष इस मुद्दे को सामाजिक न्याय और वास्तविक सशक्तिकरण के व्यापक संदर्भ में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है,तो वह भी राजनीतिक रूप से लाभान्वित हो सकता है।अंततः'नारी शक्ति वंदन' केवल एक विधायी पहल नहीं, बल्कि भारतीय समाज और राजनीति के गहरे परिवर्तन का संकेत है।यह उस दिशा में एक कदम है,जहाँ महिलाएं केवल भागीदार नहीं,बल्कि नीति-निमार्ता बनेंगी।संसद का विशेष सत्र, राजनीतिक दलों के बीच टकराव और चुनावी रणनीतियाँ का हिस्सा हो । कुल मिलाकर एक ऐसे भविष्य की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं,जिसमें आधी आबादी की आवाज न केवल सुनी जाएगी, बल्कि वही देश की दिशा भी तय करेगी।भारत का लोकतंत्र तभी पूर्ण और सशक्त माना जाएगा,जब उसकी आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में समान रूप से भागीदार होगी।वर्तमान परिदृश्य इसी दिशा में बढ़ता हुआ एक महत्वपूर्ण अध्याय है,जो भविष्य में देश की राजनीति और समाज दोनों को गहराई से प्रभावित करेगा।

कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

उमेश चतुर्वेदी

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी।

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही हो ही मंजूरी दी है।

भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है। पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बीच 'गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल' के महासचिव जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से फोन पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बात की है। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी सहयोग हासिल करने की है।

भारत को अपनी खेती के लिए रासायनिक खाद की भी जरूरत पड़ती है। भारत में खाद उत्पादन के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है।

बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद की सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपूर्ति को विविधरंगी बनाए रखना है। इसकी वजह यह है कि किसी एक देश पर किसी खास आयात के लिए पूरी तरह निर्भर होना भविष्य में ब्लैकमेलिंग की वजह बन सकता है। भारत के पास आज करीब साठ करोड़ का ऐसा विशाल मध्य वर्ग है, जिसकी खरीद क्षमता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शायद ही कोई उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादक देश ऐसा होगा, जिसे भारत की जरूरत महसूस नहीं होगी। लेकिन भारत की अपनी जरूरतें भी हैं और यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था में अगर किसी चीज की गंभीर कमी होती है तो अफरातफरी का माहौल उत्पन्न होना आसान हो जाता है। इससे महंगाई भी बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से लोक के बीच नाराजगी बढ़ती है और फिर यह गुस्सा राज व्यवस्था के खिलाफ आंदोलनों के रूप में मुखर होता है। तेल और ईरान संकट को देखते हुए भारत ने कूटनीतिक कार्रवाई करते हुए जिस तरह अपनी जरूरतों के लायक आपूर्ति का संतुलन बनाए रखा है, वह गौर करने लायक है।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर 4.6 रही तीव्रता

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में रविवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप सुबह 04:32 बजे आया। राहत की बात यह है कि अभी तक कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद स्थानीय प्रशासन अलर्ट हो गया है। पुलिस और राहत टीमें हालात पर नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, लेकिन सतर्क जरूर रहें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सूचना दें। कुछ दिन पहले दिल्ली-एनसीआर सहित देश के विभिन्न इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। डोडा में भूकंप के झटके महसूस करना कोई नई बात नहीं है। इससे पहले 1 मार्च 2026 को भी यहां 4.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। हालांकि उस समय भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था, लेकिन लोगों में दहशत फैल गई थी। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र स्थित हिंगोली जिले के कुछ हिस्सों में शनिवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई। इसके साथ ही पड़ोसी जिलों नांदेड़ और परभणी के भी कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। हिंगोली के जिलाधिकारी राहुल गुप्ता ने बताया कि पांगरा शिंदे गांव के कुछ हिस्सों में भूकंप का असर देखने को मिला है। यहां कुछ घरों और सामुदायिक केंद्रो की दीवारों में दरार देखने को मिली हैं। हालांकि किसी प्रकार की जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। वहीं, नादेड़ जिला अधिकारी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई थी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी की एक रीडिंग का हवाला देते हुए कहा कि भूकंप शनिवार सुबह 8.45 बजे दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले की वसमत तहसील के शिरली गांव में भूमि से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था।

आरएसएस और भाजपा की विचारधारा संविधान को कमजोर करना चाहती है : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को 'रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन' मैराथन की शुरुआत की। इस मैराथन का आयोजन कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान और उनकी सोच के प्रति जागरूक करना है। इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा कि आज हम बीआर अंबेडकर को याद कर रहे हैं। उनका संदेश ही संविधान का संदेश था और यही संविधान हमारे लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा से जुड़े कुछ लोग अंबेडकर की सोच और भारतीय संविधान को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य संविधान को कमजोर करना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि देश के सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार मिले। यह विचारधारा समानता के खिलाफ है और संविधान की मूल भावना को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य संविधान को बचाना, उसे और मजबूत बनाना और देश के हर कोने तक उसकी सोच और सुरक्षा पहुंचाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के हर हिस्से में संविधान की भावना को फैलाना बेहद जरूरी है, ताकि लोगों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस मैराथन का आयोजन किया गया ताकि खासकर युवा पीढ़ी संविधान के महत्व को समझे और उसे मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी निभाए।

28 साल तक चाय-पानी पिलाया, अब जनता की सेवा करेंगे

मेहसाणा , एजेंसी। गुजरात के निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उसके लिए कोई छोटा या बड़ा नहीं है। पार्टी के लिए समर्पित किसी भी आदमी को चुनाव लड़ने का मौका मिल सकता है। बीजेपी ने 28 साल से पार्टी ऑफिस में चपरासी के तौर पर काम कर रहे 50 साल के रमेश भील को अपना उम्मीदवार बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात के मेहसाणा नगर निगम चुनावों में एक ऐसा कदम उठाया गया है, जो चर्चा का विषय बन गया है। भारतीय जनता पार्टी ने रमेश भील नाम के आदमी को टिकट दिया है। वह एक समर्पित कर्मचारी हैं और पिछले लगभग तीन दशकों से मेहसाणा जिला बीजेपी कार्यालय में चपरासी के तौर पर सेवा दे रहे हैं। रमेश भील ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके साथ ही वे पार्टी के एक 'बैक-एंड' कार्यकर्ता से वार्ड नंबर 13 के लिए एक 'फ्रंटलाइन' राजनीतिक उम्मीदवार बन गए। 50 साल के रमेश भील ने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। वह पिछले 28 सालों से जिला मुख्यालय में लगातार सक्रिय रहे हैं। यहां उनकी मुख्य जिम्मेदारियों में कार्यालय का प्रबंधन करना और वरिष्ठ नेताओं तथा पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं को चाय-पानी पिलाना शामिल था। भील को चुनाव मैदान में उतारने के फैसले को पार्टी नेतृत्व की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

चुनाव आयोग की एक और ऑफिसर से तकरार, SIR के समय पर भिड़ गए महाराष्ट्र के सीईओ

मुंबई, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अधिकारियों से टकराव की एक और खबर सामने आ रही है। हाल ही में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी अनुराग यादव के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी। ताजा जानकारी जो सामने आ रही है उसके मुताबिक, महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एस. चोकलिंगम ने पिछले साल नवंबर में ही आयोग को पत्र लिखकर आगाह किया था कि इस पूरी प्रक्रिया के लिए तय समय सीमा बहुत कम है। उन्होंने सुझाव दिया था कि जहां चुनाव सिर पर नहीं हैं, वहां इस काम को पर्याप्त समय लेकर पूरा किया जाना चाहिए। आपको बता दें कि हल ही में भारत निर्वाचन आयोग ने यूपी कैडर के 2000 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग यादव को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में चुनाव पर्यवेक्षक के पद से हटा दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान हुई तीखी बहस के बाद यह कार्रवाई की गई थी। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने अनुराग यादव से उनके विधानसभा क्षेत्र के पोलिंग स्टेशनों की संख्या पूछी थी। इसका जवाब उन्होंने देरी से दिया। इसके बाद दोनों के बीच बहस हुई। अनुराग यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त को जवाब देते हुए कहा कि वह भी 25 साल से सर्विस में हैं और उनसे इस तरह बात नहीं की जा सकती है। इसे

अनुशासनहीनता मानते हुए आयोग ने उन्हें पद से मुक्त कर दिया।

महाराष्ट्र ने क्यों जताई चिंता : इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र देश का दूसरा सबसे बड़ा मतदाता आधार वाला राज्य है, जहां 2024 के लोकसभा चुनावों में 9 करोड़ से अधिक मतदाता थे। राज्य के सीईओ ने अपने पत्र में 2001-02 के पुनरीक्षण अभियान का हवाला दिया था। उस समय महाराष्ट्र में यह प्रक्रिया 13 महीनों तक चली थी। अधिकारी का तर्क है कि मतदाता सूची से नाम हटाना एकमात्र उद्देश्य नहीं है, बल्कि सूची को शुद्ध और त्रुटिहीन बनाना है। इसके लिए दावों और आपत्तियों की सुनवाई के लिए पर्याप्त समय अनिवार्य है। महाराष्ट्र ने यह भी मुद्दा उठाया था कि वर्तमान डेटा को पुराने रिकॉर्ड (SIR 2002) के साथ मैप करना एक समय लेने वाली प्रक्रिया है, जिसकी गणना चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों में ठीक से नहीं की गई थी।

पश्चिम बंगाल में संकट, 89 लाख नाम हटे : निर्वाचन आयोग की इस जल्दबाजी का सबसे बुरा असर पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रहा है। राज्य में लगभग 89 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। इनमें से करीब 27.1 लाख मतदाता ऐसे हैं जिनके नाम न्यायिक अधिकारियों द्वारा हटाए गए हैं, लेकिन उनके पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का समय ही नहीं बचा। 23 और 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले इन लाखों लोगों के पास अब अपने मताधिकार खोने का खतरा मंडरा रहा है। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल ने इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य चुनाव अधिकारी से मुलाकात की थी। सकपाल के अनुसार, 'हमने मांग की थी कि पुनरीक्षण प्रक्रिया को 2002 की तर्ज पर कम से कम 13 महीने का समय दिया जाए। अधिकारियों ने हमें आश्वस्त किया कि वे पहले ही केंद्रीय चुनाव आयोग को इस संबंध में पत्र लिखकर जल्दबाजी न करने का अनुरोध कर चुके हैं।

क्या है चुनाव आयोग का पक्ष : हालांकि निर्वाचन आयोग ने आधिकारिक तौर पर इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन आयोग के सूत्रों का कहना है कि महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में मौजूदा डेटा की मैपिंग का काम शुरू हो चुका है। चूंकि आगामी महीनों में जनगणना का काम भी शुरू होना है, जिसमें वही सरकारी कर्मचारी और शिक्षक शामिल होंगे जो चुनाव ड्यूटी करते हैं, इसलिए पुनरीक्षण प्रक्रिया में और देरी हो सकती है।

नागपुर पहुंचे रणवीर सिंह, मोहन भागवत से की मुलाकात

नागपुर , एजेंसी। हाल ही में आई धुरंधर-2 की सक्सेस के बाद बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह नागपुर पहुंचे। यहां उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से भी मुलाकात की। इसके अलावा, रणवीर सिंह ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक के.बी. हेडगेवार और उनके उत्तराधिकारी एम.एस. गोलवलकर के स्मारकों पर श्रद्धांजलि अर्पित की। न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों ने बताया कि 'धुरंधर' एक्टर रेशिमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर गए और आरएसएस के संस्थापक तथा दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर को श्रद्धांजलि दी, जिनके स्मारक इसी परिसर में स्थित हैं। इस दौरे के दौरान, RSS के प्रतिनिधियों ने रणवीर सिंह को इस हिंदुत्व संगठन के पहले दो प्रमुखों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी और डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर के इतिहास तथा महत्व के बारे में भी बताया। वहीं, 'द टेलीग्राफ' की एक रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने रणवीर की फिल्म पर चर्चा की और संगठन की विभिन्न गतिविधियों तथा सेवा कार्यों के बारे में भी बातचीत की। रणवीर के चारों ओर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। एयरपोर्ट से निकलते समय सफेद कुर्ते में उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं।

गुरुग्राम को 'नायाब' सौगातः शहर में खुलेंगे 4 नए अस्पताल, मेडिकल कॉलेज में 33% सीटें रिजर्व

गुरुग्राम , एजेंसी। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में बढ़ती आबादी और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए हरियाणा सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि गुरुग्राम में विभिन्न स्थानों पर 100 से 150 बेड की क्षमता वाले चार अतिरिक्त अस्पताल इसी तर्ज पर खोलने के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। मुख्यमंत्री का यह निर्देश न केवल शहर के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री सैनी ने यह महत्वपूर्ण निर्देश गुरुग्राम में निर्माणाधीन शीतला माता देवी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक के दौरान दिए। यह परियोजना सहकारी संघवाद और स्थानीय निकायों के आपसी सहयोग का अनूठा उदाहरण है। इसका इंफ्रास्ट्रक्चर जीएमडीए का 50 फीसदी, नगर निगम गुरुग्राम का 45 फीसदी और श्री माता शीतला देवी श्राइन बोर्ड पांच फीसदी के वित्तीय सहयोग से तैयार हो रहा है।

आयुष्मान के लाभार्थियों को प्राथमिकता : बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल के आरक्षित बेड पर आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य केवल

बिल्डिंग खड़ी करना नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ऐसी सेवाएं देना है जो गुरुग्राम को वैश्विक स्वास्थ्य मानचित्र पर स्थापित करें। मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बैठक में प्रोजेक्ट की बारीकियों को साझा किया।

आरक्षण और किफायती शिक्षा पर जोर : मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्णय लेते हुए निर्देश दिए कि गुरुग्राम के सेक्टर-102ए खेड़की माजरा में बन रहे इस अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज की 150 एमबीबीएस सीटों और 850 बेडों में से 33-33 प्रतिशत हिस्सा हरियाणा के विद्यार्थियों और स्थानीय निवासियों के लिए आरक्षित किया जाए। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि आरक्षित सीटों पर फीस अन्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों के समान ही रखी जाएगी, जिससे राज्य के मेधावी लेकिन आर्थिक रूप से सामान्य परिवारों के छात्रों को चिकित्सा शिक्षा के लिए भारी-भरकम फीस नहीं भरनी होगी।

दूरदराज के इलाकों में ड्रोन से पहुंचाई जाएगी दवा, इस राज्य सरकार ने शुरू की खास पहल

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने दूरदराज के आदिवासी इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए अनोखी पहल शुरू की है। अल्लूरी सीतारामा राजू जिले के सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में ड्रोन के जरिए दवाइयों और चिकित्सा सामग्री की डिलीवरी का कार्यक्रम शुरू किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने जिला प्रशासन, रीयल टाइम गवर्नेंस सिस्टम और अमेरिका स्थित यूपीएस फाउंडेशन की ओर से समर्थित टेक्नोलॉजी पार्टनर रेडविंग के साथ मिलकर यह प्रोजेक्ट लागू किया है।

इस पहल का मकसद अंतिम छोर तक डायग्नोस्टिक सैंपल, जरूरी दवाइयां और अन्य चिकित्सा आपूर्ति पहुंचाना है। पादेरू मेडिकल कॉलेज और गवर्नमेंट जनरल अस्पताल (ववव॥) को छोटे स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़कर ड्रोन के माध्यम से सैंपल भेजे और दवाइयां लाई जा रही हैं। इससे पहाड़ी और जंगली इलाकों में सड़क मार्ग से होने वाली देरी समाप्त हो गई है।

बड़े इलाके को किया जा रहा कवर : अब तक इस ड्रोन डिलीवरी पहल ने 1,000 उड़ानें पूरी कर ली हैं। इन उड़ानों में कुल 40,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की गई और 25,000 से ज्यादा चिकित्सा उत्पादों को हवाई मार्ग से पहुंचाया गया। प्रत्येक ड्रोन लगभग दो किलोग्राम पेलोड ले जाने में सक्षम है और कोल्ड चेन सुविधा से लैस है, जिससे दवाइयों और ब्लड यूनिट की गुणवत्ता बरकरार रहती है।

यह इनोवेटिव कदम आदिवासी समुदायों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। सड़कों की कमी और दुर्गम भूगोल वाले क्षेत्रों में ड्रोन स्वास्थ्य सेवाओं को तेज, सुरक्षित और प्रभावी बनाते हैं। सरकार का लक्ष्य है कि भविष्य में इस मॉडल को अन्य जिलों में भी विस्तार दिया जाए, ताकि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं और मजबूत हों। इस पहल से मरीजों को समय पर इलाज मिलना आसान हो जाएगा।

खाप पंचायतों के तुगलकी फरमानों पर राजस्थान हाई कोर्ट की रोक

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान हाईकोर्ट ने खाप पंचायतों के मनमाने फरमानों को असंवैधानिक और कानून के राज के लिए बड़ा खतरा बताते हुए इन पर रोक लगा दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सामाजिक बहिष्कार, 'हुक्का-पानी बंद' करना और भारी जुर्माना लगाना मौलिक अधिकारों तथा मानवीय गरिमा का उल्लंघन है। अदालत ने इन जातिगत मंचों को एक अवैध समानांतर न्यायिक प्रणाली माना है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए अदालत ने राज्य सरकार को एक प्रभावी नीति और एसओपी बनाने का निर्देश दिया है। साथ ही हर जिले में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के आदेश दिए गए हैं ताकि जिला कलेक्टर और पुलिस प्रशासन ऐसी शिकायतों का समय पर निवारण कर सकें।

सामाजिक बहिष्कार असंवैधानिक : राजस्थान हाईकोर्ट की जस्टिस फरजंद अली की बेंच ने अवैध जाति और खाप पंचायतों को कड़ी फटकार लगाते

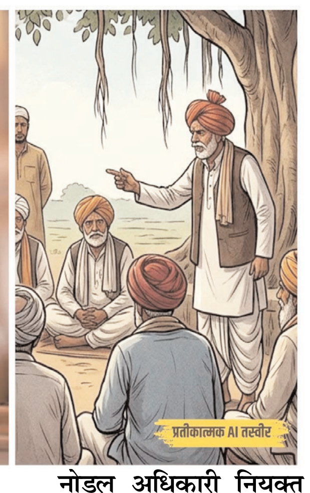

हुए फैसला सुनाया कि इन पंचायतों द्वारा सामाजिक बहिष्कार और आर्थिक जुर्माना लगाना पूरी तरह असंवैधानिक है। ऐसे फरमान कानून के शासन को कमजोर करते हैं और यह एक गंभीर सामाजिक समस्या है। अदालत ने राजस्थान सरकार को निर्देश दिया कि वह सामाजिक बहिष्कार की शिकायतों को रोकने के लिए एक स्पष्ट नीति और एसओपी तैयार करे।

नोडल अधिकारी नियुक्त करने के आदेश : इसके अलावा अदालत ने आदेश दिया कि प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए जो जिला कलेक्टर और पुलिस प्रमुख की देखरेख में शिकायतों को सुलझाए। अदालत उन 11 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें सिरोही, बाड़मेर, नागौर, बालोतरा, जालोर और जोधपुर जैसे जिलों में जबरदस्ती और सामाजिक बहिष्कार की घटनाओं के बारे में बताया गया था। याचिकाकर्ताओं ने गुहार लगाई थी कि शिकायतें करने के बाद भी अधिकारी ऐसी संस्थाओं के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में विफल रहते हैं।

हुक्का-पानी बंद करने से अलग-थलग पड़ जाते हैं परिवार : अदालत ने कहा कि बार-बार सामने आ रहे ऐसे मामलों को देखते हुए ये जातिगत मंच एक समानांतर न्यायिक प्रणाली की तरह काम करते हैं। खाप पंचायतें बिना किसी कानूनी अधिकार के आदेश जारी करती हैं। किसी व्यक्ति का हुक्का-पानी बंद करने जैसे फरमान लोगों और परिवारों को समाज से अलग-थलग कर देते हैं। ऐसी प्रथाएं इंसान की गरिमा को चोट पहुंचाती हैं। ये प्रथाएं समानता, आजादी और जीवन के अधिकार जैसे संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करती हैं। यह फैसला अदालत द्वारा नियुक्त एक समिति की रिपोर्ट पर आधारित है।

अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल हाईकोर्ट से झटका

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने वरिष्ठ वकील और कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें हर्ष महाजन के राज्यसभा निर्वाचन को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका में प्रस्तावित गवाहों के नाम हटाने की मांग की गई थी। जस्टिस वीरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को यह आदेश वर्ष 2024 की चुनाव याचिका के संदर्भ में पारित किया, जिसमें सिंघवी ने हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के लिए महाजन के निर्वाचन को चुनौती दी थी। सिंघवी ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 87(1) के तहत एक आवेदन दायर कर प्रतिवादी द्वारा सूचीबद्ध गवाहों के नाम काटने का अनुरोध किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि कई गवाहों, विशेष रूप से क्रम संख्या 2 से 14 तक के नामों को शामिल करना अनावश्यक

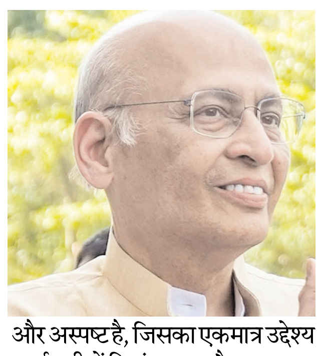

और अस्पष्ट है, जिसका एकमात्र उद्देश्य कार्यवाही में विलंब करना है।

सिंघवी का क्या था तर्क : याचिकाकर्ता का तर्क था कि प्रतिवादी ने 18 गवाहों के नाम प्रस्तावित किए हैं, जिनमें से कई उनके अनुसार कोर्ट द्वारा निर्धारित मुद्दों के लिए अप्रासंगिक थे। यह भी बताया गया कि गवाहों की सूची निर्धारित समय सीमा के बाद दाखिल की गई थी और उनका ट्रायल याचिकाकर्ता के हितों को प्रभावित करेगा तथा चुनावी विवाद के निपटारे में देरी करेगा।

याचिका गलत धारणा पर आधारित : हर्ष महाजन : हालांकि, प्रतिवादी हर्ष महाजन की तरफ से इस दलील का विरोध करते हुए कहा गया कि यह आवेदन गलत धारणा पर आधारित है और इसका उद्देश्य उन्हें निष्पक्ष न्याय के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रस्तुत करने से रोकना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया की वैधता, विशेष रूप से मतों की गिनती के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया और मत बराबर होने की स्थिति से निपटने के तरीके को सिद्ध करने के लिए ये गवाह आवश्यक हैं।

साक्ष्य प्रस्तुत करने का वैधानिक अधिकार : हाईकोर्ट : कोर्ट ने रिकॉर्ड और दलीलों की जांच के बाद पाया कि मुख्य मुद्दों, विशेष रूप से सहमति, प्रक्रिया और याचिका की स्वीकार्यता से संबंधित प्रमाण प्रस्तुत करने का भार प्रतिवादी पर है। हाईकोर्ट ने माना कि प्रतिवादी के पास अपने बचाव के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने का वैधानिक अधिकार है और पर्याप्त आधार के बिना ऐसे अधिकार में कटौती नहीं की जा सकती। जस्टिस वीरेंद्र सिंह ने उल्लेख किया कि याचिकाकर्ता यह साबित करने में विफल रहे कि प्रस्तावित गवाह किस प्रकार निरर्थक या परेशान करने वाले थे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि साक्ष्यों के बिना केवल विलंब करने की रणनीति का आरोप लगाना, गवाहों के नाम हटाने के लिए पर्याप्त नहीं है। बेंच ने आगे कहा कि गवाहों के ट्रायल का उद्देश्य प्रतिवादी द्वारा प्रस्तुत सूची में स्पष्ट रूप से बताया गया है और अधिकांश गवाह निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े हैं।

देश में पहली बार फ्लोटिंग जंक्शन, 'तैरती' नजर आएगी ट्रेन!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में पहली बार रेलवे प्रोजेक्ट के लिए फ्लोटिंग जंक्शन तैयार किया जा रहा है। उत्तराखंड की महत्वाकांक्षी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना अब इंजीनियरिंग के नए मानक गढ़ रही है। दुर्गम हिमालयी पहाड़ियों के नीचे बन रही यह रेल लाइन सिर्फ कनेक्टिविटी ही नहीं, बल्कि अत्याधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल के कारण वैश्विक स्तर पर भी चर्चा में है। इस खास तकनीक के तहत आपको ट्रेन हिमालयी पहाड़ियों पर 'फ्लोटिंग' यानी 'तैरती' दिखेंगी। परियोजना के तहत ब्यासी-देवप्रयाग सेक्शन में देश का पहला 'फ्लोटिंग रेल टनल जंक्शन' बनाया जा रहा है। यह जंक्शन इसलिए खास है क्योंकि इसे पारंपरिक ठोस चट्टानों पर नहीं, बल्कि बेहद कमजोर और चूरे जैसी मिट्टी वाले क्षेत्र में तैयार किया जा रहा है।

क्यों खास है यह फ्लोटिंग टनल जंक्शन : परियोजना के उप महाप्रबंधक (डीजीएम) और सिविल इंजीनियरिंग विशेषज्ञ ओमप्रकाश मालगुड़ी के मुताबिक, आमतौर पर रेलवे टनल के अंदर जंक्शन मजबूत चट्टानों पर बनाए जाते हैं। लेकिन इस रूट पर मेन सेंट्रल थ्रस्ट (स्ष्टञ्ज) का ऐसा जोन मिला है, जहां जमीन बेहद कमजोर है। ऐसे में यहां 'डबल-आर्क सिस्मिक आइसोलेशन' तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो भारत में पहली बार लागू हो रही है। इस तकनीक की मदद से टनल जंक्शन 'फ्लोट' यानी लचीले ढांचे की तरह व्यवहार करेगा, जिससे भूकंपीय जोखिम कम होगा। इस परियोजना की सबसे बड़ी खासियत इसकी भूकंप-रोधी डिजाइन है। टनल को इस तरह बनाया जा रहा है कि वह शॉक एब्जॉर्बर की तरह काम करे। भूकंप आने पर सुरंग हल्की सी खिसककर फिर अपनी जगह पर लौट आएगी। इससे संरचना को गंभीर नुकसान होने की संभावना बेहद कम हो जाएगी सुरक्षा के लिहाज से सुरंग में रॉक मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया जा रहा है। टनल की दीवार में अगर 1 मिलीमीटर का भी बदलाव होता है तो तुरंत ऋषिकेश स्थित कंट्रोल रूम में अलार्म बज जाएगा। इससे किसी भी खतरे को समय रहते पहचानकर कार्रवाई की जा सकेगी। तेज रफ्तार ट्रेनों में टनल के अंदर हवा का दबाव अचानक बढ़ जाता है, जिससे यात्रियों को असहजता हो सकती है। इस समस्या से निपटने के लिए एयर कुशन तकनीक लगाई जा रही है। यह तकनीक स्विट्जरलैंड की मशहूर गोथर्ड बेस टनल से प्रेरित है। इससे ट्रेन के गुजरने पर बनने वाले वायु दबाव को नियंत्रित किया जाएगा।

यूपी की कई वीआईपी सीटों का गुणा-गणित बदला, शहरी वोटर ज्यादा कटे

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 2.04 करोड़ कटने के बाद राजनीतिक दलों में खासी बेचैनी बताई जा रही है। जानकारों से कहना है कि एसआईआर में सर्वाधिक वोट शहरी क्षेत्रों के कटे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़े हैं। शहरी वोट हमेशा से भाजपा के रहे हैं। वोट कटने के बाद कई वीआईपी सीटों का भी गुणा-गणित बदल गया है। लखनऊ कैंट का ही उदाहरण लें तो यहां सर्वाधिक 124962 वोट कटे हैं। इसीलिए विधानसभा चुनाव के समय टिकट बंटवारे से लेकर जातीय समीकरण के लिए राजनीतिक दलों को नए सिरे से समीकरण बैठाना पड़ सकता है। वे अभी से इसकी रणनीति बनाने में जुट भी गए हैं।

बड़े शहरों में खूब कटे वोट : एसआईआर के आंकड़े बता रहे हैं कि मुस्लिमों समुदाय के अधिकतर लोग अपना वोट बचाने में सफल रहे हैं। मतदाता सूची के आंकड़ों को देखें तो लखनऊ कैंट 34.18, इलाहाबाद उत्तरी 34.01, लखनऊ पश्चिम 31.01, लखनऊ पश्चिम 31, आगरा कैंट 30.47, लखनऊ मध्य 30.36, मेरठ कैंट 27.29, कानपुर कैंट 26.59, बरेली 25.68 फीसदी वोट कटे हैं। नोएडा जैसी सीट पर 23.85 प्रतिशत वोट कटे हैं। ये सभी भाजपा की प्रभाव वाली सीटें हैं। इनमें से अधिकतर सीटें वीआईपी हैं।

भाजपा आशांवित : शहरी क्षेत्रों में मतदाता घटने से पार्टी थोड़ी चिंतित तो है मगर मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन तक वोटरों की बढ़ी हुई संख्या को लेकर पार्टी आशान्वित है। इसमें सरकार और संगठन दोनों ने अंतिम समय पर पूरी ताकत झोंकी। पार्टी के एक प्रदेश स्तरीय नेता का कहना है कि यह मानना पूरी तरह गलत है कि सिर्फ हिंदुओं के वोट ज्यादा कटे हैं। उनका तर्क है कि यदि ऐसा होता तो सपा और कांग्रेस एसआईआर को कोस न रहे होते।

सपा ने चार लोगों की टीम बनाई : बसपा कटे हुए वोटों को लेकर बूथ, जिला

व मंडल स्तर पर समीक्षा करेगी। पार्टी सभी जगह जहां वंचित व सर्वसमाज के वोट अवैध ढंग से काटे गए हैं, वहां अभियान चलाकर वैध मतदाताओं के नाम जुड़वाएगी। एसआईआर शुरू होने के साथ समाजवादी पार्टी ने चार लोगो की एक टीम बनाई। उसने बिहार एसआईआर का अध्ययन कर एक-एक खामियों पर ध्यान दिया। वोटर बनने और बने रहने के लिए सभी जरूरी मदद बूथवार की गई. जिससे वोट बचाने के साथ ही बनवाने में वह सफल रहे। सपा की यह टीम अब अंतिम मतदाता सूची का अध्ययन कर रही है। इसकी खामियों को देखा जा रहा है। इसके आधार पर गलत वोट कटने को ठीक कराने और छूटे लोगों का नाम शामिल कराने का होगा।

यूपी की नई मतदाता सूची में 6.40 करोड़ युवा मतदाता : यूपी में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की अंतिम मतदाता सूची में सर्वाधिक 30 से 39 आयुवर्ग के 3.60 करोड़ लोग हैं। दूसरे नंबर पर 20 से 29 आयु के 2.62 करोड़ मतदाता हैं। वोटर लिस्ट में सर्वाधिक युवा मतदाता हैं। अब अगर मतदाता सूची में 18 वर्ष से लेकर 39 वर्ष की उम्र वाले लोग जो युवा श्रेणी में आते हैं उनकी संख्या देखी जाए तो वह कुल 6.40 करोड़ है। यानी युवाओं की संख्या मतदाता सूची में 47.7 प्रतिशत है। फिलहाल मतदाता सूची के हिसाब से युवा मतदाता फिर एक बार निर्णायिक साबित होंगे। इनकी संख्या सूची में सर्वाधिक है। अधेड़ आयु के लोग जिसमें 40 वर्ष से लेकर 59 वर्ष की उम्र के 4.92 करोड़ मतदाता हैं। यह कुल वोटरों का 36.7 प्रतिशत है।

चिकनपॉक्स खुजली से राहत पाने के लिए अपनाएं ये तरीके

चिकनपॉक्स (चेचक) की बीमारी में शरीर पर दाने निकल आते हैं। इसके साथ ही बुखार भी रहता है। इस दौरान चिकनपॉक्स से पीड़ित को बहुत दर्द भी होता है। चिकनपॉक्स का अभी सीधा इलाज तक नहीं आया है, लेकिन इसका वैक्सीन जरूर उपलब्ध होता है। वैसे, चिकनपॉक्स अपने आप ही एक से दो सप्ताह में ठीक होने लगता है। चिकनपॉक्स में शरीर पर निकले दानों में खुजली होती है। इस खुजली से निजात पाने के लिए आप इन उपायों को इस्तेमाल कर सकते हैं।

उपाय

- जिस किसी को भी चिकनपॉक्स हुआ हो, उसे हाथों में मोजे पहनकर सोना चाहिए, जिससे कि रात में अनजाने में खुजली करते समय दानों में खरोंच न लगे। रात में इस बात का अहसास नहीं होता है कि आप अपने शरीर को खुजली कर रहे हैं। इसके अलावा नाखूनों को बड़ा न होने दें। बड़े नाखून से खुजली से आपको इंफेक्शन हो सकता है।
- चिकनपॉक्स की खुजली से छुटकारा पाने के लिए नीम एक अच्छा विकल्प होता है। नहाने के समय बाल्टी के पानी में नीम की पत्ती डालें। नीम की पत्ती में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरस गुण पाए जाते हैं। इसके साथ ही नीम की पत्ती संक्रमण को भी रोकती हैं।
- स्नान करने के लिए, एक बाल्टी पानी में कुछ नीम के पत्ते डालें और फिर अपने ऊपर पानी डालें। नीम के पत्तों में शक्तिशाली जीवाणुरोधी और एंटीवायरस गुण होते हैं, जो चकत्ते के त्वरित उपचार को बढ़ावा दे सकते हैं और संक्रमण को रोक सकते हैं। आप गर्म पानी में दलिया भी डाल सकते हैं और स्नान के लिए उस पानी का उपयोग कर सकते हैं।
- गर्म पानी में ओटमील मिलाकर भी चिकनपॉक्स की खुजली दूर कर सकते हैं। इसके अलावा नमक का पानी चिकनपॉक्स में होने वाली खुजली मिटाने में बहुत मदद करता है।
- अगर बहुत ज्यादा खुजली हो रही है और बिना खुजली किए आप रह नहीं सकते तो नीम के पेड़ छोटी टहनी से खुजली वाली जगह पर धीरे से ब्रश करें। इससे आपको राहत मिलेगी। एक बात याद रखें कि ब्रश करने से पहले नीम की टहनियों को गर्म पानी से धो लें, ताकि आपको कोई नुकसान न पहुंचे।

गर्मियों में मेकअप के दौरान इन तीन चीजों से करें तौबा

गर्मियों में स्किन के लिए जितनी देखभाल की जरूरत है, उतनी ही ऐहतियात मेकअप करते वक्त बरतने की भी है। गर्मियों में स्किन इंफेक्शन के अलावा अन्य कई तरह की बीमारियां होने का खतरा रहता है। इसलिए जरूरी है कि मेकअप के दौरान भी आप सावधानी बरतें और यहां बताई जा रही तीन गलतियां भूलकर भी न करें।

एक्सपायरी डेट के बाद यूज न करें प्रॉडक्टस

सारे ब्यूटी प्रॉडक्टस एक निश्चित एक्सपायरी डेट के साथ आते हैं। उस डेट के बाद आपको उनका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। नहीं तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, पुराने एक्सपायर्ड मेकअप प्रॉडक्ट्स ऐसे बैक्टीरिया और विषैले तत्वों की जन्म स्थली बनते हैं, जो न सिर्फ आपके लुक बल्कि आपकी त्वचा को भी खराब करते हैं। कॉस्मैटिक्स को स्टोर करके रखने की आदत के कारण एलर्जी, त्वचा इंफेक्शन जैसी समस्याएं आपको घेर लेती हैं।

मेकअप ब्रश न करें दूसरों से शेयर

मेकअप ब्रश शेयर कभी भी न करें। मेकअप ब्रश शेयर करने से हमारी त्वचा पर फंगस, वायस और कई तरह के बैक्टीरिया होते हैं जो मेकअप ब्रश यूज करने पर सीधे ब्रश में चले जाते हैं। अगर आप किसी दूसरे का मेकअप ब्रश शेयर करती हैं, तो वह सीधे आपकी स्किन पर आ जाएंगे। सारे मेकअप प्रॉडक्ट्स को एयरटाइट कंटेनर में पैक करके रखिए। बाथरूम या ड्रेसिंग टेबल पर खुले में दिखने वाले कॉस्मेटिक्स, ब्रश जिन पर हवा में तैरते जर्म्स आसानी से चिपक जाते हैं, वे सीधे आपकी स्किन पर जाने से रुक पाएंगे।

मेकअप बैलेंस करके न चलने से बढ़ती है परेशानी

मेकअप के दौरान एक बेसिक रूल हमेशा फॉलो करना चाहिए। आपका मेकअप ऐसा होना चाहिए, जो फेस को बैलेंस करें। उदाहरण के तौर पर, आंखों एवं लिप्स में से किसी एक को ही ज्यादा हाइलाइट करें, ताकि फेस बैलेंस हो जाए। अगर आप स्मोकी या लाउड आई मेकअप कर रही हैं तो लिपस्टिक शेड लाइट रखें। वहीं अगर लिपस्टिक कलर्स काफी ब्राइट एवं लाउड है, तो आई मेकअप मिनिमम होना चाहिए। जो महिलाएं ऐसा नहीं करती, उनका मेकअप एवं चेहरा देखने में काफी अजीब लगता है।

रेसिपी

कद्दू की बर्फी

■ कद्दू : 1 कप ■ घी : 4 टीस्पून ■ चीनी: 200 ग्राम ■ मावा: 200 ग्राम ■ बादाम:1 टीस्पून (बारीक कटा) ■ काजू:1 टीस्पून (बारीक कटा) ■ पिस्ता: 1 टीस्पून (बारीक कटा) ■ हरी इलायची: 4-5 छीलकर (कूटी हुई)

विधि

कद्दू की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले कद्दू को छीलकर साफ कर लें। फिर इसे कद्दूकस कर लें या फिर इसके छोटे छोटे टुकड़े कर लें। इसके बाद कड़ाही में घी डालकर गरम करें। फिर इसमें कद्दू डालकर धीमी आंच पर छह या सात मिनट तक पका लें। जब कद्दू अच्छे से पक जाए, तब इसमें चीनी डालें और लगातार चलाते हुए दो मिनट तक भून लें। अब इसमें और 2 टीस्पून घी डालें और एक मिनट तक भून लें, फिर इसमें मावा डालकर पांच मिनट तक लगातार चलाते हुए दो से तीन मिनट तक पका लें। अब गैस बंद कर दें और इसमें बादाम, पिस्ता, काजू और इलायची पाउडर डालकर मिक्स करें। अब एक थाली लें और उसमें घी लगाकर चिकना कर लें। फिर इसमें कद्दू का मिक्सचर डालकर चारों ओर फैला लें। इसे 1 घंटे तक जमने के लिए छोड़ दें। एक घंटे बाद चाकू से इसे छोटे टुकड़ों में काट कर सर्व करें।

ब्रेड कुल्फी

- 4 ब्रेड स्लाइस
- 1 लीटर दूध
- 2 बड़ा चम्मच चीनी
- 1 छोटा चम्मच वनिला एसेंस
- 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ काजू
- 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ बादाम
- 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ पिस्ता
- 1 बड़ा चम्मच मक्खन
- 1 छोटा चम्मच शहद

विधि

सबसे पहले मीडियम आंच में एक पैन में दूध उबालने के लिए रखें। पहला उबाल आने पर मक्खन, चीनी मिलाएं और दूध को तब तक उबालते रहें जब तक कि यह आधा न रह जाए। ब्रेड स्लाइस, बारीक कटे काजू, बादाम और पिस्ता मिलाएं। जब दूध पूरा गाढ़ा हो जाए तब आंच बंद कर दें और तैयार मिश्रण को ठंडा होने के लिए रख दें। वनिला एसेंस मिलाकर एक चम्मच से अच्छे से मिक्स कर लें। कुल्फी मिश्रण को कुल्फी मोल्ड में डालकर 6 से 7 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। तय समय के बाद ब्रेड कुल्फी तैयार है। शहद की टॉपिंग के साथ सर्व करें।

नोट- अगर आपके पास मोल्ड नहीं है तो आप किसी और बर्तन में भी कुल्फी जमने के लिए रख सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ौन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

▯ ▯ ▯

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

▯ ▯ ▯

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

काकुरो पहेली - 660

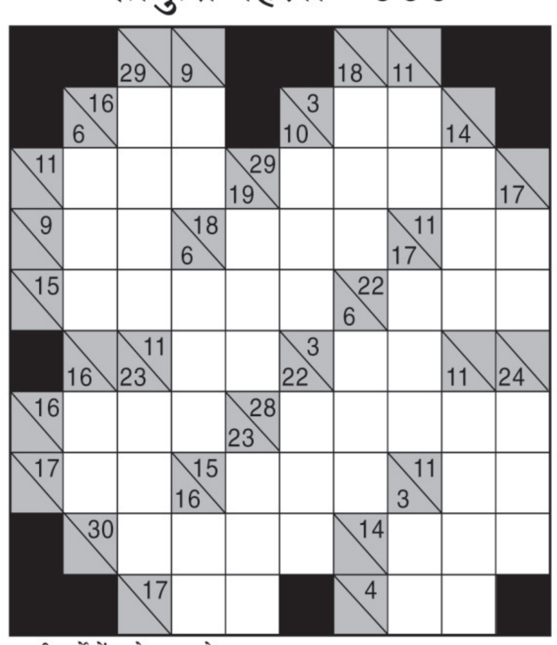

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

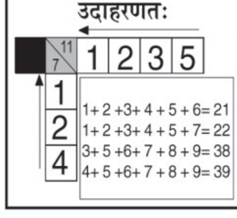

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 659 का हल

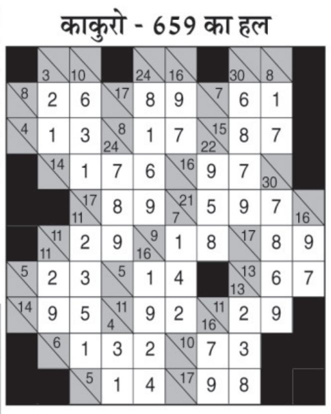

फिल्म वर्ग पहेली- 560

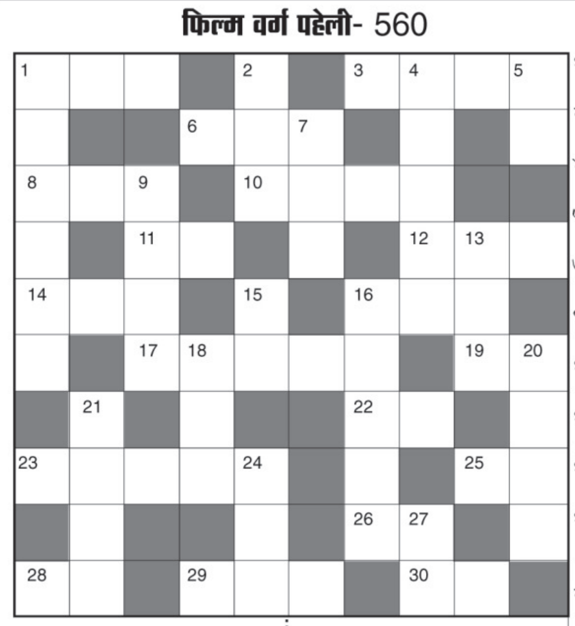

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 559

अ	नि	ता		गे	श	नी		धू	म
क्स		क	सौ	टी		ल	ज्जा		स्त
	अं	त		क	स	म		भा	
जो	श		कं	प	नी		आ	र	जू
रू		दि		ड़ा		जी	न	त	
का	ज	ल		औ	र	त			पा
गु		ज	रू	र	त		पा	ल	की
ला	ड़	ला		म	न		य		जा
म			शा	का		जा	ल		
	फ	र	दी	न	खा	न		फि	दा

सूडोकु -660

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 659 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 660

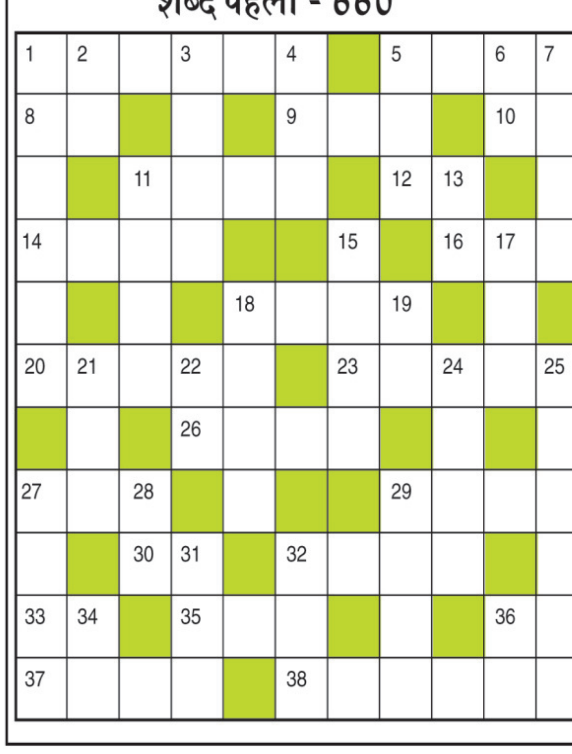

बाएँ से दाएँ

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -659 का हल

उ	प	चा	र		नि		वि	रा	स	त
	र		घु		ग	द	र		ही	न
क			व	रा	ह		ह			हा
म	हा	वी	र		बा	ल		क	मा	ई
जो		रा		ना	न		श		ख	
र	म	णी	य	ता		भा	व	ही	न	ता
	न		म		ज	ल		ट		र
अ	का	ल		शू	ल		नी	र	व	ता
प			न		प्र	ख	र			र
रा	ल		म	हु	वा		स		मी	
ध	ड़	क	न		ह		ता	र	त	म्य

युवाओं को खुद को गढ़ना होगा, तभी बनेगा मजबूत भारतः कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

एजेंसी

लाडनूं। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद की ओर से जैन विश्वभारती प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आचार्य तुलसी और संत-महात्माओं को नमन करते हुए कहा कि लाडनूं की यह पावन धरती देश को आध्यात्म और अनुशासन की दिशा देने वाली रही है। उन्होंने कहा यहां आकर मुझे जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उनकी करुणा, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा से मन अत्यंत प्रसन्न और प्रेरित हुआ। यह अवसर जीवन में नई सकारात्मकता और संस्कारों को सुदृढ़ करने वाला रहा है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि उनका आध्यात्मिक मार्गदर्शन समाज को शांति, संयम और सदाचार की प्रेरणा देता है। यहां का वातावरण और परंपरा हर व्यक्ति को सीखने और आत्मविकास का अवसर प्रदान करती है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश एक विचार है, जो हमारी जड़ों, इतिहास और पहचान से जुड़ा होता है। हमारा देश बहुत बड़ा है। लेकिन जब हम एक साथ आते हैं तो हमारी एक कॉमन पहचान होती है भारतीय होने की।

अयोध्या केवल आस्था नहीं, स्वाभिमान की भी प्रतीकः चंपत राय

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने कहा कि अयोध्या केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि हिंदू परंपराओं और सांस्कृतिक स्वाभिमान का भी प्रमुख आधार है। आईएमए (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन) कानपुर के 50 सदस्यीय डॉक्टरों के दल को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या अत्यंत प्राचीन और मोक्षदायिनी नगरी है, जहां केवल भगवान राम से ही नहीं, बल्कि अनेक धार्मिक परंपराओं की जड़ें भी जुड़ी हैं। होटल क्रिनॉस्कों के सभागार में आयोजित व्याख्यान के दौरान चंपत राय ने श्रीराम जन्मभूमि विवाद के ऐतिहासिक और कानूनी पहलुओं को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह विवाद महज 1450 वर्ग मीटर भूमि का नहीं था, बल्कि यह देश के स्वाभिमान और सांस्कृतिक पहचान की लड़ाई थी। उन्होंने बताया कि 1935 तक विभिन्न स्तरों पर संघर्ष चलता रहा और 1949 से यह मामला न्यायालय में पहुंचा, जहां कानूनी प्रक्रिया के तहत यह महत्वपूर्ण प्रश्न रहा कि 1528 में उस स्थल पर क्या मौजूद था। हिन्दू पक्ष का मानना था कि वहां प्राचीन मंदिर था, जिसे विदेशी आक्रांता के आदेश पर ध्वस्त कर ढांचा खड़ा किया गया, जबकि मुस्लिम पक्ष ने इसे मस्जिद निर्माण का दावा बताया।

पंजाब मंत्रिमंडल की बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून को मंजूरी, दोषियों को उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान

चंडीगढ़। भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब मंत्रिमंडल ने एक अहम निर्णय लेते हुए 'जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक-2026' को मंजूरी दे दी है। इस संशोधन के तहत श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के मामलों में दोषियों के लिए उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान किया गया है। सरकारी जानकारी के अनुसार यह विधेयक सोमवार को पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र में पेश किया जाएगा। सरकार का कहना है कि यह कदम धार्मिक भावनाओं की सुरक्षा और समाज में शांति व सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। मंत्रिमंडल बैठक में कहा गया कि पिछले कुछ वर्षों में पवित्र ग्रंथों की बेअदबी की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनसे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और सामाजिक तनाव की स्थिति भी बनी है। हालांकि भारतीय न्याय संहिता की मौजूदा धाराएं ऐसे मामलों से निपटती हैं, लेकिन सरकार का मानना है कि मौजूदा सजा व्यवस्था पर्याप्त कठोर नहीं है।

इसी को देखते हुए सरकार ने 2008 के मौजूदा कानून में संशोधन कर इसे और सख्त बनाने का फैसला किया है। नए प्रस्तावित प्रावधानों के तहत ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कठोर दंड सुनिश्चित किया जाएगा, जिसमें उम्रकैद तक की सजा शामिल होगी। सरकार ने कहा कि यह कानून किसी भी तरह की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को रोकने में प्रभावी साबित होगा और राज्य में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने में मदद करेगा। इस निर्णय को पंजाब सरकार की ओर से धार्मिक भावनाओं की सुरक्षा और सामाजिक एकता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजीविका मिशन की समीक्षा बैठक ली, लखपति दीदियों से किया वर्चुअल संवाद

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी 41 जिलों से जिला परियोजना प्रबंधक एवं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लगभग 425 लखपति दीदियों ने सहभागिता की। मुख्य सचिव ने सिटिजन-सेंट्रिक अप्रोच के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। विभिन्न जिलों से जुड़ी लखपति एवं मिलियनेयर दीदियों–बीकानेर से मोनिका, जयपुर से शांति एवं शालिनी, धौलपुर से पार्वती, जैसलमेर से डिंपल, जालौर से ललिता, अलवर से कविता, टोंक से पिंकी, राजसमंद से सरिता, डूंगरपुर से गायत्री, भरतपुर से बृजेश, झालावाड़ से सुशीला एवं बाड़मेर से डिंपल ने अपने अनुभव साझा किए। बैठक के दौरान मुख्य सचिव द्वारा राजीविका के कार्यों की समीक्षा करते हुए 10-स्टेप रिफॉर्म लागू करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने राजीविका मिशन के अंतर्गत 4.34 लाख स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 51.22 लाख परिवारों की महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु क्रेडिट लिंकेज, मार्केट लिंकेज एवं स्किल लिंकेज पर आधारित एक सुदृढ़ रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सफलता की कहानियों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

तमिलनाडु चुनाव 2026: भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राजग उम्मीदवारों के लिए किया रोड शो

एजेंसी

विरुधुनगर। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही राज्य में सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सभी प्रमुख राजनीतिक दल अपने-अपने उम्मीदवारों के समर्थन में पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर चुके हैं। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दो दिवसीय दौरे पर तमिलनाडु पहुंचे, जिससे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)के चुनाव प्रचार को नई गति मिली है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन 12 और 13 अप्रैल को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो और जनसभाएं करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह दौरा चुनावी रणनीति के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इससे गठबंधन के पक्ष में माहौल बनाने में मदद मिलेगी।

इससे पहले राज्य के मदुरै हवाई अड्डे पर पहुंचने पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद वे विरुधुनगर जिले के सत्तूर विधानसभा क्षेत्र पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा उम्मीदवार नैनार नागेंद्रन के समर्थन में रोड शो किया। इस रोड शो में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ अभिनेता और भाजपा नेता सरथकुमार भी मौजूद रहे, जिनकी उपस्थिति से कार्यक्रम में उत्साह और बढ़ गया।

अपने दौरे के दौरान नितिन नवीन मदुरै दक्षिण और कंदरवकोट्टई विधानसभा क्षेत्रों में भी रोड शो करेंगे, जहां वे राजग उम्मीदवारों के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने का प्रयास करेंगे।

उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को होने जा रहे हैं, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी और उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। इस चुनाव में भाजपा, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के साथ गठबंधन में 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा और अन्नाद्रमुक गठबंधन के पक्ष में माहौल बनाने और अधिक से अधिक वोट हासिल करने के उद्देश्य से नितिन नवीन का यह दौरा निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

फर्रुखाबाद में ससुराल आए युवक का शव पेड़ पर लटका मिला, हत्या का आरोप

एजेंसी

फर्रुखाबाद। जिले के थाना मोहम्मदाबाद क्षेत्र के ग्राम ज्योंता में ससुराल आए एक युवक का शव आम के पेड़ पर रस्सी के सहारे लटका मिला है। यह जानकारी फैलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एटा जिले के थाना अलीगंज क्षेत्र के मोहल्ला विकास नगर मैनपुरी रोड निवासी राम अवतार के 35 वर्षीय बेटे संजय कुमार का शव ज्योता निवासी जोगेंद्र सिंह के खेत में खड़े आम के पेड़ पर सुबह लटका मिला। सुबह शौच के लिए जा रहे ग्रामीणों ने शव देखा और इसकी सूचना मृतक के ससुराल पक्ष को दी। इसके बाद ससुर नरेश चंद्र द्वारा डायल 112 पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक संजय कुमार के पिता रामअवतार ने आरोप लगाया है कि उनके पुत्र की हत्या कर शव को पेड़ पर लटका दिया गया है। संजय तीन दिन पहले दिल्ली से घर लौटा था और 11 अप्रैल को ससुराल आया था, जहां सुबह उसकी मौत की सूचना मिली।

मृतक की पत्नी मोनी ने बताया कि पिछले कुछ समय से दोनों के बीच विवाद चल रहा था। पति उसे पेट्रोल डालकर जलाने की धमकी दे रहा था और स्वयं आत्महत्या करने की बात भी कर रहा था। विवाद बढ़ने पर डायल 112 को सूचना भी दी गई थी। पत्नी ने यह भी बताया कि दिल्ली में किसी महिला से उसके पति का कथित प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसे लेकर आए दिन विवाद होता था।

बलरामपुर : 13 साल से फरार नक्सली संगठन का सक्रिय सदस्य झारखंड से गिरफ्तार

एजेंसी

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ की बलरामपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सामरीपाठ थाना क्षेत्र के बहुचर्चित मामले में 13 वर्षों से फरार चल रहे नक्सली संगठन के सक्रिय सदस्य और स्थायी वारंटी को पुलिस ने झारखंड से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। बलरामपुर पुलिस के जारी विज्ञप्ति के अनुसार जिले के थाना सामरीपाठ पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मुन्ना कोरवा (33 वर्ष), निवासी टेढ़ी, थाना भंडरिया, जिला लातेहार (झारखंड) है, जो नक्सली संगठन का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, वर्ष 2012 में हुए एक गंभीर आपराधिक मामले में आरोपित के खिलाफ थाना सामरीपाठ में अपराध क्रमांक 02/2012 के तहत धारा 147, 148, 149, 342, 395, 307, 232, 120(बी) भादवि एवं आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, घटना 9-10 फरवरी 2012 की है, जब नक्सलियों ने एक युवक का अपहरण कर उसे जंगल में ले जाकर मारपीट की। इस दौरान नक्सली

संगठन के सदस्य इकबाल यादव के कहने पर आरोपित ने पीड़ित की हत्या की नीयत से गोली चलाई, हालांकि पीड़ित किसी तरह मौके से भागने में सफल रहा। इस मामले में पुलिस ने आरोपित को पूर्व में जांच पूरी कर न्यायालय में चालान पेश किया था, लेकिन आरोपित रिहाई के बाद लगातार फरार चल रहा था। न्यायालय द्वारा उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया गया था। पुलिस को सूचना मिली थी कि फरार आरोपित झारखंड के भंडरिया क्षेत्र में छिपकर रह रहा है। इस पर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम गठित कर झारखंड रवाना किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर बीते शनिवार को बलरामपुर लाया और विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय में पेश किया।

पुलिस टीम की अहम भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अहम भूमिका निभाई। टीम के अन्य सदस्यों के सहयोग से लंबे समय से फरार आरोपित को पकड़ने में सफलता मिली।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने उन्नत कृषि महोत्सव में जारी किया मप्र के चार जिलों का कृषि रोडमैप

एजेंसी

भोपाल। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के रायसेन में आयोजित उन्नत कृषि महोत्सव के दूसरे दिन किसानों को एक बड़ी सौगात देते हुए प्रदेश के चार जिलों-सीहोर, रायसेन, विदिशा और देवास का समग्र कृषि रोडमैप जारी किया। साथ ही इस अवसर पर उन्होंने आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल का निरीक्षण भी किया। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने महोत्सव में फसल बीमा योजना और इंटीग्रेटेड फॉर्मिंग पर आयोजित विशेष सत्र के दौरान किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों के साथ उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए नई तकनीकों, विविध फसलों और एकीकृत खेती पद्धतियों को अपनाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान पारंपरिक खेती के साथ-साथ पशुपालन, बागवानी, मधुमक्खी पालन और जैविक खेती को भी अपनाएं, ताकि कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त हो सके। सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे किसान तक पहुंचे, इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल, कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना, स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी सहित अन्य विधायकगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि उन्नत कृषि महोत्सव का यह आयोजन केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की कृषि व्यवस्था में सुधार लाने का एक गंभीर प्रयास है।

आज विदिशा, रायसेन, सीहोर और देवास जिलों के लिए कृषि विकास का रोडमैप तैयार किया गया है। आगे मध्य प्रदेश के सभी जिलों के लिए इसी प्रकार की योजना बनाई जाएगी। इन योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें जमीन पर लागू किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के समन्वय से किसानों को इसका लाभ पहुंचाया जाएगा, ताकि खेती को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कृषि की दिशा बदलने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। महोत्सव में किसानों को व्यावहारिक और वैज्ञानिक जानकारी दी जा रही है।

अलग-अलग सत्रों के माध्यम से खेती के विभिन्न पहलुओं को सरल तरीके से समझाने का प्रयास किया गया है, ताकि किसान अपनी फसलों और उत्पादन प्रणाली को बेहतर बना सकें। अब जरूरत इस बात की है कि किसान अपनी मिट्टी, जलवायु, पानी की उपलब्धता और संसाधनों के आधार पर वैज्ञानिक तरीके से खेती करें।

मप्र के खंडवा में राज्य कर ऑफिस में लगी आग, पूरी बिल्डिंग राख

एजेंसी

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा शहर में दोपहर जिला जेल के सामने स्थित सेल्स टैक्स (राज्य कर) कार्यालय में अचानक जबरदस्त आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी इमारत इसकी चपेट में आ गई। इस घटना में बिल्डिंग में रखे करोड़ों के रिकॉर्ड जलकर राख हो गए। दोपहर करीब 2 बजे स्थानीय रहवासियों ने दफ्तर से धुआं और आग की लपटें उठती देख तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही सबसे पहले कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीमों को भी अलर्ट किया गया, लेकिन तब तक आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दफ्तर के महत्वपूर्ण दस्तावेज, कंप्यूटर और फर्नीचर पूरी तरह जलकर राख हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद करीब आधे घंटे के भीतर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

स्थानीय लोग भी इस दौरान मदद में जुटे रहे। लंबे प्रयास के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका, लेकिन तब तक इमारत के अंदर का अधिकांश हिस्सा पूरी तरह जल चुका था। चूंकि अवकाश होने के कारण दफ्तर के अंदर कोई कर्मचारी या अधिकारी मौजूद नहीं था। इस कारण एक बड़ा जनहानि का हादसा टल गया, लेकिन आर्थिक और प्रशासनिक नुकसान बेहद गंभीर बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस और फायर विभाग नुकसान का आकलन कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में उसने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। इधर, आग लगने के कारण को लेकर अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं। प्रारंभिक जांच में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कार्यालय परिसर में मौजूद सूखी झाड़ियों को साफ करने के लिए उनमें आग लगाई गई थी। इसी दौरान तेज हवा के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया और बढ़ते-बढ़ते सीधे बिल्डिंग तक पहुंच गई। हालांकि, इस दावे पर प्रशासनिक स्तर पर पूरी तरह सहमति नहीं है। जीएसटी की असिस्टेंट कमिश्नर ज्योति ब्रह्मे ने आग लगने के पीछे शॉर्ट सर्किट की संभावना भी जताई है। उन्होंने बताया कि यह कार्यालय जिले और संभाग स्तर पर सेल्स टैक्स और जीएसटी से जुड़े कार्यों का प्रमुख केंद्र था। भवन की निचली मंजिल पर जिला (सर्कल) कार्यालय और ऊपरी मंजिल पर संभाग (डिवीजन) कार्यालय संचालित होता था। फिलहाल आग की चपेट में सबकुछ आ गया है, कुछ भी बचा नहीं हैं।

आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती हैं। झाड़ियों से आग नहीं फैली है, झाड़ियों की आग पुरानी है, जो कि वर्किंग डे में हमारी मौजूदगी के दौरान ही कर्मचारियों के द्वारा साफ-सफाई के दौरान लगाई जाती है। आग के कारण यहां रखे जरूरी दस्तावेज, रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नष्ट हो गए, जिससे प्रशासनिक कार्य प्रभावित होने की आशंका है।

तीसरे विश्व युद्ध जैसे हालात बनते नजर आ रहे हैं : मौलाना यासूब अब्बास

एजेंसी

लखनऊ। शिया धर्मगुरु मौलाना यासूब अब्बास और मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने अमेरिका-ईरान तनाव और वैश्विक हालात पर चिंता जताई है। मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि मौजूदा हालात बेहद गंभीर हैं। उन्होंने कहा, 'तीसरे विश्व युद्ध जैसे हालात बनते नजर आ रहे हैं और अमेरिका दुनिया को तबाह करने की कोशिश कर रहा है। अब अमेरिका चीन को भी खुलकर धमकी दे रहा है और अगर ऐसा जारी रहा तो चीन भी जवाबी हमला कर सकता है।' उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत पर भी सवाल उठाए। मौलाना यासूब अब्बास के मुताबिक, यह वार्ता पूरी तरह विफल हो चुकी है क्योंकि अमेरिका अपनी शर्तों पर समझौता चाहता था, जबकि ईरान ने साफ कर दिया कि वह केवल अपनी शर्तों पर ही कोई समझौता करेगा। ऐसे में दोनों देशों के बीच सहमति बनना संभव नहीं हो सका।

वहीं मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने भी इस्लामाबाद में हुई अमेरिका-ईरान वार्ता के विफल होने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि इन बातचीत के असफल होने से पूरी दुनिया में मायूसी की लहर है। अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा कि अमेरिका का यह दावा कि उसने युद्ध जीत लिया है, पूरी तरह निराधार है। उन्होंने कहा कि नाटो देशों ने भी अमेरिका का साथ नहीं दिया क्योंकि यह युद्ध अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ था और ईरान पर अवैध रूप से थोपा गया था।

उन्होंने कहा कि अब जब अमेरिका चीन को भी चेतावनी दे रहा है, तो उसे ऐसे अवैध कदमों से दूर रहना चाहिए, क्योंकि इससे पूरे विश्व व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा पैदा हो रहा है।

वृंदावन नाव हादसा : युवती सहित दो शव और बरामद, मृतकों की संख्या 13 हुई, तीन की खोज जारी

एजेंसी

मथुरा। पंजाब के श्रद्धालुओं की वृंदावन में यमुना नदी में पलटी मोटरबोट के दो और लोगों के शव बचाव दल ने बरामद कर लिएहैं। इस हादसे में मरने वालों की संख्या 13 हो गई है। अभी तीन और लोगों की तलाश जारी है। पंजाब के श्रद्धालुओं की मोटरबोट यमुना नदी में पटलने के बाद डूबे लोगों की तलाश में बचाव दल ने रविवार की सुबह फिर खोजबीन शुरू की।आज सुबह महिला सहित दो श्रद्धालुओं के शव बरामद हुए हैं। इस संबंध में एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि सुबह पहले यमुना नदी से एक युवक का शव बरामद हुआ है। उसकी पहचान लुधियाना के जगराओं निवासी ऋषभ शर्मा के रूप में हुई है। उसका शव अक्रूर घाट के पास मिला है। इसके बाद बचाव दल ने एक महिला का भी शव देवरहा बाबा घाट के पास बरामद किया। महिला की पहचान लुधियाना के ही अर्बन एस्टेट डूगरी निवासी 21 वर्षीय डिंकी बंसल के रूप में हुई है। हादसे में डिंकी बंसल की मां मीनू बंसल की भी मौत हो चुकी है। उनका शव शुक्रवार को ही निकाल लिया गया था। उन्होंने बताया कि अभी पंकज मल्होत्रा, यश भल्ला और मोनिका लापता हैं। उनकी तलाश में सर्च ऑपरेशन जारी है। जिला प्रशासन

के अनुसार शव नदीं में फूलकर ऊपर आ गए थे, जिन्हें रस्सियों की मदद से नाव में खींचकर बाहर निकाला गया है। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर उनकी पहचान की है। मृतक डिंकी बीए फाइनल ईयर की छात्रा थी। वहीं ऋषभ शर्मा 12वीं पास था और अपने पिता के काम में हाथ बंटाता था। शनिवार को मानिक टंडन का शव देवरहा बाबा घाट के पास मिला था। इसके साथ अब मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। डीएम सीपी सिंह ने बताया कि एडीएम पंकज वर्मा की जांच रिपोर्ट के आधार पर हादसे के सभी दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। कोई बचेगा नहीं। अभी पुलिस ने चालक और ठेकेदार को प्रारंभिक आधार पर दोषी मानकर जेल भेज दिया है। दरअसल शुक्रवार को यमुना में पैंटून पुल के पीपा से टकराने के बाद पंजाब के श्रद्धालुओं की एक मोटरबोट बीच यमुना नदी में पलट गई थी। उसी दिन चले बचाव अभियान दल ने दस शवों को बरामद कर लिया था। इसके बाद शनिवार शाम तक एक और शव मिला था। तीन लोगों की तलाश में बचाव अभियान चलाया जा रहा है। पंजाब से अपनों की तलाश में परिजन वृंदावन पहुंच चुके हैं। प्रशासन और स्थानीय पुलिस के साथ-साथ एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें भी लापता श्रद्धालुओं की तलाश में जुटी हुई हैं। यमुना के तेज बहाव और गहरे घाटों के कारण बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आ रही हैं। बचाव टीमों ने केसी घाट से लेकर गोकुल बैराज तक यमुना नदी को सात सेक्टरों में बांटा गया है। 20 किलोमीटर के दायरे में यमुना में अब डूबे हुए लोगों की तलाश की जा रही है। डीआईजी आगरा रेंज के आदेश पर यमुना के सातों सेक्टरों में थानेदार नजर बनाए हुए है। स्थानीय गोताखोर, नाविक, पीएसी के गोताखोर, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें भी शामिल है।

बिहार से ट्रेन में महाराष्ट्र ले जाए जा रहे थे 167 मुस्लिम बच्चे, तस्करी की आशंका में मप्र के कटनी स्टेशन पर उतारा

एजेंसी

कटनी। बिहार से महाराष्ट्र जा रही पटना-पुणे एक्सप्रेस से शनिवार देर रात 167 मुस्लिम बच्चों को मध्य प्रदेश के कटनी रेलवे स्टेशन पर रेस्क्यू किया गया। खुफिया सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई के बाद मानव तस्करी की आशंका जताई जा रही है। बाल कल्याण समिति और रेल पुलिस ने बच्चों को बाल सुरक्षा गृह में ठहराया है और मामले की जांच कर रही है।

दरअसल, शनिवार देर रात को महिला बाल विकास विभाग और आरपीएफ को सामाजिक संगठन से सूचना मिली कि पटना-पुणे ट्रेन से बड़ी संख्या में 7 से 15 वर्ष के बच्चों को महाराष्ट्र ले जाया रहा है और मानव तस्करी की आशंका है। मामला की गंभीरता को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपीएफ, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी और बाल सुरक्षा अधिकारी मौके पर पहुंचे। ट्रेन के कटनी स्टेशन पहुंचते ही, सभी बच्चों को ट्रेन से नीचे उतारकर अपनी निगरानी में लिया। ट्रेन से 167 बच्चे उतारे गए और उनकी काउंसलिंग की गई। कटनी

आरपीएफ थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि जानकारी मिली थी कि पटना-पुणे एक्सप्रेस में बड़ी संख्या में बच्चों को संदिग्ध परिस्थितियों में ले जाया जा रहा है। ट्रेन के कटनी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर पहुंचते ही आरपीएफ, जीआरपी, महिला एवं बाल विकास विभाग और बाल संरक्षण अधिकारियों की संयुक्त टीम ने उसकी घेराबंदी कर ली। इसके बाद टीम ने बोगियों से सभी 167 बच्चों को सुरक्षित नीचे उतारा। रेस्क्यू किए गए बच्चे ट्रेन के एस-1, एस-2, एस-3, एस-4 और एस-7 कोच में सवार थे। पूछताछ में सामने आया है कि अधिकांश बच्चे बिहार के रहने वाले हैं। आरपीएफ थाना प्रभारी ने बताया कि बच्चों के साथ मौजूद सद्दाम नामक व्यक्ति ने बताया कि वह इन बच्चों को बिहार के अररिया से महाराष्ट्र के लातूर स्थित मदरसे ले जा रहा था। उसके साथ 100 बच्चों का ग्रुप है, जबकि बाकी बच्चों को अन्य लोग लेकर जा रहे थे। खुद को लातूर मदरसे का शिक्षक बताने वाले सद्दाम का दावा है कि वह 10 साल से बच्चों को वहां ले जा रहा है। उनके मदरसे में हर विषय की शिक्षा दी जाती है। प्रशासन मामले की सच्चाई और कानूनी दस्तावेजों की जांच कर रहा है। उन्होंने बताया कि 80 बच्चों को जबलपुर के बाल गृह और बाकी को कटनी के बाल गृह में रखा गया है। बच्चों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। जब तक हर बच्चे के अभिभावक से संपर्क नहीं हो जाता और बच्चों के स्थानांतरण का ठोस कारण स्पष्ट नहीं होता, तब तक उन्हें प्रशासन की निगरानी में रखा जाएगा। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। बाल सुरक्षा अधिकारी मनीष तिवारी ने बताया कि ट्रेन से उतारे गए बच्चों में अधिकांश मुस्लिम समुदाय के हैं।

श्री गुरु रविदास जी के बराबरी और मानवता की भलाई के संदेश को पंजाब सरकार विश्व स्तर पर ले जाएगी : भगवंत सिंह मान

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित कराए जाने वाले श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों को अंतिम रूप दे दिया। यह फैसला मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पंजाब भवन में संत समाज के साथ बैठक के दौरान लिया गया। मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय कार्यक्रमों और पहलकदमियों की श्रृंखला की रूपरेखा तैयार की। इन कार्यक्रमों में सेमिनार, कीर्तन समागम, यात्राएं, पौधे लगाने के अभियान और 650 एकड़ में 'गुरु रविदास बगीचियां' लगाना शामिल है तथा इस संबंध में मुख्य समागम खुरालगढ़ में होगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूं कि मुझे श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस और श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को मनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। राज्य सरकार श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को मनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी क्योंकि गुरु जी के संदेश को दुनिया भर तक पहुंचाना हमारा सामूहिक फर्ज है।'

उन्होंने कहा, 'श्री गुरु रविदास महाराज जी ने हर भेदभाव से मुक्त बराबरी वाले समाज की कल्पना की थी। पंजाब सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि श्री गुरु रविदास महाराज जी का आगामी 650वां प्रकाश पर्व बड़े स्तर पर मनाया जाए। हमने हाल ही में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित विभिन्न कार्यक्रम कराए थे।'

समागम की तैयारियों का जिक्र करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री ने साझा किया, 'श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को शानदार ढंग से मनाने के लिए पूरे साल चलने वाले कार्यक्रमों की योजना तैयार की गई है। श्री गुरु रविदास महाराज जी ने समूची मानवता की भलाई और सभी वर्गों की बराबरी का संदेश दिया और ऐसे समानतावादी समाज की नींव रखी जहां कोई भी दुखी न हो।' मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'हमारी सरकार श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाओं और सिद्धांतों के आधार पर समाज की रचना के लिए प्रतिबद्ध है, जो मानवता को बराबरी की ओर निर्देशित करते रहते हैं। श्री गुरु रविदास महाराज जी गरीबों और पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए महान आध्यात्मिक दूत और मसीहा थे, जिन्होंने हमें नैतिक जीवन जीने की दिशा दी। यह प्रकाश पर्व ऐसे समाज के सृजन के लिए खुद को दोबारा समर्पित करने का अवसर है जहां हर व्यक्ति आत्म-सम्मान और सम्मान के साथ भेदभाव से मुक्त रहे।

केकेआर के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। सीएसके की टीम ने संजू सैमसन के शतक से पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। अब उसका लक्ष्य इस मैच में भी जीत के सिलसिले को बनाये रखना होगा। सीएसके की ओर से पिछले मैच में जेमी ओवरटन ने भी चार विकेट लेकर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। जिसे वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी। उन्होंने अपनी उछाल भरी गेंदों से विरोधी टीम के बल्लेबाजों को हैरान कर दिया था। वहीं स्पिनर अकील हुसैन ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी। बल्लेबाजी में सीएसके के पास सैमसन के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी हैं।युवा डेवाल्ड ब्रेविस के फिट होकर वापसी करने का भी लाभ मिलेगा।

वहीं दूसरी ओर केकेआर इस सत्र में अब तक एक भी मैच नहीं जीती है और ऐसे में उसपर इस मैच में किसी प्रकार से जीत हासिल करने का दबाव रहेगा। पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ वह जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। ऐसे में अजिंक्य रहाणे इस मैच में किस रणनीति से उतरते हैं ये देखना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही इस सत्र में अच्छी नहीं रही है।

कैमरन ग्रीन के गेंदबाजी शुरू करने से हालांकि उसकी उम्मीदें जगी हैं। रिंकू सिंह से भी अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और उनका इरादा अब अपने को साबित करना रहेगा। रहाणे ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है पर उन्हें अंत तक टिके रहना होगा। युवा अंगकृष रघुवंशी और रोवमैन पॉवेल भी फार्म में आ गये हैं जो टीम के लिए सकारात्मक संकेत हैं। . केकेआर को अगर सीएसके को उसके घरेलू मैदान पर हराना है तो उसके गेंदबाजों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मेजबान टीम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। आंकड़ों पर नजर डातें तो अबतक दोनो के बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें सीएसके ने 20 मैच जीते हैं, जबकि केकेआर ने 11 मैचों में जीत हासिल की है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला है।

पिच की बात करें तो शुरुआत में बल्लेबाजों को लाभ होता है पर मैच आगे बढ़ने

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स– संजू सैमसन (विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, अकील हुसैन, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, गुरजनप्रीत सिंह

इम्पैक्ट प्लेयरः कार्तिक शर्मा/मैथ्यू शॉर्ट

कोलकाता नाइट राइडर्स– फिन एलन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, ब्लेसिंग मुजरबानी, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयरः नवदीप सैनी

रॉयल्स के मैनेजर रोमी पर कार्रवाई कर सकता है बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के टीम मैनेजर रोमी भिंडर की मुश्किलें बढ़ सकती है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2026 मैच के दौरान टीम के डगआउट में मोबाइल फोन का उपयोग करना उन्हें भारी पड़ सकता है। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी उनपर कार्रवाई कर सकता है। गुवाहाटी में हुए इस मैच में रोमी टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के पास बैठकर मोबाइल चला रहे थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी माना है कि टीम मैनेजर ने नियमों का उल्लंघन किया है।

इस अधिकारी ने कहा, जी हां रोमी ने वास्तव में खिलाड़ियों एवं मैच अधिकारियों के लिए बने प्रोटोकॉल को तोड़ा है क्योंकि मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन के उपयोग पर रोक है। आईपीएल के अनुसार, टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का उपयोग कर सकता है पर डगआउट में नहीं। रोमी फेंचाइजी की शुरुआत से ही इससे जुड़े हुए हैं और जानकारों का मानना ??है कि उन्हें भ्रष्टाचार रोधी प्रोटोकॉल के बारे में अच्छी तरह से पता होना चाहिए। अब देखना होगा कि उनपर क्या कार्रवाई होती है।

इस अधिकारी ने कहा, यह अनजाने में भी हो सकता है पर इस पर कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह नियमों का उल्लंघन है। चेतावनी दी जाएगी या प्रतिबंध लगाया जाएगा, इसका फैसला मैच रेफरी और भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। आईपीएल की संचालन परिषद इस आधार पर फैसला ले सकती है। रोमी को और भी गहन जांच का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि सूर्यवंशी ने मैच के बाद उन्हें अपना स्थानीय संरक्षक बताया था।

आईपीएल अंकतालिका में तीसरे नंबर पर पहुंची आरसीबी, रॉयल्स शीर्ष पर बरकरार

मुम्बई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में जीत के साथ ही आईपीएल 2026 की अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। इस मैच के साथ ही इस सत्र में आरसीबी ने लगातार अपना तीसरा मैच जीता। अंकतालिका में अभी पहले स्थान पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है। रॉयल्स ने अब तक अपने सभी चारों मैच जीतकर 8 अंक हासिल किए हैं। वहीं, पंजाब किंग्स ने 4 में से 3 मैच जीत कर 7 अंक के साथ ही दूसरा स्थान हासिल किया है जबकि आरसीबी 4 में तीन मैच जीतकर 6 अंक के साथ ही तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जायंट्स 4-4 अंक लेकर आगे के स्थानों पर हैं। सनराइज हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपरकिंग्स ने अभी तक 4-4 मैच में से केवल 1-1 मैच ही जीता है। इन तीनों टीमों के अंक 2 हैं। अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स है (केकेआर) है। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है।

अंक तालिका में चौथे पायदान पर दिल्ली कैपिटल्स है। उसने चार मैचों में से दो मैच जीत चुकी है और उसके खाते में 4 अंक हैं। सूची में पांचवें पायदान पर गुजरात टाइटन्स है, जो चार में से दो मैच जीती और दो मैच हारी है। छठे पायदान पर बरकरार लखनऊ सुपर जायंट्स ने चार में से दो मैच जीते हैं। चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर कायम टीमों ने कम से कम दो मैच जीते हैं और इतने ही मैच ये हारी हैं।सातवें से 10वें नंबर तक की टीमों ने एक से ज्यादा मुकाबला नहीं जीता है। सातवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद है। वह चार में से तीन मैच हारी है और एक मैच जीती है। आठवें स्थान पर मुंबई इंडियंस है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके)की हालत भी यही है। वह भी तीन मैच हारने के बाद चौथा मैच जीती है। सीएसके नौवें नंबर पर है। सबसे अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है जो एक भी मैच नहीं जीती है। तीन मैच हारे हैं और एक मैच बेनतीजा रहा है। इस तरह केकेआर को केवल एक ही अंक मिला है।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटाया जाना चाहिये : पोलार्ड

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम शुरुआत से ही विवादों में रहा है। साल 2023 से लागू होने के बाद से ही कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे ऑलराउंडरों को ही नुकसान हो रहा है। ऐसे में इस नियम को हटा दिया जाना चाहिये। वहीं अब मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने भी कहा है कि इम्पैक्ट प्लेयर का विकल्प ऑलराउंडरों की भूमिका को सीमित कर रहा है। इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। पोलार्ड लंबे समय से आईपीएल का हिस्सा हैं। वह 2010 से अलग-अलग भूमिकाओं में आईपीएल से जुड़े रहे हैं और टीम में ऑलराउडर के तौर पर भी शामिल रहे हैं।

पोलार्ड ने कहा, मैं इस नियम को पसंद नहीं करता हूं पर इसे हटाना मेरे हाथ में नहीं है। इससे केवल ये हो रहा है कि इसने टी20 क्रिकेट में बड़े स्कोर बन रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी इसके पड़ने वाले असर पर अभी तक मैंने धयान नहीं दिया है। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर होने से केवल तब ही लाभ हो रहा है जब कोई टीम लीग गेम में कुछ विकेट गंवा देती है तो भी उसके पास अधिक रन बनाने का अवसर रहता है। उन्होंने जो लोग इस प्रकार के नियम बना रहे हैं उन्हें यह देखना चाहिये कि क्या यह वास्तव में खेल के लिए अच्छा है, टेलीविज़न के लिए अच्छा है, या सिर्फ़ लोगों के लिए फ़ायदेमंद है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के साथ, कुछ ऐसे कौशल सेट होत हैं जिनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रयोग नहीं हो रहा है। ऐसें में मेरा मानना है कि उनको इसकी समीक्षा करनी चाहिये। अगर ऐसा नहीं होता हो ये इसी प्रकार जारी रहेगा।

गौरतलब है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर इस नियम की आलोचना की है। अक्षर पटेल ने सीजन शुरू होने से पहले कहा, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑल-राउंडर हूं। पहले, आप बैटिंग और बॉलिंग के लिए एक ऑलराउंडर चुनते थे। इस नियम की वजह से, टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को रखती है, यह सोचकर कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है?शुभमन गिल भी इसके विरोध में हैं। उनका कना है कि कोई इम्पैक्ट प्लेयर नहीं होना चाहिए। आम तौर पर क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का गेम है। एक अतिरिक्त बल्लेबाज जोड़ने से, मुझे लगता है कि गेम

से कौशल समाप्त हो जाता है। उस एक खिलाड़ी से गेम को और भी वन-डाइमेंशनल बना रहा है। गुजरात टाइटन्स के कप्तान ने हाल ही में कहा, ÷मुश्किल विकेट पर 180 या 160 रन का पीछा करना मेरे लिए सपाट ट्रैक पर 220 रन का पीछा करने से ज़्यादा रोमांचक है।÷ इम्पैक्ट प्लेयर नियम 2023 से लागू है।

रोहित मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

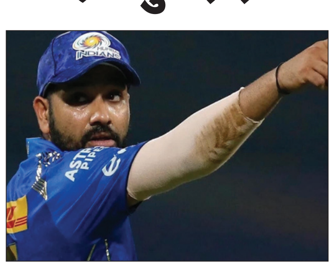

मुम्बई ।मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच में अपनी 19 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है।इसी के साथ ही वह आईपीएल में 6000 रन बनाने वाले मुंबई इंडियंस के पहले बल्लेबाज बने हैं।रोहित ने जैसे ही आरसीबी के खिलाफ अपने 6 रन पूरे किये।उसी के साथ ही उनके 6000 रन परे हो गये।रोहित ने जैकब डफी की गेंद पर छक्का लगाकर ये आंकड़ा हासिल किया।रोहित साल 2011 मुंबई इंडियंस से जुड़े थे।उसके बाद से ही वह इस टीम से खेलते हुए नजर आ रहे हैं।वहीं सूर्यकुमार सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं।सूर्यकुमार ने 116 मैचों में 3776 रन बनाए हैं।उनके बाद कीरोन पोलार्ड ने 2010 से 2022 तक मुंबई इंडियंस की ओर से 189 आईपीएल मैचों में 3412 रन बनाए हैं।वहीं आईपीएल में एक ही टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित से आगे विराट कोहली हैं।कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम के लिए 271 आईपीएल मैचों में कुल 8840 रन बनाए हैं।

फॉर्मूला वन की 2027 में भारत में वापसी होगी, खेल मंत्री ने कर दिया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली । खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि 2027 में भारत में फॉर्मूला वन रेस की वापसी होगी।मांडविया ने यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि ग्रेटर नोएडा में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में इस रेस के आयोजन के लिए कम से कम तीन कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है।उन्होंने कहा, 'भारत में 2027 में फॉर्मूला वन रेस होगी।पहली रेस बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित की जाएगी।' भारत इससे पहले फॉर्मूला वन रेस इंडियन ग्रां प्री आयोजित कर चुका है, लेकिन कर और नौकरशाही संबंधी समस्याओं के कारण 2013 में तीसरे संस्करण के बाद इसे फॉर्मूला वन रेस के कैलेंडर से हटा दिया गया था।

महिला टी20 विश्व कप के लिए रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा, पिछली बार की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने सोमवार को आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए 82 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा की।इस विश्व कप का आयोजन दो महीने बाद इंग्लैंड एवं वेल्स में होगा।कुल पुरस्कार राशि में पिछले सत्र की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।टूर्नामेंट के पिछले सत्र में 10 टीमों ने भाग लिया था, लेकिन 12 जून से 05 जुलाई तक सात स्थानों पर खेले जाने वाले आगामी विश्व कप में 12 टीमें भाग लेंगी।इसका फाइनल लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा।संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित पिछले सत्र की कुल पुरस्कार राशि 7,958,077 डॉलर (लगभग 74 करोड़ रुपए) थी, जो अब बढ़कर 8,764,615 डॉलर (लगभग 82 करोड़ रुपये) हो गई है। विजेता टीम को 23,40,000 डॉलर (लगभग 21.8 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जबकि उपविजेता को 11,70,000 डॉलर (लगभग 10 करोड़ रुपये) प्राप्त होंगे। सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 6,75,000 डॉलर (लगभग 6.29 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जबकि प्रत्येक ग्रुप मैच जीतने पर टीमों को 31,154 डॉलर (लगभग 29 लाख रुपये) मिलेंगे। आईसीसी ने यहां विज्ञप्ति में कहा, 'सभी 12 प्रतिभागी टीमों को कम से कम 2,47,500 डॉलर (लगभग 2.06 करोड़ रुपए) का सुनिश्चित पुरस्कार मिलेगा।' टूर्नामेंट की शुरुआत 12 जून को बर्मिंघम के एडजबेस्टन में मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मैच से होगी।इस विश्व कप में भाग लेने वाली अन्य टीमें ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भारत, आयरलैंड, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज हैं।33 मैचों का यह टूर्नामेंट 24 दिनों तक चलेगा। इस बीच, टी20 विश्व कप ट्रॉफी मेजबान शहरों का दौरा करेगी और लंदन में इसका समापन होगा।स्कॉटलैंड में सात से 10 मई तक इसका पहला पड़ाव होगा।ICC के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा, 'महिला क्रिकेट का विकास लगातार तेज हो रहा है।ICC महिला टी20 विश्व कप का 12 टीमों तक विस्तार और रिकॉर्ड पुरस्कार राशि, एक मजबूत और अधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक खेल के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'

आईपीएल2026 : प्रसिद्ध कृष्णा का लखनऊ के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन से पर्पल कैप पर कब्जा

लखनऊ (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाजी प्रसिद्ध कृष्णा ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटक कर पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया है।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में रविवार को खेले गए इस मुकाबले में प्रसिद्ध कृष्णा चार विकेट लेकर गेंदबाजों की सूची में चार मैचों में कुल 10 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए है। इस दौरान प्रसिद्ध ने 28/4 के आंकड़े के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है जबकि उकना इकोनॉमी रेट 9.50 रहा है।

इस सूची में दूसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स (RR) के रवि बिश्नोई (9 विकेट) तथा चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाज अंशुल कंबोज (8 विकेट) तीसरे स्थान पर है। चौथे स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और रॉयल चैलेंजसै बेंगलुरु के जैकब डफी हैं, जिनके नाम 6-6 विकेट हैं।

LSG vs RCB

मैच की बात करें तो तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी। स्न्त्र को 8 विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए और स्न्त्र 164 रन ही बना पाई।

नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहे : मैनेजर कुका

रियो डी जेनेरो ।स्टार फुटबॉलर नेमार आगामी विश्वकप को देखते हुए ब्राजील की टीम में जगह पाने के प्रयासों में लगे हुए हैं।इसी कड़ी में नेमार सैंटोस और एटलेटिको मिनेरो के बीच हुए मैच के दौरान पूरे समय मैदान में बने रहे।इस मैच से वापसी करते हुए नेमार को पूरे समय खेलते देकर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे।वहीं टीम के मैनेजर कुका ने भी नेमार के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह इसी प्रकार खेलते रहे तो जून में होने वाले विश्वकप में ब्राजील की टीम में उनकी जगह पक्की हो सकती है।कुका ने कहा, नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहा है, उसे टीम में वापसी के लिए मेहनत करते रहना होगा। उसका खेल लगातर निखर रहा है।।, कुका ने कहा कि वह मंगलवार को रेकोलेटा के साथ सैंटोस के खिलाफ होने वाले घरेलू कोपा अमेरिका मैच में भी खे सकता है।उन्होंने कहा, उसके लिए पूरे 90 मिनट खेलना जोखिम भरा है। हमें उसे खेल का आनंद लेते हुए लय हासिल करते देखना अच्छा लग रहा है।नेमार, जो 128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल के साथ ब्राजील की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी पर अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट टूटने के बाद से ही वह ब्राजील से नहीं खेल पाये हैं।इसके बाद से ही वह लगातार फिटसेस से जुड़ी परेशानियां झेल रहे हैं।पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब में लौटने के बाद से वह सैंटोस के लिए 35 मेच से लगातार उतर रहे हैं।ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के विश्व कप के लिए टीम की घोषणा से पहले उनके पास सैंटोस के लिए अपनी फिटनेस साबित करने के लिए 10 और गेम हैं। ब्राजील की टीम विश्वप में अपना अभियान 13 जून को मोरक्को के खिलाफ शुरू करेगी।

तेज गेंदबाज अशोक ने अपनी रफ्तार से प्रभावित किया

चंडीगढ़ ।आईपीएल के इस सत्र में गुजरात टाइटंस टीम से खेल रहे युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने अपनी गेंदबाज से सभी को प्रभावित किया है।अशोक ने इस सत्र की शुरुआत पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से की थी।अशोक ने अपने पहले ही मैच में 140–150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा है।शोक ने इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।उसी के कारण उन्हें आईपीएल के लिए गुजरात ने शामिल किया है।इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। वह कए साधारण परिवार से आये हैं।उन्होंने नेट गेंदबाज के तौर पर राजस्थान रॉयल्स के लिए काम किया है।इसके बाद उन्हें आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 55 लाख रुपए में खरीदा था पर उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिल सका।इसके बाद गुजरात टाइटंस ने उन्हें 90 लाख रुपए में शामिल किया।अशोक ने फर्स्ट क्लास करियर में 4 मैच खेले हैं, जिसमें 29.71 की औसत के साथ 14 विकेट हासिल किए।वहीं, 7 लिस्ट–ए मुकाबलों में उनके नाम 13 विकेट हैं।अशोक ने अपने टी20 करियर में 10 मैच खेले हैं, जिसमें 15.63 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं।

2027 एकदिवसीय विश्वकप में मिलर सहित कई अनुभवी खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे

जोहांसबर्ग ।दक्षिण अफ्रीका की टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप में डेविड मिलर, रासी वैन डेर डुसेन सहित कई स्टार खिलाड़ियों के बिना ही खेलती दिखेगी।इसका कारण है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने साल 2026–27 सत्र के लिए मिलर सहित कई खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया है।वहीं युवा खिलाड़ियों को पहली बार शामिल किया गया है।मिलर को केन्द्रीय अनुबंध के अलावा हाइब्रिड करार भी नहीं दिया गया है।इससे उनके अंतराराष्ट्रीय करियर पर सवाल उठने लगे हैं।मिलर ने कुछ समय पहले कहा था कि वह 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं पर अब उनकी ये इच्छा अधूरी ही रह जाएगी।मिलर के अलावा रासी वैन डेर डुसेन को इाइब्रिड करार नहीं मिला।वहीं बल्लेबाज रीजा हैननिक और तेज गेंदबाज नांद्रे बरगर भी करार में जगह हासिल नहीं कर पाये हैं। इस बार दक्षिय अफ्रीका बोर्ड ने नये खिलाड़ियों को अधिक अवसर दिया है। इस बार सीएसके ने युवा खिलाड़ियों डेवाल्ड ब्रैविस, कोर्बिन बास , आंटेरिन बार्टमैच जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए अनुबंध यसूची में शामिल किया है। इसके अलावा ऑफ स्पिनर सिमोन हार्मर को भी पहली बार करार मिला है।इस बार उन घरेलू खिलाड़ियों को भी अवसर दिया गया है।जो भविष्य में इंटरनेशनल क्रिकेट खेल सकते हैं।चयन संयोजक पैट्रिक मोरोनी ने कहा, आगे का सत्र काफी व्यस्त और अहम होने वाला है, इसलिए टीम में अनुभवी के साथ ही नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।उन्होंने आगे कहा, 2027 एकदिवसीय विश्वप कप को ध्यान में रखते हुए हमने ऐसे खिलाड़ियों को चुना है, जिनमें बड़े टूर्नामेंट जीतने की क्षमता और सही मानसिकता है।उसकी अनुबंध सूची में टेम्बा बावुमा, एडेन मार्करम, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, केशव महाराज, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन और काइल वेरेयन जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

विराट और रोहित चोटिल हुए, अगले मैच में खेलने को लेकर उठे सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में टखने में चोट लग गयी है। जिससे कारण उनके आईपीएल के अगले मैच में खेलने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इससे आरसीबी को झटका लगा है। वहीं मुम्बई के भी पूर्व कप्तान मुम्बई रोहित शर्मा इसी मैच में चोटिल हो गये। इससे मुम्बई की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। विराट की फिटनेस को लेकर आशंकाएं इसलिए भी बढ़ गयी हैं क्योंकि वह मुम्बई की बल्लेबाजी के दौरान मैदान पर नहीं उतरे। हालांकि इस मैच में आरसीबी की टीम जीत गयी। मैच के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार और ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा कि कोहली के शीघ्र ठीक होने की उम्मीद है। पाटीदार ने कहा, 'मुझे अभी नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि वह अभी ठीक हैं।'

वहीं क्रुणाल ने कहा, 'मैंने अभी फिजियो से बात नहीं की है पर मुझे लगता है कि वह ठीक हो जाएंगे, चिंता की कोई बात नहीं है।' इस मैच में विराट ने हालांकि बल्लेबाज के दौरान फिल सॉल्ट के साथ 120 रनों की शुरुआती साझेदारी की थी। विराट ने 38 गेंद में ही अर्धशतक लगा दिया था। वहीं इस मैच में मुम्बई के सलामी बल्लेबाज रोहित भी चोटिल हो गये हैं। इसी कारण ही रोहित को पांचवें ओवर के बाद मेडिकल हेल्प लेनी पड़ी। हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण रोहित छठे ओवर की दूसरी गेंद के बाद मैदान से बाहर चले गए। उन्होंने 13 गेंद में 19 रन बनाए और वह वापस मैदान में उतर नहीं पाये। आरसीबी का अगला मैच 15 अप्रैल को जबकि मुंबई इंडियंस का 16 अप्रैल को होना है ऐसे में विराट और रोहित दोनों को अपनी-अपनी चोट से उबरने के लिए कुछ दिन का समय मिलेगा।

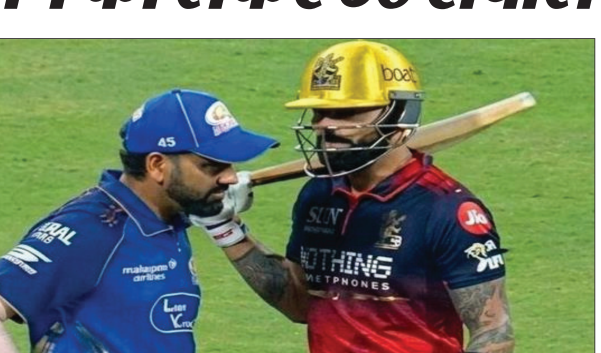

पहली बार साथ आएंगे टाइगर और सुनील

बॉलीवुड के एक्शन हीरो और दिग्गज अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों एक नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

वैरायटी इंडिया के मुताबिक पहली बार टाइगर श्रॉफ और सुनील शेट्टी नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे। दोनों अपने-अपने अंदाज के लिए जाने जाते हैं। टाइगर जहां अपनी फिटनेस और स्टाइलिश एक्शन के लिए मशहूर हैं, वहीं सुनील शेट्टी अपने दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और रफ-टफ इमेज के लिए पसंद किए जाते हैं। इस प्रोजेक्ट को और भी खास बनाता है इसका एक इमोशनल कनेक्शन। सुनील शेट्टी पहले टाइगर श्रॉफ के पिता जैकी श्रॉफ के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। अब वह उनके बेटे के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार मेकर्स इसे बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी में हैं, ताकि दर्शकों को एक शानदार सिनेमैटिक अनुभव मिल सके।

फिल्म को एक फुल-ऑन एक्शन एंटरटेनर बताया जा रहा है, जिसमें जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस, स्टाइलिश फाइट्स और मसाला एंटरटेनमेंट का तड़का देखने को मिलेगा। कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि पहली बार यह जोड़ी बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आने वाली है और उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म एक्शन लवर्स के लिए खास साबित होगी।

भूत बंगला फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म भूत बंगला का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में हॉरर-कॉमेडी का दमदार बेलेंस देखने को मिल रहा है। साथ ही ट्रेलर में एक्ट्रेस मिथिला पालकर भी दिखाईं दीं। अब उन्होंने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें प्रियदर्शन की इस फिल्म में रोल कैसे मिला।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर किया खुलासा दरअसल, मिथिला पालकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ एक पोस्ट शेयर की। साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि वो कल्याणी प्रियदर्शन थीं, जिन्होंने अपने पिता प्रियदर्शन को मिथिला के बारे में बताया।

मैंने कभी सोचा भी नहीं था

उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक अपॉर्चुनिटी, जो कभी मैंने सोची भी नहीं थी। कल्याणी की बहुत आभारी, जिनके बिना ये आइडिया पहुंच भी नहीं पाता। और प्रियन सर, आपका भरोसा करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं आपको बता नहीं सकती कि इस फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा। बहुत-बहुत आभारी। दर्शकों का बहुत शुक्रिया, जिन्होंने ट्रेलर को इतना प्यार दिया। मैं इंतजार नहीं कर सकती आप लोगों का फिल्म देखने के लिए। मिथिला की इस पोस्ट पर कल्याणी प्रियदर्शन ने कमेंट किया और कहा कि उन्होंने बस अपने पिता को बताया कि वे मिथिला की फैन हैं, और उससे ज्यादा कुछ नहीं किया। बता दें कि कल्याणी प्रियदर्शन भी एक्ट्रेस हैं, और साउथ की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

कब रिलीज होगी भूत बंगला?

बता दें कि फिल्म भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के साथ डायरेक्टर प्रियदर्शन और एक्टर अक्षय कुमार की जोड़ी 14 साल बाद फिर से साथ आने वाली है। अक्षय के अलावा इसमें वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और असरानी अहम किरदार में नजर आएंगे।

'धुरंधर 2' पर चुप्पी को लेकर ट्रोल हो रहीं दीपिका पादुकोण ने दिया जवाब

'धुरंधर द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। फिल्म ने अपनी सफलता के जरिए कई रिकॉर्ड बनाए हैं। हाल ही में इसने 1 हजार का आंकड़ा पार किया था। फिल्म के लिए रणवीर सिंह को भी लोगों से खूब प्यार मिल रहा है। लेकिन इन सब के बीच रणवीर सिंह की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की तरफ से फिल्म को लेकर कोई रिएक्शन सामने नहीं आया। इसके लिए फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे थे। अब इस पर एक्ट्रेस ने करारा जवाब दिया है।

सोशल मीडिया पर किया जा रहा था ट्रोल

दरअसल, एक इंस्टाग्राम रील के कैप्शन में लिखा था- 'दीपिका ने 500 करोड़ बजट फिल्म को साइलेंट ट्रीटमेंट दिया है। जब फिल्म ग्लोबल रिकॉर्ड बना रही थी, तब वे अपने ससुराल वालों के साथ सितार का कॉन्सर्ट देखने पहुंच गईं। ना कोई पोस्ट, ना कोई तारीफ...बस चुप्पी। क्या वो डायरेक्टर को कोई स्टेटमेंट देना जाहती हैं या फिर इंटरनेट ड्रामा से दूर हैं।

दीपिका ने खुद किया कमेंट

जब ये रील दीपिका तक पहुंची, तो उन्होंने खुद कमेंट कर जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'दूसरी वाली बात सही है मेरे दोस्त... और हां, मैंने ये फिल्म आप सबसे पहले ही देख ली थी। अब बताओ, मजाक किसका बन रहा है?'

फैंस ने किया दीपिका का समर्थन

उनके इस जवाब के बाद फैंस भी उनके समर्थन में आगे आ गए। एक ने कमेंट किया- 'शायद वो प्रीमियर के दिन अपने पति की लाइमलाइट नहीं लेना चाहती थीं।' वहीं दूसरे ने लिखा- 'वे अपने बच्चे की देखभाल में व्यस्त हैं, उन्हें अकेला छोड़ दो।' वहीं एक यूजर ने लिखा- 'उन्हें लोगों से अपने रिलेशनशिप और पति को लेकर वैलिडेशन की जरूरत नहीं।'

भाषा की बाधा अब खत्म हो रही है

हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाने वाले अपारशक्ति खुराना अब साउथ में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अपारशक्ति साई-फाई थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। इससे पहले अभिनेता ने भाषा की बाधा की खत्म होती धारणा और क्षेत्रीय सिनेमा के बढ़ते स्तर को लेकर बात की।

बातचीत में अपारशक्ति खुराना ने अपनी फिल्म की कहानी और भाषा की सीमाओं को लेकर कहा कि जैसे-जैसे ज्यादा कलाकार हिंदी सिनेमा से हटकर क्षेत्रीय सिनेमा में काम करने की ओर बढ़ रहे हैं, भाषा को एक बाधा मानने की धारणा धीरे-धीरे खत्म हो रही है। मुझे लगता है कि कहानी ने मुझे स्वाभाविक रूप से अपनी ओर खींच लिया। भाषाओं की सीमाओं को पार करना बहुत जरूरी है, खासकर तब जब क्षेत्रीय सिनेमा हमारे देश में इतना प्रासंगिक हो गया है। हिंदी भाषी दर्शकों का तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों की ओर रुख करना वाकई कमाल है।

एस. सूर्यप्रताप द्वारा निर्देशित साइ-फाइ थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से अपारशक्ति तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार है।

सोना महापात्रा ने बताई बॉलीवुड अवॉर्ड शो की काली सच्चाई

'चेतक स्क्रीन अवॉर्ड' में आलिया भट्ट ने सुनील सिंह ग्रोवर के साथ मिलकर महफिल सजाने की कोशिश की, लेकिन अब सोशल मीडिया पर उनके होस्टिंग के वीडियो को वायरल कर ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स का कहना है कि अभिनेत्री को कॉमेडी करनी नहीं आती और वे प्रियंका चोपड़ा को कॉपी करने की कोशिश कर रही हैं।

अब सिंगर सोना महापात्रा ने आलिया भट्ट को सपोर्ट करते हुए वीडियो पोस्ट किया है और बॉलीवुड में काम करने वालों की एकता पर भी सवाल किए हैं। सिंगर का कहना है कि जब कोई शो लाइव चलता है तो रीटेक का ऑप्शन नहीं होता है और स्टेज पर आकर लोगों को हंसाना बहुत मुश्किल काम है और बॉलीवुड में लाइव शो करना ही अपने आप में बहुत बड़ा स्टंट है। सिंगर का यह भी कहना है कि अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा रहा है, लेकिन उस दौरान ऑडियंस में बैठे स्टार्स ने भी उनकी होस्टिंग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था, जो गलत था और अब ट्रोलिंग होने पर भी कोई सामने नहीं आ रहा है।

सोना महापात्रा ने यह भी साफ किया कि सिर्फ मंच से होस्टिंग काफी नहीं होती है, बल्कि ऑडियंस में बैठे लोगों को भी मंच पर खड़े होस्ट का हौसला बढ़ाना होता है, लेकिन उस दिन सबकी एनर्जी और रिएक्शन मरा हुआ था। उन्होंने खुद का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि शबाना आजमी मिजवान फैशन शो होस्ट करती हैं और वहां रैंप पर चलने वालों की एनर्जी हाई होती है और ऑडियंस में बैठे बॉलीवुड स्टार्स की एनर्जी जीरो होती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की कि वे आलिया भट्ट को ट्रोल न करें। सिंगर सोना ने कहा, 'मुंबई फिल्म उद्योग सफलता और संघर्ष की मानसिकता को दूर नहीं करती। हम जितने अधिक 'सफल' होते जाते हैं, उतने ही कम उदार होते जाते हैं? तालियों की जगह हिसाब-किताब ले लेता है। प्रोत्साहन की जगह खामोश प्रतिस्पर्धा ले लेती है। सितारों और कामयाब लोगों से भरा कमरा, लेकिन फिर भी, कोई एक-दूसरे का साथ नहीं देता।'

सिंगर ने आलिया को सपोर्ट करते हुए लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है और यूजर्स भी उनका बराबर साथ दे रहे हैं। बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब आलिया को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले उनके और रणबीर कपूर के रिश्ते को लेकर भी उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

मजबूरी में लेखक-डायरेक्टर बना इमरान सर के गानों पर स्कूल में नाचा हूं

'गुडाचारी', 'मेजर' और 'हिट द सेकंड केस' जैसी कामयाब फिल्मों के लिए मशहूर साउथ सिनेमा के युवा स्टार अदिवि शेष अब एक और ऐक्शन-रोमांस से भरपूर फिल्म 'डकैत' लेकर आए हैं। इसी सिलसिले में उनसे खास बातचीत:

'कर्मा' और 'किस' जैसी शुरुआती फिल्मों में आप ऐक्टर के साथ राइटर-डायरेक्टर भी रहे। अभी डायरेक्शन से दूरी बना रखी है। क्या वापस यह डबल रोल निभाने का इरादा है?

'कर्मा' बनाने के बाद ही मुझे अहसास हुआ कि मैं अच्छा डायरेक्टर नहीं हूं। असल में, लेखन और निर्देशन मेरी मजबूरी थी क्योंकि बतौर ऐक्टर ऐसे रोल नहीं मिल रहे थे, जैसा मैं करना चाहता था। जिस तरह की स्क्रिप्ट्स मुझे पसंद थी, वे मिल नहीं रही थी। मुझे यह भी नहीं पता था कि इंडस्ट्री के अंदर कैसे आना है? वह विश्वसनीयता और सम्मान कैसे कमाऊं? तो मैंने खुद फिल्में लिखीं और बनाई। वो मेरी जरूरत थी। फिर, बाद में जब वो जगह बन गई तो मैं वो (ऐक्टिंग) कर रहा हूं, जो हमेशा से करना चाहता था। राइटिंग भी मेरी ऐक्टिंग को ही मजबूत करने का जरिया है।

'डकैत' में आप अपने फैंस के पसंदीदा ऐक्शन अवतार में हैं। इन दिनों ऐक्शन का दौर चल भी खूब रहा है। हालांकि, उसमें हिंसा और वीभत्स सीन पर भी काफी जोर दिख रहा है। आप इसकी क्या वजह मानते हैं?

'डकैत' ऐक्शन फिल्म नहीं है। यह लव स्टोरी में ऐक्शन है। इसमें दो पूर्व प्रेमी हैं, जो कभी एक दूसरे से प्यार करते थे। अब ऐसे माहौल में मिले हैं जहां डकैती हो रही है। गोलियां चल रही हैं। इन सबके बीच उनके पुराने प्यार का क्या होता है, ये कहानी है। रही हिंसा की बात तो अभी जमाना ही ऐसा है। दुनिया में जिस बेरहमी से मिसाइलें दागी जा रही है, वो हम सब देख रहे हैं। मुझे लगता है कि फिल्मों से ज्यादा हिंसा अभी असल दुनिया में है। रही बात ट्रेंड की, तो मुझे लगता है कि कोई भी ट्रेंड तब तक रहता है, जब तक दूसरा उसे तोड़ नहीं देता है। मैंने यश चोपड़ा जी का एक इंटरव्यू पढ़ा था जिसमें वे कह रहे थे कि एक दिन मरीन ड्राइव पर उन्होंने देखा कि हर होर्डिंग पर 4-4 हीरो बंदूकों के साथ दिख रहे थे। ऐसे वक्त में उन्होंने 'चांदनी' बनाने की सोची, जो क्लासिक बनी। जब रोमांस अपने चरम पर था, उस दौर में 'गदर' जैसी ऐक्शन और 'लगान' जैसी देसी फिल्म सुपरहिट हुई थी।

'डकैत' में आपके खिलाफ अनुराग कश्यप विलन की भूमिका में हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

हम बहुत लकी हैं क्योंकि वह बहुत विनम्र और निष्ठावान इंसान हैं। वह इतने मशहूर राइटर-डायरेक्टर हैं, पर जितने सामान्य तरीके से काम कर रहे थे, जैसे हमसे बात कर रहे थे, मानो खुद एक स्टूडेंट हों तो बहुत अच्छा अनुभव रहा। हमने 'डकैत' को अलग अलग भाषाओं में शूट किया है। इसके हिंदी वर्जन के डायलॉग में उन्होंने काफी गाइडेंस दिया तो इंडिया के बेस्ट डायलॉग लेखक हमें फ्री में मिल गए। उनके स्किल्स से हमें बहुत मदद मिली। 145 दिनों के शूट में उन्होंने एक बार पूछा कि क्या मैं एक शॉट में आपको डायरेक्ट कर सकता हूं, वो भी बहुत ही प्यार से और उस छोटे से सीन को उन्होंने जैसे शूट किया, वो एक किस्म का मास्टर क्लास था। मैंने स्कूल में था, जब उनकी फिल्म ब्लैक फ्राइडे देखी थी, तबसे उनका फैन हूं।

आप 'डकैत' के साथ 'गुडाचारी' का सीक्वल 'जी 2' भी शूट कर रहे हैं। दोनों के बीच में तालमेल बिठाने में कोई चुनौती आई?

'जी 2' हमने थोड़ा ही शूट किया है। अभी ज्यादा ध्यान 'डकैत' पर है क्योंकि यह पहले रिलीज है। इसके बाद मैं, वामिका गब्बी, इमरान खान सर, सब फिर से उस फिल्म पर काम करना शुरू करेंगे। इन दोनों के साथ काम करने में भी बड़ा मजा आ रहा है। इमरान सर कमाल के ऐक्टर हैं। वो लेजेंड हैं। मैंने स्कूल में उनके गानों पर डांस किया है। मेरे लिए, अक्खा बॉलिवुड एक तरफ और इमरान सर के गाने एक तरफ जैसा आलम था। वहीं, वामिका को हाल ही में मैं चिढ़ा रहा था कि तुम मेरी फिल्म 'डकैत' के खिलाफ अपनी 'भूत बंगला' रिलीज कर रही हो।

सलवार
का इंडो-वेस्टर्न टच

आप इंडो-वेस्टर्न टच कैरी करना चाहती है तो सलवार के साथ पा सकती है स्टाइलिश लुक। कुछ खास डिजाइंस पर कानपुर के एक्सपर्ट्स की नजर..

सलवार ट्रेडिशनल आउटफिट होने के साथ ही अब और भी स्टाइलिश और ट्रेंडी हो गई है। गर्ल्स के पास सलवार के एक या दो नहीं, कई डिजाइंस कैरी करने के ऑप्शंस है। इन्हे आप इंडियन के साथ इंडो-वेस्टर्न स्टाइल में भी कैरी कर सकती है।

पटियाला का टशन

फैसकॉस फैशन डिजाइनिंग इंस्टीटयूट की निदेशक रंजना पांडेय बताती है, पटियाला सलवार कंपलीट पंजाबी कुड़ी का लुक देता है। यह काफी घेर वाली लेयर्ड होती है और हर तरह की फैब्रिक के लिए सूटेबल भी। इसके साथ नीलेंथ कुर्ती बहुत फबती है। इसके साथ दुपट्टा कैरी कर सकती है लेकिन कैजुअल लुक चाहती है तो दुपट्टा अवॉइड करना ठीक रहेगा।

जोधपुरी का जलवा

फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल बताती है, इसकी मोहरी ज्यादा चौड़ी नहीं होती और यह काफी घेरदार होती है। इसके प्लेन और प्रिंटेड दोनों ही डिजाइंस स्टाइलिश दिखते है। सलवार अगर प्लेन कैरी करे तो कुर्ती प्रिंडेट पहनें। यह कंपलीट ट्रेडिशनल लुक देती है इसलिए इसके साथ मैचिंग की चूड़ियां जरूर पहनें।

हेरम के रंग

जेडी फैशन डिजाइनिंग इंस्टीटयूट की निदेशक डॉ. आशा सिंह बताती है, हेरम सलवार ऊपर से काफी लूज और नीचे से नैरो होता है। इसे टॉप के साथ कैरी कर स्टाइलिश लुक पा सकती है। अगर भीड़ से जुदा दिखना चाहती है तो इसे शॉर्ट कुर्ती के साथ कैरी करे। हेरम एंकल पर खुली होती है इसलिए एंकलेट पहनकर मैचिंग जमा सकती है।

काउल की टॉप मैचिंग!

यूआईडी की फैशन डिजाइनर रुचि रोहतगी बताती है, काउल सलवार के साथ टॉप या फिर किसी तरह की कुर्ती को मैच कराकर पहन सकती है। यह पटियाला की तरह ही लेयर्ड होती है और एंकल्स पर थोड़ी खुली हुई। जब इसे टॉप के साथ पहनें तो वेस्ट पर लटकन वाली बेल्ट आजमाएं। इससे डिफरेट लुक मिलेगा।

ऐसे दिखें फ्रेश

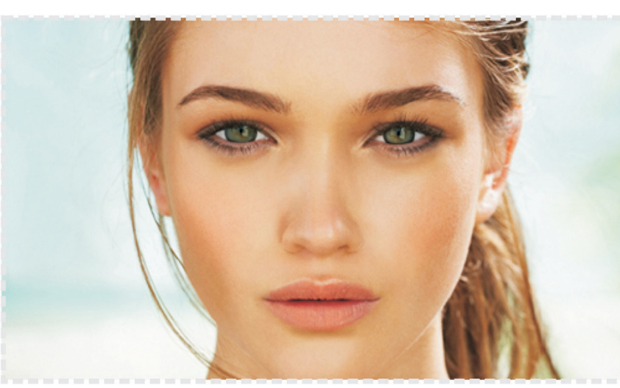

दिनभर तरोताजा रहने के लिए पिपरमेंट बाथ ऑयल या लेमन बाथ ऑयल की दो-तीन बूंदें टब में डालें फिर स्नान करें। आप चाहें तो स्नान करने के कुछ समय पहले बाल्टी या टब में गुलाब की पत्तियां भी डाल सकती हैं। इसकी भीनी-भीनी खुश्बू आपको दिनभर तरोताजा रखेगी।

डीप क्लेंजिंग ट्रीटमेंट के लिए मिक्स करें समान मात्रा में मिल्क पाउडर, लेमन जूस व शहद। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी में अंगुलियों को भिगोकर धीरे-धीरे गोल-गोल [क्लॉक वाइज] छुड़ाना शुरू करें। बाद में ताजे पानी से चेहरा धोकर थोड़ा सा गुलाबजल लगा लें।

सूर्य की नुकसानदेह अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किसी अच्छी कंपनी का सनस्क्रीन लोशन या क्रीम लगाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बात याद रखें कि सनस्क्रीन लोशन या क्रीम का प्रयोग हर तीन-चार घंटे के अंतराल पर अवश्य करती रहें। तभी इसका सही फायदा मिल सकता है।

त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए किसी अच्छी कंपनी का एंटी टैन मॉइश्चराइजिंग लोशन लगाएं। इसके अलावा खीरे का ठंडा रस या ठंडे खीरे को काटकर चेहरे पर कुछ देर मलें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने त्वचा तरोताजा नजर आएगी।

बेजान और रूखी हो गई त्वचा में नई जान डालने के लिए आप सारा का थ्री इन वन फेसवाश इस्तेमाल करें। यह स्क्रब, पैक और फेसवाश तीनों का काम एक साथ करेगा अर्थात आपको तीनों का लाभ देगा।

मृत त्वचा को हटाने के लिए ताजा पपीता और ठंडे दही को मिक्स करके रोजाना चेहरा साफ करें। त्वचा में जान आएगी।

झटपट फेस लिफ्ट कराने के लिए चावल को भिगोकर इसका पेस्ट बनाएं। फिर इसे शहद में मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ पानी से चेहरा धो लें। आप एकदम से फेश लिफ्टिंग महसूस करेंगी।

कुछ ही सेकंड में चेहरे पर ताजगी लाने के लिए गुलाब जल स्प्रे का इस्तेमाल करें। गुणों से भरपूर यह स्प्रे आपको ताजगी का एहसास तो देगा ही। साथ ही चेहरे को नमी भी प्रदान करेगा।

रूखे हाथों को कोमल और सुंदर बनाने के लिए चीनी और शहद को मिक्स करके हाथों की स्क्रबिंग करें। बाद में साफ पानी से हाथों को साफ करें।

पसंद आ रहे है स्टाइलिश पेंडेट

मार्केट वॉच

स्टाइलिश लुक के लिए हमेशा ही कुछ नए की तलाश में रहने वाली गर्ल्स के बीच पेंडेट्स का चलन बढ़ रहा है। गर्ल्स की इसी चाहत के चलते शहर की जूईलि व गिफ्ट शॉप्स में पेंडेट्स की कई नई वैरायटियां उपलब्ध हैं।

जंक पेंडेट

इस समय जंक पेंडेट अपने डल और सोबर कलर से गर्ल्स को खूब आकर्षित कर रहे है। कॉपर के ब्राउन, ब्लैक और यलो जैसे डल शेड्स के पेंडेट अट्रैक्टिव लुक देते है। इन पेंडेट को डिफरेंट लुक देने के लिए कॉपर चेन या पर्ल सेट का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

व्हाइट मेटल पेंडेट

फैशन डिजाइनर तरु सेठ कहती है, व्हाइट मेटल पेंडेट आपको हर डिजाइन व शेप में मार्केट में मिल जाएंगे, किस तरह का पेंडेट आप पर जंचेगा यह तो आपकी ड्रेस पर ही डिपेंड करेगा। यह पेंडेट आप थ्रेड चेन में पहन सकती है। सफेद चमकदार होने के कारण यह हर तरह से आपको सोबर लुक देगा।

ब्लैक मेटल पेंडेट

काकादेव स्थित गिफ्ट शॉपी के संचालक आशीष सिंह बताते है, इन पेंडेट की खासियत होती है कि यह हर तरह की चेन पर फिट हो जाते है। इन्हें अधिक स्टाइलिश लुक देने के लिए इनमें कई चेन डाल कर भी पहना जा सकता है। यह डिफरेट शेप में और हर साइज में अच्छा लगता है।

बीड एंड पर्ल पेंडेट

लार्ज सिंगल बीड और क्रिस्टल बॉल वाले पेंडेट भी यूनीक स्टाइल में उपलब्ध है। फैशन डिजाइनर रुचि रोहतगी बताती है, यह जींस टॉप और सलवार सूट दोनों पर परफेक्ट लगता है। इन पेंडेट को डिफरेट लुक देती है इनके साथ अटैच मोती व क्रिस्टल की माला। अगर आप भारी-भरकम जूईलि को किनारे कर कुछ सिंपल और गार्जियस लुक चाहती है तो हार्ट शेप स्वरोस्की पेंडेट्स बेहतर विकल्प साबित हो सकते है। बस इसके लिए जरूरत है मार्केट में उपलब्ध रेज में अपने लिए उचित पेंडेट्स का चयन।

हॉट है पोलका डॉट

फैशन में पोलका डॉट हिट है। इन्हे कैरी कर पा सकती है वेस्टर्न व एथनिक लुक, बता रही है कानपुर की कुछ फैशन एक्सपर्ट..

रट्रो फैशन से पोलका डॉट की फिर वापसी हुई है। डिजाइनर कलेक्शस से लेकर कूल कैजुअल्स तक में पोलका के ढेरों अंदाज देखने को मिल रहे है। ड्रेसेज के अलावा इन दिनों बैग्स, शूज, बेल्ट, स्कार्फ और सॉक्स तक में पोलका डॉट्स छाए हुए हैं।

ओकेजन के हिसाब से चयन

फैसकॉस फैशन डिजाइनिंग इंस्टीट्यूट की निदेशक रंजना पांडेय कहती है, हर बॉडी टाइप को सूट करने वाले इस ट्रेंड को कैरी करने के लिए आपको थोड़ा केयरफुल रहने की भी जरूरत है। पोलका डॉट्स ट्रेंड में है लेकिन स्टाइलिश दिखने के लिए ड्रेस के कट्स पर ध्यान देना भी जरूरी है। इसकी हर ड्रेस अलग लुक देती है इसलिए अकेजन के मुताबिक ही इसे कैरी करे।

कलर्स का रखें ध्यान

फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल कहती हैं, ब्लैक और वाइट पोलका हमेशा ट्रेंड में रहता है। दिन में ब्राइट व पेस्टल कलर के पोलका और रात को डीप कलर वाले पोलका अच्छे लगते हैं। डीप कलर में इन दिनों बॉटल ग्रीन, यलो, नेवी ब्लू, चॉकलेट ब्राउन, ब्लैक जैसे कलर्स आप ट्राय कर सकती हैं।

साड़ी में अट्रैक्शन

पोलका डॉट की बयार ड्रेस से लेकर साड़ी तक में देखी जा सकती है। साड़ियों के पल्ले व किनारियों में आप इन प्रिंट्स को कई तरह के डिजाइंस में देख सकती हैं। फैशन डिजाइनर रुचि रोहतगी कहती है, पोलका डॉट से साड़ी भी मॉडर्न ड्रेस में शुमार हो जाती है। इसे आप हर तरह की पार्टी में कैरी कर सकती है।

कुर्तियां हुई स्टाइलिश

फैशन एक्सपर्ट कविता जोतवानी कहती है, इन दिनों कॉटन की कुर्तियों में पोलका डॉट्स प्रिंट खास बने हुए हैं। खास ओकेजन के लिए इनमें हैवी वर्क, एम्ब्रॉयडरी, सितारे , गोटा और पैच वर्क किया गया है। पोलका डॉट्स कुर्तियों में ग?र्ल्स घेरदार, अनारकली, ए लाइन व स्ट्रेट को अधिक पसंद कर रही हैं। ऑफिस गोइंग गर्ल्स में भी इन दिनों इस लुक को एडॉप्ट करने में खासा इंट्रेस्ट दिख रहा है। एक निजी कंपनी में कार्यरत नीतू त्रिवेदी कहती है,कॉलेज जाना हो या ऑफिस, गर्ल्स के बीच जींस सदाबहार रहती है। जींस के साथ अगर पोलका डॉट टॉप पहनी जाए तो ड्रेस का डिफरेट लुक आता है। कुछ चेंज चाहिए तो प्रयोग भी करने होंगे।